विश्वकर्मा फर्नीचर
मो. 98261-32636,90987-54366,98274-96911

सोफा, डीवान, कुर्सी, पलंग, डिनर टेबल, ड्रायसिंग टेबल सहित सभी प्रकार के फर्नीचर के निर्माता एवं विक्रेता
सहारा बिल्डर, रेलवे क्रासिंग के पास, पावर हाउस रोड, कोरबा

तरुण छत्तीसगढ़

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com

कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026

सुनालिया ज्वेलर्स
हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता
मो. 94255-32524,94241-43922
पावर हाउस रोड, कोरबा

वर्ष 37 अंक 104 | कोरबा, मंगलवार , दिनांक 13 जनवरी 2026 डाक 14 जनवरी 2026 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

विविधा

अमेरिकी राष्ट्रपति के War Room में क्या चल रहा है, किन देशों के नाम लाल घेरे में हैं ?

देश-विदेश

मर चुकी है बीते जमाने की भाजपा शिंदे के गढ़ में उद्धव ठाकरे का हमला

फीचर पेज

ब्रेड से सैंडविच के अलावा भी बनाकर खाए जा सकते हैं ये लजीज व्यंजन

अमेरिकी सांसदों ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व को सराहा कहा, गांधी के बाद पीएम मोदी सबसे बड़े लीडर

वाशिंगटन, 13 जनवरी [एजेंसी]।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की अमेरिका में सराहना की जा रही है। प्रभावशाली अमेरिकी सांसदों ने प्रधानमंत्री मोदी को ऐसा अहम नेता बताया है, जो वैश्विक मंच पर भारत की भूमिका को नई दिशा दे रहे हैं। उनका कहना है कि वाशिंगटन पीएम मोदी के नेतृत्व को भारत-अमेरिका साझेदारी की दीर्घकालिक मजबूती के लिए केंद्रीय मानकर चल रहा है। वॉशिंगटन स्थित सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज (सीएसआईएस) में आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के सदस्य रिच मैककॉर्मिक ने प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों और सोच की प्रशंसा की। मैककॉर्मिक ने कहा कि पीएम मोदी का दृष्टिकोण पूरी तरह से देशहित पर केंद्रित है और भारत के विकास लक्ष्यों के अनुरूप है। वे अच्छे अर्थों में बेहद राष्ट्रवादी हैं। रिच मैककॉर्मिक (जो कांग्रेसनल इंडिया कॉकस के को-चेयर भी हैं) ने कहा, पीएम मोदी अपने देश का वैसे ही ध्यान रखते हैं, जैसे हम अपने देश का रखते हैं। वह भारत में उत्पादकता, विस्तार और नई तकनीकों को लाना चाहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी सांसद पीएम मोदी की उस सोच को समझते हैं जिसमें वे रक्षा और मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों में देश के भीतर क्षमता निर्माण पर जोर देते हैं।

प्रधानमंत्री चाहते हैं कि भारत की सैन्य ताकत देश के अंदर ही विकसित हो। रिच मैककॉर्मिक ने यह भी स्वीकार किया कि कुछ मुद्दों पर मतभेद हैं। भारत द्वारा रियायती दरों पर रूसी तेल खरीदे जाने का जिक्र करते हुए मैककॉर्मिक ने कहा, हमें यह पसंद नहीं है, लेकिन वह अपने देश के हित में ऐसा कर रहे हैं ताकि सस्ती ऊर्जा के जरिए अपनी अर्थव्यवस्था को विस्तार दे सकें। हालांकि, मैककॉर्मिक ने यह भी कहा, प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका के साथ तालमेल की अहमियत को अच्छी तरह समझते हैं। आखिर में, वह जानते हैं कि हम विचारधारा के स्तर पर समान सोच रखते हैं। मैककॉर्मिक ने यह भी कहा कि मेरे विचार से पीएम मोदी आधुनिक इतिहास के सबसे लोकप्रिय राजनेता हैं। वह शायद गांधी के बाद सबसे लोकप्रिय नेता हैं।

शिवम हत्याकांड से ज्वाल, शव पहुंचते ही एनएच-722 जाम, पुलिस वाहनों में तोड़फोड़

छपरा(सारण)। अमनौर थाना क्षेत्र के मदरौली अपहर गांव निवासी राजन गुप्ता के पुत्र शिवम कुमार की हत्या के बाद पूरे इलाके में जनाक्रोश फूट पड़ा। पोस्टमार्टम के बाद जैसे ही शिवम का शव गांव पहुंचा, स्वजनों के चीत्कार और ग्रामीणों के आक्रोश ने उग्र रूप ले लिया। आक्रोशित ग्रामीणों ने छपरा-रेवा एनएच-722 को जाम कर दिया, जिससे आवागमन पूरी तरह ठप हो गया। शिवम कुमार 31 दिसंबर को अचानक घर से लापता हो गया था। स्वजनों द्वारा लगातार खोजबीन किए जाने के बावजूद उसका कोई सुराग नहीं मिल सका। शव पहुंचते ही माहौल पूरी तरह बदल गया। सुबह करीब आठ बजे बड़ी संख्या में ग्रामीण शव को लेकर भेल्दी चौक के पास एनएच-722 पर पहुंच गए और सड़क जाम कर दिया।

महायुति में बढ़ी तकरार!

एनसीपी के खिलाफ ईसी पहुंची भाजपा पुणे में अवैध होर्डिंग्स की शिकायत की

मुंबई, 13 जनवरी [एजेंसी]।

महाराष्ट्र में निकाय चुनाव के बीच राजनीतिक पारा चरम पर है। ऐसे में सत्तारूढ़ गठबंधन महायुति में भी तकरार देखने को मिल रही है। चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा जहां अजित पवार की पार्टी एनसीपी को घेर रही है तो अजित पवार भी काफी आक्रामक नजर आ रहे हैं। महायुति गठबंधन में आपसी झगड़े साफतौर से देखे जा सकते हैं। इस बीच अब भाजपा अपने सहयोगी दल एनसीपी के खिलाफ चुनाव आयोग पहुंची है। महाराष्ट्र भाजपा के महासचिव राजेश पांडे के मुताबिक पार्टी ने पुणे में नगर निकाय चुनावों से पहले अपने महायुति सहयोगी एनसीपी और दूसरी पार्टियों द्वारा कथित तौर पर लगाए गए अवैध होर्डिंग्स की शिकायत चुनाव आयोग से शिकायत की है। दरअसल, एक बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पार्टी कार्यकर्ताओं से अवैध होर्डिंग्स और फ्लेक्स-बैनर लगाने से बचने की सलाह दी थी। सीएम ने अपने बयान में कहा कि इससे शहर की सुंदरता खराब होती है। ऐसे में पुणे भाजपा ने सोमवार को शहर को बैनर-पोस्ट मुक्त बनाने का संकल्प लिया। राजेश पांडे ने कहा कि भाजपा ने शहर में पार्टी कार्यकर्ताओं को फ्लेक्स होर्डिंग्स न लगाने के लिए सख्त निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने बताया कि नगर निगम चुनावों से पहले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और अन्य पार्टियों ने पूरे शहर में अनाधिकृत फ्लेक्स बैनर लगाए हैं। यह आचार संहिता का उल्लंघन है। हमने इस संबंध में चुनाव आयोग से शिकायत की है। इससे पहले रविवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एनसीपी प्रमुख और उपमुख्यमंत्री अजित पवार पर पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ में नगर निगम चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा की आलोचना करने के लिए निशाना साधा। उन्होंने कहा कि दोनों दलों के अलग-अलग चुनाव लड़ने के बावजूद उन्होंने सौहार्दपूर्ण मुकाबले पर सहमति जताई थी।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई, हत्याकांड के मुख्य आरोपी को मुठभेड़ के बाद दबोचा

रेवाड़ी। हरियाणा की रेवाड़ी पुलिस ने मोहन हत्याकांड के मुख्य आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। रेवाड़ी पुलिस ने धारूहेड़ा सीआईए और हरियाणा एसटीएफ के साथ संयुक्त अभियान में कुख्यात हिस्ट्रीशीटर सोनू को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए रेवाड़ी पुलिस ने दो दिन के भीतर यह दूसरा बड़ा एनकाउंटर किया है। जानकारी के अनुसार, पुलिस टीम कुख्यात बदमाश सोनीपत निवासी जयभगवान उर्फ सोनू का पीछा कर रही थी। दिल्ली-जयपुर हाईवे पर स्थित गांव खरखड़ा के पास खुद को घिरा देख बदमाश ने पुलिस पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू की। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोलियां चलाईं, जिसमें 20 हजार रुपए के इनामी बदमाश सोनू को दो गोलियां लगीं।

कोडीनयुक्त सिरप मामला: बिजनौर में आरोपियों के घर पुलिस की रेड

बिजनौर, 13 जनवरी [एजेंसी]।

कोडीनयुक्त सिरप की तस्करी के मामले में दूसरे केस में फरार चल रहे आरोपितों की तलाश में पुलिस ने कल रात जिलेभर में छापामारी की है। कई रिश्तेदारों और नजदीकियों को भी हिरासत में लिया है। लखनऊ से फटकार के बाद पुलिस हरकत में आई है। वहीं दोपहर लखनऊ से वीडियो कांफ्रेंसिंग में पुलिस अधिकारियों को कोडीनयुक्त सिरप प्रकरण में सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। हिमाचल प्रदेश में कोडीनयुक्त सिरप का उत्पादन हुआ। गाजियाबाद की कैडिल लाइफ साइंस कंपनी ने इस लाइकेरेक्स-टी सिरप को बिजनौर में मेडिकल स्टोरों बेचा था।

इन मेडिकल स्टोरों से सिरप को अन्य जिलों और जम्मू कश्मीर में भेजा गया था। प्रारंभिक जांच के बाद औषधि निरीक्षक ने शिव शक्ति बाला जी मेडिकोज और एसवी मेडिकल स्टोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। शिव शक्ति बाला मेडिकोज केस से जुड़े आरोपित शहर कोतवाली क्षेत्र के गांव मंगोलपुरा निवासीगण निवासी अरुण कुमार व त्रप्रभ, शहर के साहित्य विहार निवासी शिवांशु सिंह और नहटौर क्षेत्र के गांव जरीफपुर निवासी पुनीत को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।जांच में सामने आया था कि मेडिकल स्टोरों से जम्मू कश्मीर में भी कोडीनयुक्त सिरप की सप्लाई हुई है।

वहीं एसवी मेडिकल स्टोर के मामले में शहर के ज्ञान विहार कॉलोनी निवासी आकाश चौहान और चक्कर चौराहा निवासी तुषार कुमार के खिलाफ औषधि निरीक्षक ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

छापेमारी में बाधा, सबूतों से छेड़छाड़..., ममता के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची ईडी, लगाए कई आरोप

नईदिल्ली 13 जनवरी [एजेंसी]।

पश्चिम बंगाल में जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव करीब आ रहे हैं। राज्य में उतना ही बवाल मचता दिखाई दे रहा है। प्रवर्तन निदेशालय ने सुप्रीम कोर्ट याचिका दायर कर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, डीजीपी राजीव कुमार और पुलिस कमिश्नर मनोज कुमार के खिलाफ FIR दर्ज करने की मांग की है। ईडी ने राजनीतिक परामर्श संस्था आइ-पैक मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कुमार और कोलकाता के पुलिस आयुक्त (सीपी) मनोज वर्मा के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए दो अलग-अलग याचिकाएं दायर की हैं। ईडी ने आरोप लगाया है कि आई-पैक के खिलाफ जारी मनी लॉन्ड्रिंग जांच के दौरान CM समेत राज्य के बड़े अधिकारीयों ने रेड में बाधा डालने का काम किया। इसके साथ ही ईडी ने कहा कि राज्य मशीनरी ने सबूतों के साथ छेड़छाड़ की और उसे नष्ट भी किया। ईडी ने याचिका में कहा कि कानून के पहरेदार ही अपराध में भागीदार बन गए।

गौरतलब है कि ईडी ने कोयला तस्करी मामले में गत गुरुवार को कोलकाता में आई-पैक के कार्यालय और इसके निदेशक प्रतीक जैन के आवास पर छापेमारी कर तलाशी अभियान चलाया था। ईडी ने आरोप लगाया है कि जब आई-पैक के प्रमुख प्रतीक जैन के आवास पर छापेमारी चल रही थी, तब मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, डीजीपी और पुलिस कमिश्नर भारी पुलिस बल के साथ जबरन अंदर घुस आए। जांच अधिकारियों को डराया-धमकाया गया। उन्हें बंधक बनाया गया और उनके पास से महत्वपूर्ण दस्तावेज, मोबाइल फोन, हार्ड डिस्क व लैपटाप छीन लिए गए। एजेंसी ने इसे जांच को प्रभावित करने का सुनियोजित प्रयास बताया है। सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में ईडी ने कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच करने के जांच एजेंसी के अधिकार को राज्य के अफसरों ने रुकावट डालने का काम किया। ईडी ने इसके लिए सीबीआई जांच की भी मांग की है।

मैं जो चाहे वो करूं, मेरी मर्जी, चीन ने उड़ाया ट्रंप का मजाक, शेयर किया ए आई वीडियो

नई दिल्ली। अमेरिका ने वेनेजुएला पर हमला करके इस देश के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्तार कर लिया। चीन ने इस घटना पर अमेरिका की आलोचना भी की थी। वहीं अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की नीतियों को लेकर चीन ने मजाक उड़ाया है। वेनेजुएला पर हमला करने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने दुनिया के कई देशों को उनकी बात मानने के लिए कहा। ट्रंप ने वेनेजुएला के तेल पर कब्जा जमा लिया। इसके बाद अब ग्रीनलैंड पर भी अमेरिकी राष्ट्रपति की निगाहें टिकी हैं। इसके अलावा अमेरिका, ईरान में हो रहे प्रदर्शन पर भी नजर बनाए हुए है और ईरानी सरकार पर हमला करने की धमकी भी दे चुका है। अमेरिका के ऐसे तेवर देखते हुए चीन की सरकारी मीडिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक एआई वीडियो शेयर किया है, जिसका सीधा संबंध अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप और उनकी नीतियों से जोड़ा जा रहा है। चीन की सरकारी मीडिया के शेयर किए वीडियो में एक कैरेक्टर को अमेरिका के झंडे वाली टोपी पहने दिखाया गया है। इस वीडियो में कैप्शन के साथ बताया गया है कि ये कैरेक्टर लोगों से कह रहा है, तुम्हारा तेल, तुम्हारी जमीन, ये सब मेरा शिकार है।

वीडियो के कैप्शन में यह भी लिखा है, मादुरो को हटाना, केवल एक छोटा सा खेल है। अंतरराष्ट्रीय नियम मेरे लिए कोई मायने नहीं रखते। मुझे किसी की परमिशन की जरूरत नहीं है और न ही मुझे किसी बात का मलाल है। मेरे पास बहुत बड़ी सेना है। इस वीडियो में कैरेक्टर आगे कहता है, मैं जो चाहूं, वो करूं। मुझे जो कुछ चाहिए, वो मैं ले सकता हूं। चीन की सरकारी मीडिया की तरफ से शेयर किए इस वीडियो के कैरेक्टर को डोनल्ड ट्रंप की नीतियों से जोड़ा गया है।

देश में मनाया जा रहा लोहड़ी का पर्व

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित कई नेताओं ने दी शुभकामनाएं

नईदिल्ली 13 जनवरी ।

उत्तर भारत में पड़ रही कड़ाके की सर्दी के बीच मंगलवार को देश में लोहड़ी का त्योहार मनाया जा रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत कई नेताओं ने इस मौके पर देशवासियों को बधाई दी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सभी देशवासियों को लोहड़ी की शुभकामनाएं! दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, उत्साह, उमंग व नई ऊर्जा के प्रतीक 'लोहड़ी' पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं। यह पर्व सभी की सुख-समृद्धि का माध्यम बने।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, हर्ष और उल्लास के पावन पर्व लोहड़ी और भोगी की हार्दिक शुभकामनाएं। यह पावन पर्व सभी को खुशहाली, सुख-शांति और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लिखा, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और अन्नदाताओं के परिश्रम को समर्पित पावन पर्व लोहड़ी की सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। यह पर्व सभी के जीवन में खुशियां, ऊर्जा और नई उमंग लेकर आए, यही कामना है।

मुंबई में पर्यावरण अपराध: विदेशी ने बनाया कचरा फेंकने का वीडियो, सोशल मीडिया पर गुस्सा

मुंबई। मुंबई के मशहूर गेटवे ऑफ़ इंडिया के पास समुद्र में एक आदमी को लापरवाही से कचरा फेंकते हुए दिखाने वाला एक परेशान करने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। इस पर तीखी प्रतिक्रियाएं आ रही हैं और पब्लिक जगहों पर सिविक सेंस और एनवायरनमेंट की ज़िम्मेदारी पर नई बहस छिड़ गई है। यह घटना तब सामने आई जब एक विदेशी ट्रेस्ट्र ने गेटवे के पास समुद्र किनारे बनी सेफ्टी वॉल पर बैठकर इस हरकत को रिकॉर्ड किया। वीडियो में, विदेशी ट्रेस्ट्र को चुपचाप आस-पास का नज़ारा बनाते हुए देखा जा सकता है, तभी हेलमेट पहने एक आदमी एक औरत और एक बच्चे के साथ मौके पर आता है। कपड़े का बैग लिए हुए, वह आदमी थोड़ी देर रुकता है, बैग खोलता है और लापरवाही से उसका सामान, जो कथित तौर पर घर का कचरा है, सीधे समुद्र में खाली कर देता है। ऐसा लगता है कि इस हरकत से वीडियो बनाने वाला आदमी हैरान रह जाता है। वह क्या था? विदेशी ट्रेस्ट्र को यह कहते हुए सुना जा सकता है, जब वह आदमी कचरा फेंकता है और बिना किसी झिझक या पछतावे के चला जाता है। जैसे ही कैमरा उस आदमी की ओर जाता है जो औरत और बच्चे के साथ उस जगह से जा रहा है, विदेशी ट्रेस्ट्र बताता है कि उसके सामने क्या हुआ। वीडियो खत्म होते ही वह कहता है, यह अच्छा नहीं है, और जो उसने देखा, उससे साफ़ तौर पर नाराज़गी ज़ाहिर करता है।

इसके बाद यह वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तेज़ी से फैल गया, जिसकी नेटिज़न्स ने कड़ी आलोचना की। कई यूज़र्स ने मुंबई के सबसे ज़्यादा देखे जाने वाले टूरिस्ट लैंडमार्क में से एक पर, खासकर एक विदेशी विज़िटर के सामने, कचरा फैलाने की इस खुलेआम हरकत पर शर्मिंदगी और गुस्सा दिखाया। एक यूज़र ने मज़ाक में कहा, यह भारत में नॉर्मल बिहेवियर है, और इसे सिविक ज़िम्मेदारी की कमी का एक गहरा मुद्दा बताया। एक और यूज़र ने लिखा, उसे पूरे इंटरनेट पर तब तक शर्मिंदा करो जब तक उसे अपनी बड़ी गलती का एहसास न हो जाए, और पब्लिक अकाउंटेबिलिटी की मांग की।

राष्ट्रपति मुर्मू ने देशवासियों को लोहड़ी, मकर संक्रांति, पोंगल और माघ बिहू की शुभकामनाएं दी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को लोहड़ी, मकर संक्रांति, पोंगल और माघ बिहू के अवसर पर देशवासियों को बधाई दी और किसानों के प्रति आभार व्यक्त किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, देश-विदेश में रहने वाले सभी भारतीयों को लोहड़ी, मकर संक्रांति, पोंगल और माघ बिहू की हार्दिक शुभकामनाएं। ये पर्व भारत की समृद्ध कृषि परंपराओं तथा राष्ट्रीय एकता के प्रतीक हैं। इस अवसर पर हम प्रकृति के प्रति कृतज्ञता भी व्यक्त करते हैं। इन त्योहारों के माध्यम से हम अन्नदाता किसानों का आभार प्रकट करते हैं। मेरी मंगलकामना है कि ये पर्व सबके जीवन में सुख-समृद्धि का संचार करें।

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक
चर्म , गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार
डॉ.आर.के.अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.FDS
(Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.)
Mob.9424170010
-: परामर्श का समय :-
सुबह 10.30 से 1.30
(शाम को बंद)
डॉ.शशि अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.(U.K)
Mob.9826389894
सुविधायें:- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथेरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथेरेपी का ईलाज।
मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)
विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...
पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर , रिकाण्डो रोड घोड़ा चौक , बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

कनाडा के एयरपोर्ट से 180 करोड़ का सोना चोरी, अबतक 7 आरोपी गिरफ्तार, भारत से भी निकला कनेक्शन

कनाडा, 13 जनवरी [एजेंसी]।

कनाडा के पील में पुलिस ने सोमवार को प्रोजेक्ट 24K के सिलसिले में एक आदमी को गिरफ्तार किया है। यह जांच 20 मिलियन डॉलर से ज्यादा (180 करोड़) की सोने की ईंटों की चोरी से जुड़ी है। ये देश के इतिहास की सबसे बड़ी सोने की चोरी है। 43 साल के अरसलान चौधरी को टोरंटो पियर्सन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर गिरफ्तार किया गया, जब वह दुबई, संयुक्त अरब अमीरात से फ्लाइट से आया था। पुलिस ने बताया कि चौधरी का कोई तय पता नहीं है। 17 अप्रैल, 2023 को स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख से एक विमान टोरंटो पियर्सन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचा, इसमें लगभग 400 किलोग्राम .9999-शुद्ध सोने की खेप थी। ये 6,600 ईंटों के बराबर है और जिसका मूल्य 20 मिलियन डॉलर से अधिक है। इसके साथ ही 2.5 मिलियन डॉलर की विदेशी मुद्रा भी थी। इसके बाद माल को उतारकर हवाई अड्डे की संपत्ति पर एक अलग स्थान पर ले जाया गया, लेकिन कुछ घंटों बाद उसके लापता होने की जानकारी मिली।

फिर पुलिस ने सीमा पार जांच शुरू की और चोरी के सिलसिले में दस लोगों की पहचान कर उन पर आरोप लगाए या उनके खिलाफ वारंट जारी किए। इनमें ब्रैम्पटन निवासी 33 वर्षीय सिमरन प्रीत पनेसर भी शामिल थे। एयर कनाडा के पूर्व कर्मचारी पनेसर पर एयरलाइन सिस्टम में हेरफेर करके माल की खेप की पहचान करने और उसे दूसरी दिशा में मोड़ने में मदद करने का आरोप है।

कांकेर-पखांजूर रोड में दो की मौत, बाइकों की भिड़ंत

कांकेर। जिले के पखांजूर में रफ्तार ने कहर बरपाया है। पीवी-9 मार्ग पर मंगलवार सुबह दो मोटरसाइकिल के बीच तेज रफ्तार में आमने-सामने की भीषण टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल लाया गया, जहां दो सगे भाइयों ने दम तोड़ दिया. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक मोटरसाइकिल पर एक युवक सवार था, जबकि दूसरी मोटरसाइकिल पर दो सगे भाई जा रहे थे। तेज रफ्तार के कारण दोनों मोटरसाइकिलें आमने-सामने से टकरा गईं। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों युवक सड़क पर दूर जा गिरे और उन्हें गंभीर चोटें आईं। स्थानीय लोगों ने घायलों को तत्काल पखांजूर अस्पताल पहुंचाया। हालत नाजुक होने पर उन्हें बाहर रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान दो सगे भाइयों ने दम तोड़ दिया, जबकि तीसरे युवक की हालत अभी भी गंभीर बताई जा रही है।

पर्यटन स्थलों पर बढ़ रहे सैलानी

कोरबा। जिले के प्राकृतिक पर्यटन स्थलों में प्रतिदिन हजारों की संख्या में पर्यटक पिकनिक मनाने पहुंच रहे हैं सतरेगा, बुका, नकिया, झोराघाट, गहनियां, खेतार, केंदई, कॉफी प्वाइंट, टाइगर प्वाइंट, देवपहरी जैसे कई खुबसूरत प्राकृतिक स्थल पर्यटकों को आकर्षित कर रहे हैं। इन्हीं में एक अत्यंत रमणीय स्थल रानी झरिया भी शामिल है।

प्राकृतिक पिकनिक स्थलों की स्वच्छता बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसी उद्देश्य से कोरबा वनमण्डलाधिकारी प्रेमलता यादव के निर्देशानुसार एसडीओ आशीष खेलवार के मार्गदर्शन में बालकों वन परिक्षेत्र अधिकारी जयंत सरकार अपने पकर्मचारियों के साथ एवं नोवा नेचर वेल्फेयर सोसाइटी एवं स्थानीय ग्रामीण समितियों के सहयोग से रानी झरिया में बड़े पैमाने पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया।इस अभियान के तहत पूरे क्षेत्र में व्यापक सफाई कार्य किया गया। सफाई के पश्चात समिति एवं ग्रामीणों के साथ बैठक आयोजित कर रानी झरिया को भविष्य में स्वच्छ बनाए रखने पर विस्तृत चर्चा की गई कार्यक्रम के अंत में ग्रामीणों के लिए सल्पाहार एवं भोजन व्यवस्था की गई, जिसमें अजगरबहार एवं मखुरपानी क्षेत्र के ग्रामीणों ने भाग लिया और इस आयोजन से बेहद प्रसन्न नजर आए।वन विभाग ने इस अवसर पर सभी पर्यटकों से अपील करते हुए कहा कि 'प्रकृति की सुंदरता को बनाए रखना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। गंदगी फैलाकर प्राकृतिक धरोहर को नष्ट न करें, बल्कि इसे संजोकर रखें।' यह अभियान पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सराहनीय कदम है, जो समाज में स्वच्छता और प्रकृति के प्रति जागरूकता को मजबूती प्रदान करेगा।इस कार्यक्रम में कोरबा एसडीओ आशीष खेलवार, बालकों रेंजर जयंत सरकार, मुख्य लिपिक कृष्ण कुमार,जितेंद्र सारथी, वन प्रबंधन अध्यक्ष सतपल सिंह कंवर, जनप्रतिनिधि लवभूषण प्रताप कंवर, रितेश कुमार गुप्ता, कांति कुमार कंवर, सुशील कुमार कंवर, अनिल कंवर, ओमप्रकाश भारद्वाज, राम सिंह उइके, राजेश भारद्वाज, चेतन ध्रुव, संजय राठौर, उत्तम खूंटे, सुनील खड़िया, श्रीमति अनु चंद्र भास, श्रीमति गीता नेताम, श्रीमति अनिता कंवर, नोवा नेचर रेस्क्यु टीम राजू बर्मन, राकेश, कमलेश गोड, नरेश गोद, निशा बर्मन एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

कन्नौजिया राठौर समाज के वार्षिक स्नेह सम्मेलन में कैबिनेट मंत्री व महापौर हुए शामिल

कोरबा । कोरबा जिलान्तर्गत पाड़ीमार, बालको नगर में कन्नौजिया राठौर समाज बालको इकाई द्वारा आयोजित वार्षिक स्नेह सम्मेलन का आयोजन गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में कोरबा नगर निगम महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत एवं उद्योग, श्रम, आबकारी एवं वाणिज्य मंत्री सह कोरबा नगर विधायक लखनलाल देवांगन मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उक्त सम्मेलन अतर्गत समा की मांग पर कैबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन ने कन्नौजिया राठौर समाज के सामाजिक भवन निर्माण हेतु 20 लाख रुपये की सहर्ष घोषणा की, जिस पर उपस्थित समाजजनों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उनका आभार प्रकट किया। अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि कन्नौजिया राठौर समाज सदैव अपनी समृद्ध संस्कृति, परंपराओं एवं सामाजिक दायित्वों के निर्वहन में प्रेरणादायी भूमिका निभाता रहा है। ऐसे आयोजन समाज को अपनी जड़ों से जोड़ने के साथ-साथ सामाजिक एवं सांस्कृतिक एकता को सशक्त करने का कार्य करते हैं।

इस अवसर पर एमआईसी सदस्य हितानंद अग्रवाल, पार्षद तरुण राठौर, पार्षद रजत खूंटे, समाज के संरक्षक गोपाल प्रसाद राठौर, कार्यक्रम के अध्यक्ष जय राठौर, सुनील राठौर, सचिव देवेंद्र राठौर, मंडल अध्यक्ष दीलेन्द्र यादव, संपत यादव, हेमचंद राठौर, राघवेंद्र राठौर, सीताराम राठौर, लखन चंद्रा, यामिनी राठौर, निर्मला राठौर, भगवती राठौर सहित समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कृषक ने किया जहरीले खाद्य पदार्थ का सेवन

कोरबा। जिले में एक कृषक ने जहरीले खाद्य पदार्थ का सेवन कर लिया। बताया जा रहा हैं की वह धान खरीदी केंद्र में अव्यवस्था के कारण धान नहीं बिकने से परेशान था। उसे आनन-फानन में जिला चिकित्सालय लाया गया। यहां उसका उपचार जारी है। घटना की जानकारी होते ही कोरबा प्रवास पर चल रहीं कोरबा लोकसभा सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत ने चिकित्सालय पहुंचकर घटना की जानकारी लेते हुए कृषक का हाल-चाल जाना। उन्होंने पीड़ित किसान और उसके परिजनों से मुलाकात कर घटना की विस्तृत जानकारी ली और चिकित्सकों को बेहतर उपचार के निर्देश दिए। सांसद श्रीमती महंत ने प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए इसे किसानों के प्रति घोर संवेदनहीनता करार दिया है। जानकारी देते हुए बताया जा रहा हैं की कृषक ग्राम पुटा हरदीबाजार निवासी पिछले महीने से अपना धान बेचने के लिए परेशान है। ना तो उसका धन बिक रहा है और ना ही धान बेचने के लिए टोकन मिल रहा है। कृषक ने इस बाबत जनदर्शन में भी गुहार लगाई थी लेकिन कोई समाधान नहीं निकला।

श्रीराम के जयघोष के साथ श्रद्धासेतु यात्रा का हिस्सा बने सैंकड़ों राम भक्त

कटघोरा में युवा सम्मेलन में उत्साह, विभिन्न क्षेत्रों की भागीगारी

कोरबा। तय लक्ष्य के विरुद्ध 3 अरब 34 करोड़ राम नाम लेखन कर कोरबा जिले के लोगों ने रिकॉर्ड बनाया। श्री राम नाम लेखन पुस्तिकाओं के साथ श्री राम श्रद्धा सेतु यात्रा के लिए सैकड़ो श्रद्धालु स्वामी विवेकानंद जयंती पर अयोध्या को रवाना हुए। कई स्थानों पर मातृशक्ति ने फूलों की वर्षा कर इनका स्वागत किया।

कटघोरा के मेला ग्राउंड में युवा सम्मेलन के बाद श्रद्धालुओं का जत्था सड़क मार्ग से अपने सफर पर बढ़ा। राम मंदिर अयोध्या की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष में कोरबा जिले में राम नाम लेखन महायज्ञ को हाथ में लिया गया। 3 लाख परिवार तक राम नाम लेखन पुस्तिकाएं पहुंचाई गई थी। लोगों ने बढ़ चढ़कर इस अभियान में अपनी भूमिका निभाई। राम नाम लेखन पुस्तिकाओं को अयोध्या भिजवाने के लिए रामसेतु यात्रा की योजना बनाई गई जिसमें युवा शामिल हुए। शहरी और ग्रामीण क्षेत्र से ऐसे युवाओं का पंजीकरण पारदर्शी प्रक्रिया के अंतर्गत किया गया । निष्ठा और समर्पण की भावना को इसमें स्थान दिया गया। सभी स्थानों पर ऐसे राम भक्तों को वहां के लोगों ने भक्ति भावना के साथ विदा किया। श्री राम श्रद्धा सेतु यात्रा के लिए बनाई गई समिति के द्वारा छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश में इन श्रद्धालुओं के लिए आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी।

मकर संक्रांति को होंगे रामलला के दर्शन

बताया गया कि 14 जनवरी मकर संक्रांति को श्री राम श्रद्धा सेतु यात्रा अयोध्या पहुंचेगी। सरयू स्नान के बाद दोपहर 2:30 बजे से 1 घंटे का समय इन श्रद्धालुओं को दर्शन के लिए विशेष रूप से श्री राम जन्मभूमि मंदिर ट्रस्ट ने दिया है। इस दौरान कोरबा जिले के इन श्रद्धालुओं को मंदिर परिसर में विशेष सहूलियत प्राप्त होगी और दर्शन होंगे।

कौशलेंद्र बोले, युवा शक्ति राष्ट्र की शक्ति

श्रीराम श्रद्धा सेतु यात्रा के प्रस्थान होने से पहले कटघोरा में स्वामी विवेकानंद जयंती पर युवा सम्मेलन को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत क्रीडा प्रमुख कौशलेंद्र सिंह ने संबोधित किया। उन्होंने अपनी बात रखते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद ने अपने वैचारिक दृष्टिकोण से देश और दुनिया का मार्गदर्शन किया था। उनके विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं और वैचारिक क्रांति को मजबूती देने वाले हैं। कौशलेंद्र ने कहा कि युवा

शक्ति ही राष्ट्र की शक्ति है और सकारात्मक तरीके से अपनी भूमिका निभाने के लिए उसे अग्रणी होना चाहिए। कौशलेंद्र राम मंदिर आंदोलन का संक्षिप्त में उल्लेख किया और प्रदेश व देश की चुनौतियों के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि बहुत सारे संदर्भ और विषयों को सही परिपेक्ष्य में रखने और समाज को सही जानकारी देने की जिम्मेदारी युवाओं की है। उन्होंने आशा व्यक्त की है कि श्री राम श्रद्धा सेतु यात्रा में जिन युवाओं को अवसर प्राप्त हुआ है वह अपने क्षेत्र के लिए यूथ आईकॉन बनने का प्रयास जरुर करें।

कटघोरा में मंचीय कार्यक्रम के अंतर्गत अक्षय दुबे व मनोज नायडू ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन - डाक्टर राजीव गुप्ता संयोजक, श्रीराम श्रद्धा सेतु यात्रा ने कियानगर व्यवस्था प्रमुख, डाक्टर गोपाल गोस्वामी ने धन्यवाद जताया। आयोजन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला संघ चालक डॉक्टर विशाल उपाध्याय, किशोर बुटोलिया, कैलाश नाहक , रामकिशोर श्रीवास्तव राजकुमार ठाकुर, वीरेन्द्र मरकाम, अजय दूबे, किताब सिंह, सोनू पाण्डेय, मनोज डिकसेना , नानक राजपूत विशेष रूप से उपस्थित रहे। वाहिनी प्रमुखों के संयोजक की भूमिका शत्रुघ्न काच्छी ने निभाई। यात्रा कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न दायित्व भागिरथी चंद्रा , योगेश जैन, लोकेश साहू अनुराग तिवारी को दिए गए है।

एड्स जागरूकता कैंपेन में 100 से ज्यादा लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर मैदानी अमले ने दी अहम जानकारी

कोरबा। कलेक्टर कुणाल दुदावत के मार्गदर्शन, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एस.एन.केशरी के नेतृत्व में कटघोरा विकासखण्ड के ग्राम बांकी मोंगरा में जिला एड्स कट्रोल सोसायटी द्वारा दिनांक 10.01.2026 को एक दिवसीय इंटेंसिफाईड एचआईवी/एड्स जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कर नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया । इस शिविर में 130 लोग पंजीकृत हुए तथा 100 लागों का (वीडीआरएल-100,एचबी-100, शुगर-88, बीपी-87) जाँच किया गया। इस शिविर में उपस्थित लोगों को नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण के साथ-साथ दवाओं का वितरण, एचआईवी/एड्स के बारे में जानकारी, परामर्श, बचाव के सुरक्षित उपायों, एड्स पॉजिटिव मरीजों से भेदभाव ना करने के बारे में विस्तृत जानकारी दिया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एस.एन.केशरी ने एचआईवी/एड्स के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि एचआईवी (ह्यूमन इम्यूनोडेफिशिएंसी वायरस) एक वायरस है जो शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली पर हमला करता है, खासकर सीडी 4 कोशिकाओं को नष्ट करता है, जिससे शरीर संक्रमणों और बिमारियों से ठीक से लड़ नहीं पाता और अंतत: एड्स बिमारी नामक गंभीर स्थिति हो सकती है, लेकिन सही इलाज से इसे नियंत्रित करके स्वस्थ्य जीवन जिया जा सकता है।उन्होंने बताया कि यह जानना जरूरी है कि आप एचआईव्ही पॉजिटिव हैं या नहीं क्योकि कई बार मरीज में एचआईवी का कोई अपना लक्षण नहीं होता है। यह हमेशा दूसरी बिमारियों का लक्षण लिए हुए होता है। जिसमें प्राय: यह देखने को मिलता है कि व्यक्ति को एक महीने या अधिक समय तक लगातार फ्लू, बुखार, थकान, सिरदर्द, गले में खरास, रात को पसीना हो सकती है कोई भी ऐसी बिमारी जैसे उल्टी, दस्त, निमनिया, मुँह में छाले' टीबी जैसे संक्रमण वाली बिमारिया हो सकती है ऐसी परिस्थिती में प्रत्येक व्यक्ति को एचआईवी जाँच जीवन में कम से कम एक बार जरूर कराना चाहिए, साथ ही यौन रूप से सक्रिय लोगों को हर साल या जोखिम के आधार पर जिसमें असुरक्षित यौन संबंध, सुई साझा करना या किसी व्यक्ति को यौन संचारित रोग हो तो उन्हे प्रत्येक 3 से 6 माह में अवश्य जाँच कराना चाहिए इसके साथ ही प्रत्येक गर्भवती महिला को प्रथम तिमाही में एचआईवी की जाँच कराना अनिवार्य है। और अगर जाँच और उपचार नहीं हुआ तो एड्स विमारी हो सकती है, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एस.एन.केशरी ने आग्रह किया है कि जिन व्यक्तियों में उपरोक्त लक्षण हों मेडिकल कॉलेज (जिला चिकित्सालय) के आइटीसी सेंटर, समस्त विकासखण्ड के आईटीसी सेंटर तथा टोलफ्री नंबर 1097 में संपर्क कर अपना नि:शुल्क स्वास्थ्य जाँच करा सकते है।

दो जेल में नशामुक्ति के दुष्प्रभाव की जानकारी दी रंगोली से

कोरबा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, छ.ग. विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार व श्री संतोष शर्मा, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला न्यायालय, कोरबा के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में राष्ट्रीय युवा दिवस (स्वामी विवेकानंद जयंती) के राष्ट्रीय आयोजन की भावना को ध्यान में रखते हुए 5 से 12 जनवरी तक पूरे सप्ताह नालसा (डॉन) ड्रग अवरनेस एंड वेलनेस नेविगेशन फॉर द ड्रग फ्री इंडिया स्कीम 2025 के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कोरबा के बैनर तले जिला जेल कोरबा व उपजेल कटघोरा में बंदियों के द्वारा नशीली दवाओं ओर मादक पदार्थों के दूरूपयोग, नशे की लत से जूझ रहे लोगों को उचित चिकित्सा, मानसिक सहायता, परामर्श प्रदान कर न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करने का संदेश रंगोली के माध्यम से दिया गया।

उन्हें बताया की नशीले पदार्थों का सेवन करने से विभिन्न गंभीर बीमारियों का सामना करना पड़ता है। नशा मुक्ति अभियान एक युद्ध है। नशा हमारे समाज के लिए बहुत ही गंभीर समस्या बन चुका है इसमें युवाओं का जीवन तेजी से बर्बाद हो रहा है, यह आदत लगने के बाद व्यक्ति चाहकर भी बाहर नहीं निकल पाता। ऐसे व्यक्तियों का समाज में तथा व्यक्तिगत जीवन में भी बहुत कष्ट उठाना पडता है। किसी भी प्रकार का नशा नहीं करने के संबंध में जानकारी दी गई।

उक्त अवसर पर उप जेल कटघोरा में ,माननीया श्रीमती श्रद्धा शुक्ला शर्मा जिला व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ख्ड्ढस्ष्ट ड्ढष्टस्ष्ट अध्यक्ष, तालुका विधिक सेवा समिति, कटघोरा, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कोरबा व सहायक जेल अधीक्षीका, कटघोरा और जिला जेल कोरबा में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कोरबा व सहायक जेल अधीक्षक, कोरबा व कर्मचारीगण के द्वारा बंदियों के द्वारा बनाई गई रंगोली की प्रशंसा कर उन्हें प्रोत्साहित किया।

विकसित भारत जी-राम-जी अधिनियम 2025 से गांवों में आएगी विकास की क्रांति : कौशिक

कोरबा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ग्रामीण भारत के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए केंद्र सरकार द्वारा 'विकसित भारत जी-राम-जी अधिनियम 2025' लाया गया है, जो गांवों को आत्मनिर्भर और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में मील का पत्थर साबित होगा। उक्त बातें धरमलाल कौशिक , विधायक बिल्हा विधानसभा, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भाजपा (छ.ग.) ने प्रेस क्लब, तिलक भवन टीपी नगर में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कही। इस अवसर पर उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन , भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी, महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत , प्रदेश मंत्री सुश्री रितु चौरसिया , सह संभाग प्रभारी रायपुर डॉ. राजीव सिंह उपस्थित रहे।श्री कौशिक ने कहा कि यह अधिनियम किसानों, मजदूरों और गरीबों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता का सशक्त प्रमाण है। उन्होंने याद दिलाया कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद अपने पहले संसदीय भाषण में ही नरेंद्र मोदी ने सरकार को गरीबों के नाम समर्पित बताया था, जिसके अनुरूप घर-घर बिजली, शौचालय, आवास, जनधन खाते जैसी ऐतिहासिक योजनाएँ लागू की गईं। उन्होंने बताया कि विकसित भारत जी-राम-जी अधिनियम मनरेगा का उन्नत, अधिक प्रभावी और पारदर्शी स्वरूप है। जहां मनरेगा में 100 दिनों का रोजगार मिलता था, वहीं अब इस अधिनियम के तहत ग्रामीण परिवारों को 125 दिनों के सुनिश्चित रोजगार की कानूनी गारंटी मिलेगी, जिससे मजदूरों की आय में सीधा इजाफा होगा।

श्री कौशिक ने कहा कि मजदूरी भुगतान सात दिनों के भीतर अनिवार्य होगा। यदि तय समय सीमा में भुगतान नहीं होता है तो विलंबित भुगतान पर मजदूर को अतिरिक्त राशि दी जाएगी, जो मजदूरी पर ब्याज के समान होगी। इससे मजदूरों को न्याय मिलेगा और भुगतान में देरी की समस्या समाप्त होगी। कृषि हितों की रक्षा को लेकर उन्होंने बताया कि बुवाई और कटाई के समय 60 दिनों तक कार्य स्थगित किए जा सकेंगे,

ताकि किसानों को पर्याप्त श्रमिक मिलें और खेती प्रभावित न हो। इससे ग्रामीण पलायन रुकेगा और कृषि उत्पादन में स्थिरता आएगी।

उन्होंने स्पष्ट किया कि मनरेगा में पूर्व में सामने आने वाली फर्जी मास्टर रोल, मशीनों के दुरुपयोग और धांधली जैसी शिकायतों का यह नया अधिनियम स्वत: समाधान करेगा। पारदर्शिता बढ़ेगी और वास्तविक मजदूरों को सीधा लाभ मिलेगा। श्री कौशिक ने बताया कि अधिनियम के अंतर्गत चार प्रमुख क्षेत्रों—जल सुरक्षा, ग्रामीण अधोसंरचना, आपदा सुरक्षा और आजीविका संवर्धन पर विशेष फोकस किया जाएगा। जल संरक्षण, नदी-नालों का सुधार, कटाव रोकना और सिंचाई संरचनाओं का विकास प्राथमिकता से किया जाएगा।प्रेस कॉन्फ्रेंस में अशोक चावलानी, चुलेश्वर राठौर, जिला महामंत्री संजय शर्मा, अजय विश्वकर्मा, जिला उपाध्यक्ष प्रफुल्ल तिवारी, रूक्मणी , महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रीति स्वर्णकार, नरेन्द्र पाटनवार, राकेश नागरमल अग्रवाल, मनोज मिश्रा सहित प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं वेब पोर्टल के पत्रकार बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

एसईसीएल स्तरीय भूविस्थापितों का सम्मेलन आयोजित

कोरबा। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (SECL) के अंतर्गत आने वाले छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के भूविस्थापितों की एसईसीएल स्तरीय सम्मेलन का आयोजन किया गया कार्यक्रम की शुरुआत में महापुरुषों के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई स्कूली छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया और रुद्र दास ने स्वागत उद्बोधन किया उसके बाद ऊर्जाधानी भूविस्थापित किसान कल्याण समिति के अध्यक्ष सपुरन कुलदीप ने कोयला खदानों के इतिहास और वर्तमान परिस्थिति पर विस्तार से रिपोर्ट प्रस्तुत किया और आयोजन के सबन्ध में बताया ।

इस सम्मेलन में छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश स्थित कोयला परियोजनाओं में विभिन्न संगठनों के द्वारा चलाये जा आंदोलन का फेडरेशन बनाकर एक साथ मिलकर रोजगार उचित मुआवजा पुनर्वास और बुनियादी सुविधाओं जैसी जायज मांगों को लेकर चल रहे संघर्ष को और अधिक मजबूत बनाने पर विचार विमर्श किया गया और तय किया गया है कि :- सभी संगठनों को मिलाकर एक

मोर्चा एसईसीएल स्तरीय भूविस्थापित फेडरेशन बनाई जाएगी । 26 जनवरी को ग्राम सभाओं में भूविस्थापित समस्याओं के समाधान के लिए प्रस्ताव कराये जाएंगे । अपने अपने क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों सांसद विधायक और पंचायत प्रतिनिधियों से हस्ताक्षर युक्त मांगपत्र के साथ सीएमडी को पत्र सौंपा जाएगा । भूविस्थापित समस्याओं को लेकर चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा जिसमे बिलासपुर मुख्यालय कोल इंडिया कोलकाता और कोयला मंत्रालय नई दिल्ली में बड़े आंदोलन किया जाएगा । छत्तीसगढ़ के गेवरा दीपका कुसमुंडा कोरबा रायगढ़ बैकुंठपुर विश्रामपुर भटगांव चिरमिरी और हसदेव क्षेत्रों के साथ-साथ मध्य प्रदेश के सोहागपुर और जमुना-कोतमा क्षेत्र के विभिन्न संगठन के नेतृत्व किसान नेता हाईकोर्ट अधिवक्ता समाज सेवी और प्रभावित ग्रामीण उपस्थित हुये । सपुरन कुलदीप तिरिथ केशव सुरेश पटेल रममेलाल धीवर (मानिकपुर) कोरबा क्षेत्रबसन्त कंवर संतोष चौहान रविन्द्र जगत दीपका क्षेत्र रुद्र दास महंत विजयपाल सिंह तंवर अनुसुइया राठौर ललित महिलांगे रोबरा क्षेत्रभरत पटेल राजेश यादव कुसमुंडा क्षेत्र भरत झारिया नरिहर दास रायगढ़ क्षेत्र मंगेलश्वर अवदेश कुशवाहा बैकुंठपुर क्षेत्र भागवेन्द्र तिवारी रामबाई जमुना कोतमा क्षेत्रडॉ विनय शुक्ला हर्षवर्धन हसदेव क्षेत्रभागवत दुबे चिरमिरी क्षेत्ररमेश सिंह (पूर्व स्ष्ठरू) जिला पंचायत अध्यक्ष प्रभाकर सिंह रोशन नापित सत्यदेव साहू सोहागपुर क्षेत्र अरुण कुमार वीरेंद्र सिंह विश्रामपुर क्षेत्र बुधवार सिंह अमर साय भटगांव क्षेत्र ने सम्बोधन दिया ।

अवैध दुकानों को गायत्री मंदिर चौराहे से हटाने का दिया प्रस्ताव

कोरबा। एरिया जेसीसी कमेटी की मीटिंग में गायत्री मंदिर चौक कुसमुंडा के पास दुर्घटना की संभावना को देखते हुए अवैध दुकानों को हटाने का प्रस्ताव रखा गया। इसे नेहरू नगर स्थित खाली जगह पर चौपाटी की तरह स्थापित कराने का सुझाव दिया। इस पर प्रबंधन ने सब्जी मार्केट को हटाने जरूरी कार्रवाई की बात कही है। एसईसीएल कुसमुंडा खदान के से कोयला कर्मियों को सर्वे कराकर बलगी उपक्षेत्र के खाली आवासों को आवंटित किया जाएगा, लेकिन इससे पहले पूत्र उचित माध्यम से संबंधित एरिया पत्र भेजेगी। एसईसीएल कुसमुंडा कॉलोनी के एमडी आवास में निवासरत 48 कर्मचारियों को आवास खाली होने पर प्राथमिकता के आधार पर आवंटित किए जाएंगे। श्रम संघों की ओर से कोयला कर्मियों को आवासीय कॉलोनी का मकान नहीं मिलने का मुद्दा उठाया जाता रहा है। एसईसीएल कुसमुंडा एरिया की जेसीसी मीटिंग में यह मुद्दा प्रमुखता यूनियन नेताओं ने उठाया। एसईसीएल के दूसरे एरिया से तबादले के बाद आने के साथ ही माइंस विस्तार से अधिग्रहित जमीन के बदले रोजगार देने से कुसमुंडा खदान में कर्मियों की संख्या बढ़कर 3100 हो गई है। कई लोग आवास मिलने की उम्मीद में है, जिन्होंने आवेदन भी किया है। इन कर्मचारियों को आवास की सुविधा दिलाने बलगी उपक्षेत्र के खाली आवासों की जानकारी जुटाने सर्वे कराने उचित माध्यम से संबंधित एरिया पत्र भेजेगी। एसईसीएल कुसमुंडा एरिया की जेसीसी मीटिंग में श्रमिक नेताओं को जानकारी दी है। जारी मिनट्स के अनुसार कर्मचारियों को आवास की सुविधा दिलाने 120 एमडी आवास, 129 डीएमक्यू आवास के स्थान पर नए आवास बनाने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा

ऑनलाइन टोकन से लेकर त्वरित भुगतान तक: धान खरीदी व्यवस्था से संतुष्ट किसान चमरा सिंह

कोरबा । छत्तीसगढ़ राज्य सरकार द्वारा धान खरीदी की सुव्यवस्थित, पारदर्शी और किसान-हितैषी व्यवस्था आज प्रदेश के किसानों के लिए भरोसे का आधार बन चुकी है। सर्वाधिक समर्थन मूल्य, ऑनलाइन टोकन प्रणाली और त्वरित भुगतान जैसी पहलें किसानों को न केवल आर्थिक संबल दे रही हैं, बल्कि उन्हें सम्मान और आत्मविश्वास भी प्रदान कर रही हैं।

इसी व्यवस्था का लाभ लेकर पाली विकासखण्ड के ग्राम डोड़की के किसान श्री चमरा सिंह ने इस खरीफ वर्ष में उपार्जन केंद्र चैतमा में 54 क्विंटल धान का सफलतापूर्वक विक्रय किया। श्री सिंह के पास कुल 4.5 एकड़ कृषि भूमि'' है, जिस पर वे परंपरागत रूप से धान की खेती करते हैं। राज्य सरकार की प्रभावी धान खरीदी प्रणाली का लाभ उन्हें निरंतर मिल

रहा है। ऑनलाइन टोकन प्रणाली के कारण उन्हें किसी प्रकार की भीड़, अव्यवस्था या अनिश्चितता का सामना नहीं करना पड़ा। तय समय पर केंद्र पहुंचकर उन्होंने सहज और पारदर्शी तरीके से अपना धान बेचा।

पिछले खरीफ सीजन में भी श्री सिंह ने 60 क्विंटल धान का विक्रय किया था, जिसका भुगतान उन्हें समर्थन मूल्य पर सीधे और समयबद्ध तरीके से प्राप्त हुआ। इससे वे न केवल खेती की लागत निकाल पाए, बल्कि अगली फसल की तैयारी भी आत्मविश्वास के साथ कर सके। किसान श्री चमरा सिंह का कहना है कि अब धान बेचने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होती। ऑनलाइन टोकन, सुव्यवस्थित उपार्जन केंद्र और शासन की स्पष्ट नीति ने किसानों का भरोसा मजबूत किया है।

नगर निगम की मेयर इन काउंसिल द्वारा 66 करोड़ रू. के विकास कार्यो सहित अन्य कार्यो को दी गई स्वीकृति

कोरबा। कोरबा नगर निगम महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत की अध्यक्षता में संपन्न नगर पालिक निगम कोरबा की मेयर इन काउंसिल की बैठक में नगर निगम के 66 करोड़ रूपये के विभिन्न विकास कार्यो व अन्य कार्यो सहित प्रस्तुत विभिन्न प्रस्तावों को एमआईसी द्वारा अपनी स्वीकृति प्रदान की गई, इन प्रस्तावों में विभिन्न वार्डो में प्रस्तावित लगभग 60 महत्वपूर्ण विकास व निर्माण कार्य सहित निगम के विभिन्न स्थलों पर निर्मित हाल कमरों को किराये पर देने हेतु प्राप्त निविदा दरों की स्वीकृति, पेंशन व आर्थिक सहायता प्रदान करने से जुड़ी शासकीय योजनाओं के हितग्राहियों की स्वीकृति एवं विभिन्न नागरिक सेवाओं व सुविधाओं से जुड़े कार्यो के प्रस्ताव शामिल हैं।नगर पालिक निगम कोरबा के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत स्थित सभाकक्ष में महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत की अध्यक्षता में निगम की मेयर इन काउंसिल की बैठक संपन्न हुई। बैठक में निगम के विभिन्न वार्डो में प्रस्तावित महत्वपूर्ण विकास व निर्माण कार्यो की स्वीकृति के साथ-साथ विभिन्न नागरिक सेवाओं व

सुविधाओं से जुड़े कार्यो व निगम के अन्य कार्यो से संबंधित प्रस्तावों पर मेयर इन काउंसिल द्वारा सर्वसम्मति से अपनी मुहर लगाई गई।बैठक के दौरान अधोसंरचना मद से नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्रांतर्गत विभिन्न वार्डो में 23 विकास व निर्माण कार्यो के प्रस्ताव, राज्य प्रवर्तित योजना अंतर्गत निगम क्षेत्रांतर्गत मुक्तिधाम निर्माण, सौदर्यीकरण व अन्य विकास कार्यो सहित 10 निर्माण कार्यो के प्रस्ताव, राज्य प्रवर्तित योजना मद अंतर्गत निगम क्षेत्रांतर्गत उद्यानों का निर्माण, उन्नयन, सौदर्यीकरण व अन्य विकास कार्यो के 17 निर्माण कार्यो के प्रस्ताव, निगम क्षेत्रांतर्गत विभिन्न स्लम बस्तियों में सी.सी. रोड, नाली निर्माण, स्ट्रीट लाईट, जल प्रदाय से जुड़े 10 निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 48 दर्री बाजार में साढ़े 29 करोड़ रूपये की लागत से कामर्शियल काम्पलेक्स व शेड निर्माण सहित विभिन्न विकास व निर्माण कार्य के प्रस्ताव एमआईसी के समक्ष प्रस्तुत किए गए, जिन्हें सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई।

अवैध धान परिवहन पर राजस्व विभाग का एक्शन

सक्ती । कलेक्टर अमृत विकास तोपनो के निर्देशानुसार अवैध धान परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण के लिए जिले में लगातार सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) मालखरौदा रूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम द्वारा बड़ी कार्यवाही की गई। राजस्व विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार 11 जनवरी 2026 को रात्रि लगभग 8 बजे बलराम ट्रेडर्स ग्राम बन्दोरा से दो ट्रैक्टरों में धान का अवैध परिवहन किया जा रहा था। जांच दल ने मौके पर पहुंचकर दोनों ट्रैक्टरों को तलाशी ली। तलाशी के दौरान पाया गया कि दोनों ट्रैक्टरों में लगभग 150-150 कट्टी धान लोड किया गया था। टीम द्वारा दोनों ट्रैक्टरों को अवैध धान परिवहन करते हुए जब्त कर लिया गया। सुरक्षा की दृष्टि से जब्त किए गए दोनों ट्रैक्टरों को थाना मालखरौदा में सुरक्षार्थ रखा गया है। अनुविभागीय अधिकारी ने बताया कि अवैध धान परिवहन के इस मामले में नियमानुसार पंचनामा तैयार कर लिया गया है तथा संबंधितों के विरुद्ध आवश्यक जांच करते हुए आगे की वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। जिला प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी अवधि में अवैध परिवहन एवं भंडारण के मामलों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। इस प्रकार की कार्यवाहियां आगे भी निरंतर जारी रहेंगी, ताकि धान खरीदी व्यवस्था में पारदर्शिता बनी रहे। इस कार्यवाही में तहसीलदार अड़भार बिसाहिन चौहान, राजस्व निरीक्षक केशव पटेल,पटवारी पितर सिदार एवं मंडी सचिव, मंडी निरीक्षक सहित अन्य अधिकारियों कर्मचारियों की संयुक्त टीम शामिल थी।

लायंस स्कूल के विद्यार्थियों ने एसडीपीएफ द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रदर्शन से जीता सम्मान

चांपा। स्पोर्ट्स डिपार्मेंट फेडरेशन (स्ड्ढक्रस्न) द्बद्गह्लद्बद्ग द्वारा नेपाल के पोखरा में 5 से 8 जनवरी 2026 तक आयोजित 10वीं स्ड्ढक्रस्न इंडो नेपाल कंपटीशनशिप में लायंस इंग्लिश हायर सेकेंड्री स्कूल के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय एवं जिले का नाम रोशन किया।

प्रतियोगिता में विद्यालय के शिवम् कुमार साहू ने वॉलीबॉल (अंडर 21) में गोल्ड मेडल जीता। वहीं अंडर 17 वर्ग में कृष्णा पांडेय, सोहित झा एवं अपूर्व तिवारी ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया। अंडर 17 फुटबॉल में अंशराज सिन्हा ने सिल्वर मेडल हासिल किया। प्रतिभागी विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता के दौरान अनुशासन, सहयोग और खेल कौशल का उत्कृष्ट परिचय दिया, जिससे विद्यालय एवं पूरे छत्तीसगढ़ राज्य का मान बढ़ा। इन उपलब्धियों से विद्यालय परिवार में खुशी का वातावरण देखा गया।

विद्यालय के चेयरमैन लायन रामप्रफन्न देवांगन जी ने बताया कि यह सफलता विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, अनुशासन तथा कोच एवं शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। माता-पिता का भी योगदान इस उपलब्धि में महत्वपूर्ण रहा।लायंस क्लब चांपा के अध्यक्ष लायन संतोष सोनी जी ने विजेताओं को बधाई दी और कहा कि इस प्रकार की उपलब्धियाँ युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत हैं।विद्यालय के शिक्षण समिति के सदस्य एवं प्राचार्य श्रीमती अजिता वि. के. ने सभी प्रतिभागियों को सफल प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएँ दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कलेक्टर ने ली जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक

जांजगीर-चांपा। कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला जल एवं स्वच्छता मिशन जन्मेजय महोबे ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक ली। बैठक में कलेक्टर ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत क्रियान्वित नल-जल योजनाओं के प्रगति की समीक्षा करते हुए कार्य योजना के निर्धारित नियम एवं प्रावधानों के अनुरूप कराये जाने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए। श्री महोबे ने कहा कि यह सुनिश्चित करें कि जल जीवन मिशन के कार्य निर्धारित मापदंड के अनुरूप गुणवत्तायुक्त हों। उन्होंने समूह जल प्रदाय योजना के तहत संबंधित ग्रामों में मार्च तक पेयजल आपूर्ति शुरू किए जाने के निर्देश दिए। बैठक में कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी श्री आदित्य प्रताप ने एजेंडा अनुसार विस्तृत जानकारी दी।

बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गोकुल रावटे, अपर कलेक्टर ज्ञानेंद्र सिंह, अपर कलेक्टर श्री आर. के. तंबोली, संयुक्त कलेक्टर संदीप ठाकुर, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती स्निग्धा तिवारी, जिला जल एवं स्वच्छता मिशन के सदस्यगण, कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी आदित्य प्रताप सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

नशे में ड्राइविंग महंगी पड़ी कई चालकों को

जांजगीर। सक्ती में 10 जनवरी

को यातायात पुलिस ने कंचनपुर मेन रोड एनएच-49 पर वाहनों की जांच की। ब्रीथ एनेलाइजर मशीन से जांच में तीन वाहन चालक नशे में पाए गए। इनमें राजेन्द्र यादव, पिता छिन्गी (36) निवासी कुमेद, थाना सुपोल (बिहार), अरविंद भास्कर पिता प्रकाश (25) निवासी घिवरा, थाना डभरा, धर्मेन्द्र यादव पिता नारायण (33) निवासी रेहली जिला सागर (मप्र), शामिल हैं। पुलिस ने मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 के तहत कार्रवाई कर वाहन जब्त कर लिए हैं। सक्ती कोर्ट ने तीनों चालकों पर 10-10 हजार रुपए का अर्थदंड लगाया।

भगवान शिव ही परम सत्य और ब्रह्मांड के आधार हैं : सभापति साहू

महंत में चल रहे शिव महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ एवं रुद्राभिषेक में हुए शामिल

जांजगीर चांपा। ग्राम महंत में रामाधार राठौर के निवास में चल रहे शिव महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ एवं रुद्राभिषेक में 09 जनवरी को जिला पंचायत के सभापति एवं भाजपा युवा नेता राजकुमार साहू कथा श्रवण के लिए शामिल हुए। सभापति श्री साहू ने भगवान शिव की पूजा अर्चना कर व्यासपीठ पर विराजित पंडित बुद्धेश्वर तिवारी जी से आशीर्वाद लेकर क्षेत्र की सुख समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि शिवपुराण में बताया गया है कि भगवान शिव ही परम सत्य और ब्रह्मांड के आधार हैं। इसकी कथा सुनने से मनुष्य के पापों का नाश होता है और अंत में मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसमें पंचाक्षर मंत्र (? नमः शिवाय) की महिमा, रुद्राक्ष धारण करने के लाभ और भस्म के महत्व को समझाया गया है।इस अवसर पर मुख्य यजमान रामाधार राठौर,श्रीमती मांडवी राठौर,कुंदन राठौर,प्रकाश राठौर,मुकेश राठौर,चंद्रकला राठौर,पूजा राठौर,ज्योति राठौर,बृंदावन सिंह,पूर्व जनपद सदस्य राजेश कश्यप सहित बड़ी संख्या में भक्तजन उपस्थित रहे।

लकड़ी काटने के विवाद में बड़े भाई की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा। जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, यहां थाना बम्हनीडीह क्षेत्र में अपने ही सगे बड़े भाई की चाकू से हमला कर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को चंद घंटों में गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के विरुद्ध धारा 103(1) ङ्कद्दस्न के तहत कार्रवाई करते हुए उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

पुलिस के अनुसार दिनांक 11 जनवरी 2026 को दोपहर करीब 03:00 बजे, मुसलमान मोहल्ला बम्हनीडीह निवासी साहिल खान एवं उसके बड़े भाई सफर खान के बीच लकड़ी काटने की बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी साहिल खान ने हत्या की नीयत से अपने पास रखे धारदार चाकू से अपने बड़े भाई सफर खान के सीने पर ताबड़तोड़ वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।घटना की रिपोर्ट पर थाना बम्हनीडीह में अपराध क्रमांक दर्ज कर धारा 103(1) BNS के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक जांजगीर-चांपा विजय कुमार पाण्डे के निर्देशन में आरोपी की तत्काल तलाश शुरू की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप एवं स्ह्लक्क चांपा यदुमणि सिदार के कुशल मार्गदर्शन में थाना बम्हनीडीह पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर दिनांक 12/01/2026 को आरोपी को घेराबंदी कर गिरफ्तार किया।

पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपने मेमोरेण्डम कथन में अपराध स्वीकार किया, जिसके बाद घटना में प्रयुक्त धारदार चाकू को बरामद कर लिया गया। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है साहिल खान, पिता शेख मोहम्मद, उम्र 20 वर्ष, निवासी मुसलमान मोहल्ला, बम्हनीडीह, जिला जांजगीर-चांपा।

आंगनबाड़ी सहायिका पद पर भर्ती हेतु दावा आपत्ति आमंत्रित

जांजगीर-चांपा। एकीकृत बाल विकास परियोजना जांजगीर अंतर्गत नगर पालिका जांजगीर-नैला क्षेत्र वार्ड क्रं. 07 के आंगनबाड़ी केन्द्र 01 मे सहायिका पद भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रित किया गया है। परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना जांजगीर नवागढ़ 2 ने बताया कि प्राप्त आवेदनों के आधार पर भर्ती हेतु प्रथम मूल्यांकन पत्रक जारी किया जा रहा है, जिसमें किसी भी अभ्यर्थी, नागरिक को आंगनबाड़ी सहायिका पद मे दावापत्ति करने हो तो 27 जनवरी 2026 तक कार्यालयीन समयावधि मे एकीकृत बाल विकास परियोजना जांजगीर नवागढ़ 02 मे स्वयं उपस्थित होकर दवाआपत्ति जमा किया जा सकता है। निर्धारित तिथि व समय उपरांत प्राप्त आवेदनों पर कोई विचार नही किया जावेगा तथा यह भी स्पष्ट हो कि दावा आपत्ति करने के समय मूल आवेदन मे जोड़ने हेतु नवीन दस्तावेज मान्य नहीं किये जायेंगे।

मुलमुला पुलिस ने लूटकांड के आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा,कई सामान बरामद

जांजगीर चांपा। थाना मुलमुला क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कोसा मेन रोड पर हुई लूट की वारदात में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

दिनांक 09 जनवरी 2026 की रात्रि करीब 8.30 बजे ग्राम खपरी निवासी वीरू कुर्रे अपने चचेरे भाई संतकुमार कुर्रे के साथ मोटर साइकिल से लौट रहे थे। इसी दौरान ग्राम कोसा में नवल सिंह के घर के पास मोटर साइकिल सवार दो युवकों ने रास्ता रोककर गाली- गलौच व मारपीट करते हुए उनसे ?3500/ नगद एवं दो मोबाइल फोन लूट लिए जिसकी सूचना रिपोर्ट पर थाना मुलमुला में अपराध क्रमांक 26/2026 धारा 126(2), 309(4), 296, 115(2), 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।

पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में थाना पुलिस टीम ने मुखबिर सूचना के आधार पर ग्राम कोसा निवासी विकास भंडारी उर्फ चकरी (20 वर्ष) को हिरासत में लिया जाकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के कुशल मार्गदर्शन में आरोपी को घटना के संबंध में पूछताछ के दौरान अपराध स्वीकार किया। जिसके कब्जे से ?500 नगद तथा ओप्पो व सैमसंग कंपनी के मोबाइल फोन जप्त न्यायिक रिमांड पर भेजा गया, घटना में शामिल अन्य आरोपी फरार है, जिसकी तलाश पुलिस द्वारा लगातार की जा रही है। उपरोक्त कार्यवाही में निरीक्षक पारस पटेल थाना प्रभारी मुलमुला,,रूड्ड प्रमोद महार, फुलेश्वर सिदार, प्रधान आरक्षक सितेश यादव, अनिल अजगल्ले का सराहनीय योगदान रहा।

मठ मंदिर के पास कचरा फेंक रहे, लोगों में नाराजगी

चांपा। नगर के प्रमुख धार्मिक स्थल बड़े मठ मंदिर के समीप खुलेआम कचरा फेंका जा रहा है। इससे स्थानीय नागरिकों और श्रद्धालुओं की चिंता बढ़ गई है। प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु इस मंदिर में आते हैं। जिसके आसपास गंदगी फैलना न केवल धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाता है, बल्कि नगर की स्वच्छता व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करता है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नगर पालिका द्वारा नियमित कचरा संग्रहण किया जा रहा है, इसके बावजूद मंदिर के सामने कचरा डाला जा रहा है। इससे स्पष्ट होता है कि समस्या केवल व्यवस्था की नहीं, बल्कि अनुशासनहीनता और लापरवाही की भी है।

करनौद पंचायत में सचिव के नहीं आने से कामकाज पर पड़ रहा असर

करनौद। बम्हनीडीह विकासखंड की ग्राम पंचायत करनौद में इन दिनों ग्रामीणों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। पंचायत से जुड़े कार्यों के लिए पहुंचने वाली लोगों को सचिव से मिलना मुश्किल हो गया है।

हालात यह हैं कि पंचायत भवन में अधिकांश समय ताला लटका रहता है, जिससे ग्रामीणों को निराश होकर लौटना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि वे अपने जरूरी कार्यों जैसे प्रमाण पत्र, प्रधानमंत्री एवं राज्य शासन की योजनाओं, पेंशन, राशन कार्ड और अन्य पंचायत संबंधी कामों के लिए पंचायत कार्यालय पहुंचते हैं, लेकिन सचिव अक्सर अनुपस्थित रहते हैं।

फोन करने पर कभी जनपद पंचायत में मीटिंग तो कभी जिला मुख्यालय जांजगीर में बैठक का हवाला दिया जाता है। सचिव द्वारा शनिवार और रविवार को अवकाश बताया जाता है, जबकि शेष बचे चार दिनों में भी सरकारी कार्यों के नाम पर जनपद व जिला पंचायत में रहने की जानकारी दी जाती है। ग्राम पंचायत करनौद के सचिव लंकेश्वर चंद्रा से संपर्क करने पर उन्होंने बताया 12 जनवरी को उन्होंने बताया कि वह निजी काम से बिलासपुर गए हुए हैं और कल पंचायत जाएंगे।

नगर से गुजर रहे भारी वाहन, हादसे का खतरा

नरियरा। नगर पंचायत नरियरा के आसपास क्रेशर, प्लांट सहित अन्य बड़े संस्थान खुलने के बाद से भारी वाहनों की आवाजाही बढ़ गई है। प्लांट के मुख्य गेट से झलमला, मुलमुला, कुटीघाट, कोनार, कोसा, सोनसरी, आरसमेटा, परसदा और अन्य सुदूर गांवों से मजदूर कार्यस्थल पर आने-जाने का समय रात 10 बजे से 11 बजे तक रहता है। इस दौरान भारी वाहनों की तेज गति से चलने के कारण हादसे की आशंका बनी रहती है।

हाल ही में बनाहिल-से नरियरा होते-मुलमुला रोड पर एक सड़क दुर्घटना हुई, जिसमें बाइक दुर्घटनाग्रस्त होने से एक छात्र की मौत हो गई। इस घटना के बाद भारी वाहनों के कारण यातायात जाम और दुर्घटनाओं की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। दुर्घटना के बाद स्थानीय पुलिस और प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए घटनास्थल पर पहुंचकर यातायात को नियंत्रित करने का प्रयास किया। हालांकि, भारी वाहनों का लगातार आवागमन और जाम के कारण यात्रियों और स्थानीय निवासियों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। इस घटना के बाद प्रशासन ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है और निगरानी बढ़ाने की योजना बनाई है।

युवाओं ने किया रक्तदान,पात्रों को मिली साइकिल

कोटमी सोनार। राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत कोटमी सोनार स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में सेवा, राष्ट्रनिर्माण और स्वामी विवेकानंद के आदर्शों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। शिविर में युवाओं ने बड़ी संख्या में रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया।

कार्यक्रम विधायक राघवेन्द्र कुमार सिंह के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस दौरान मुख्यमंत्री सरस्वती साइकिल योजना के अंतर्गत पात्र छात्राओं को विधायक द्वारा साइकिल वितरित की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को आत्मविश्वास, चरित्र निर्माण और राष्ट्रसेवा का मार्ग दिखाया। उनका संदेश उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक मत रुको आज भी उतना ही प्रासंगिक है। उन्होंने युवाओं से शिक्षा, स्वास्थ्य और समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रदीप सोनी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद युवाओं के लिए आदर्श हैं ।

30 साल पुराना खरौद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जर्जर, हादसे का खतरा

रिंगनी । सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खरौद का लगभग 30 वर्ष पुराना भवन जर्जर हो गया है। भवन की खराब स्थिति को देखते हुए नए सर्वसुविधायुक्त अस्पताल भवन के निर्माण की मांग को लेकर मंगलवार को कलेक्टोरेट जांजगीर-चांपा में अपर कलेक्टर ज्ञानेंद्र सिंह ठाकुर और चिकित्सा अधिकारी के हाथों ज्ञापन सौंपा गया। साथ ही जिला कलेक्टर जन्मेजय महोबे को भी आवेदन प्रस्तुत किया गया।

ज्ञापन सौंपने के दौरान बताया गया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खरौद का उद्घाटन मध्यप्रदेश शासन काल में 5 फरवरी 1996 को तत्कालीन मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह द्वारा किया गया था। करीब तीन दशक बीतने के बाद अब भवन की हालत अत्यंत दयनीय हो चुकी है। छत से लगातार पानी टपकता है, कई कमरों में प्लास्टर झड़ चुका है और जगह-जगह से मलबा गिरने का खतरा बना रहता है। बरसात के दिनों में स्थिति और भी भयावह हो जाती है, जिससे मरीजों और स्टाफ की जान पर खतरा मंडराता रहता है। ज्ञापन सौंपते समय धनंजय राठे, अरुण साहू, क्रांति तुर्केनी, पुष्पेंद्र नोनिया एवं सोनू आदित्य सहित अन्य नागरिक उपस्थित रहे।

इस सीएचसी पर आसपास के 35 गांव के मरीज निर्भर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खरौद पर आसपास के लगभग 30 से 35 गांवों की बड़ी आबादी निर्भर है। गर्भवती महिलाएं, नवजात शिशु, बुजुर्ग और गंभीर रोगों से पीड़ित मरीजों के लिए यह अस्पताल जीवनरेखा के समान है। जर्जर भवन के कारण किसी बड़ी दुर्घटना की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता, जिसे लेकर स्थानीय लोगों में भारी चिंता व्याप्त है। भवन की जर्जर स्थिति के कारण अस्पताल में आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की स्थापना संभव नहीं हो पा रही है। न तो पर्याप्त स्टाफ कक्ष उपलब्ध हैं और न ही मरीजों के बैठने, जांच और भर्ती के लिए समुचित व्यवस्था हो पा रही है। मजबूरीवश वर्तमान में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का संचालन कोरोना आइसोलेशन वार्ड में किया जा रहा है, जहां बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव है। इसका सीधा असर मरीजों की इलाज सुविधा पर पड़ रहा है और लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

न्यायालय तहसीलदार बैकुण्ठपुर
जिला- कोरिया (छ.ग.)

मामले की श्रेणी : राजस्व

संदर्भ :- जिला-कोरिया, तहसील-बैकुण्ठपुर प.ह.न.-00012 नामका ग्राम के नमांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक -CG-2025-26-380-L-764

// ईश्तहार//

तारीख बैकुण्ठपुर के प.ह.न.00012 के अंतर्ग्रत ग्राम नामका के वर्तमान भूमिस्वामी Rajeev Kumar Choudha पिता-मी- Rajaram Choudha ग्रा - Junapara Road, Baikunthpur, Post Baikunthpur, Thana Baikunthpur, Tehsil Baikunthpur, District Korea, Chhattisgarh के द्वारा खाति भूमि खसरा क्रमांक 437/8 (0.0200), 438/17 (0.0600), 438/19 (0.0400), 425/29 (0.0200) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता Akash Kumar Choudha पिता/पति - Ashok Kumar Choudha ग्रा- Rampur, Post Baikunthpur, Thana Baikunthpur, Tehsil Baikunthpur, District Korea, Chhattisgarh के नाम पर एकीकृत/संतति होने के उपरांत नामांतरण/अभिलेख पुस्तकी, खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में एतदी विचारार्थ है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 30.01.2026 को समय पूर्वाह्न 11 बजे तहसील न्यायालय तहसीलदार बैकुण्ठपुर जिला कोरिया छ.ग. पर की जायेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी की व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की अंतपत्री सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति शपथ/अभिसाक्ष्य/अधिवक्ता के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए नियोजित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं मुहरा से आज दिनांक 07/01/2026 को जारी किया जाता है।

(सील) तहसीलदार : Amrita Singh
बैकुण्ठपुर, जिला-कोरिया (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार कोरबा
जिला- कोरबा (छ.ग.)

// ईश्तहार//

रा.प्र.क्र.202512050400030
अ-21(2)/2025-26
ग्राम- कोरबा, प.ह.न.-16

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है भूमिस्वामी/आवेदक श्री मोहम्मद शिंह पात पिता श्री बेला सिंह दुर जाति सिक्ख, निवासी रानी रोड भनवा थाना कोरबा तहसील व जिला कोरबा छ.ग. के द्वारा अपनी स्वामित्व एवं अधिपत्य की परिवर्तित भूमि ग्राम कोरबा प.ह.नं. 16 तहसील व जिला कोरबा छ.ग. स्थित परिवर्तित भूमि ख.नं. 24/4/क/1 रकबा 0.0110 हे.(2.75 डिसमिल)/1200 वर्गफीट भूमि को प्रस्तावित क्रेता- मक्कदूरनी अंसारी पिता मोबारक अंसारी, जाति मुसलमान, निवासी-वार्ड नं. 14, मैरजीन भांठा कोरबा तहसील व जिला कोरबा (छ.ग.) के नाम विक्रय करने की अनुमति बाबत् आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है, जो जांच एवं प्रतिवेदन हेतु कलेक्टर महो. कोरबा से अ.वि.अ. (रा.) कोरबा के माध्यम से इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह अपना दावा/आपत्ति इस न्यायालय में नियत तिथि दिनांक 23/01/2026 तक स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते है। समयावधि बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 08/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुद्रा से जारी।

(सील) तहसीलदार
कोरबा (छ.ग.)

CHHATTISGARH STATE POWER GENERATION CO. LTD.
(A Govt. of Chhattisgarh Undertaking) CIN: U40108CT2003SGC015821
NO.021-10/PUBLICATION/165 Korba West, dtd. 09-01-2026
(e-Bidding) TENDER NOTICE No. 1385/2026.

Online tenders are invited from experienced & prospective Firms for the following Works/Supply :

S. No	Rfx No.	Particulars	Cost of tender doc	E.M.D. (Rs.)	Last date of submission & opening
1.	Rfx No. 8100048620	Procurement of Distance Piece for Coal Burners of 210 MW, ABL Boiler, HTPS, Korba West.	590/-	6,395/-	27.01.2026
2.	Rfx No. 8100048652	Work for Assistance service in office Computer Work for C.E. (Gen.), HTPS, Korba West.	590/-	5,145/-	29.01.2026
3.	Rfx No. 8100048741	Work for Assistance services and daily maint. of ORT -I & ORT -II job basis under O/o ACE (O&M-I), HTPS, Korba West.	590/-	4,405/-	30.01.2026
4.	Rfx No. 8100048830	Supply of Arc Flash Kit Cat-4 for HTPS, Korba West.	590/-	15,000/-	09.02.2026

NOTE : 1.Payment of Tender cost & EMD shall be done online through e-bidding portal. The tender documents can be seen from our website https://ebidding.cspcl.co.in:50724/irj/portal. 2. Quantity as per tender schedule.

SAVE ENERGY FOR THE BENEFIT OF SELF & NATION

(ह-अमारा)

अनमोल वचन.....

बहुत से लोग अवसर के बजाय सुरक्षा के बारे में सोचते हैं। वे मौत से ज़्यादा ज़िंदगी से डरते हैं।

असम और पश्चिमी बंगाल में विधानसभा चुनावों की सुगबुगाहट बढ़ी

देश के दो बड़े सीमांत प्रदेशों में 2026 के पहले छह माह में विधानसभा चुनाव है। प्रदेशों में विधानसभा चुनाव प्राय महत्वपूर्ण ही होते हैं क्योंकि भारत की संघीय व्यवस्था में राज्यों के पास , वित्त, विदेश, संचार, सुरक्षा को छोड़कर सभी प्रकार के अधिकार होते हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय राज्यों को केंद्र सरकार की ओर से देखता है। इसलिए राज्य विधानसभा चुनाव बहुत गंभीर विषय राजनीतिक दलों के लिए होता है। राज्यसभा सदस्य भी इन्हीं विधानसभा सदस्यों द्वारा चुने जाते हैं। 2026 में असम, पश्चिमी बंगाल, केरल, तमिलनाडू, और पुदुचेरी में विधानसभा चुनाव होंगे।

कांग्रेस के लिए ये चुनाव, विशेष कर राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, प्रियंका गांधी, सोनिया गांधी, और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण हैं।इन विधानसभा चुनावों के परिणाम से 2029 का रास्ता भी खुलेगा । भारतीय जनता पार्टी को असम में दस साल की सत्ता विरोधी लहर से भी निपटना है। जबकि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी का मिथक तोड़ना है। भारतीय जनता पार्टी के लिए इन चुनावों को इस दृष्टि से भी देखा जा सकता है कि दोनों राज्यों में मुस्लिम 28 से 35 फीसदी मतदाता हैं जो देश में सर्वाधिक है ।असम विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी का मुकाबला बहुत ही रोचक होगा ।असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्व शर्मा ने चुनाव को लेकर जो बयान दिए हैं वे ऐसा लगता है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सोच है।अभी हाल में एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि वह उस तबके से बोट ही मांगेंगे जो मुस्लिम है। उन्होंने तो यहां तक कहा है कि यद्यपि भारत सरकार और राज्य सरकार की योजनाएं सभी के लिए बराबर लेकिन फिर भी भारतीय जनता पार्टी पर असम के मुस्लिम नेता हिन्दू तुष्टिकरण का आरोप लगाते हैं। हेमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि बांग्लादेश से चकमा मुस्लिम घुसपेठ ने 70 वर्षों में असम की डेमोग्राफी बदल दी है। कुलमिलाकर असम का और बंगाल विधानसभा चुनाव भारतीय जनता पार्टी के लिए आइडियोलॉजी के लिए भी लड़े जा रहे हैं। असम में कांग्रेस नेता गौरव गोगई ने भी चुनाव को लेकर राजनीतिक यात्राएं शुरू कर दी है। भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस दोनों ने चुनाव प्रभारियों की घोषणा कर दी है। कांग्रेस की ओर से प्रियंका गांधी को प्रभार दिया है जबकि भारतीय जनता पार्टी की ओर से भूपेंद यादव , देखेंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति के War Room में क्या चल रहा है, किन देशों के नाम लाल घेरे में हैं ?

//नीरज कुमार दुबे //

देखा जाये तो साल 2026 की शुरुआत वैश्विक राजनीति के लिए एक बेचैन करने वाला संकेत लेकर आई है। दुनिया के नक्शे पर अमेरिका एक बार फिर उस भूमिका में दिख रहा है जिसे वह शीत युद्ध के दौर में निभाता था यानी निर्णायक दबाव डालने वाला सर्वशक्तिमान केंद्र। आज पूरी दुनिया एक ही सवाल पूछ रही है कि डोनाल्ड ट्रंप के वार रूम में इस समय क्या चल रहा है। व्हाइट हाउस के भीतर कौन से देश के नक्शे खुले हैं, किन देशों में नाम लाल घेरे में हैं और किन मोर्चों पर सैन्य और आर्थिक हमले की तैयारी हो रही है। देखा जाये तो अमेरिकी राष्ट्रपति के सार्वजनिक बयानों, नीतिगत संकेतों और सैन्य गतिविधियों से साफ झलकता है कि अमेरिका एक साथ कई मोर्चों पर दबाव बनाने की रणनीति पर काम कर रहा है। आइये आज इसी पर बात करते हैं और आपको तथ्यों के साथ पूरी जानकारी देते हैं कि ट्रंप के निशाने पर इस समय कौन कौन से देश हैं और उनके खिलाफ अमेरिका किस स्तर की तैयारी कर रहा है।

देखा जाये तो साल 2026 की शुरुआत वैश्विक राजनीति के लिए एक बेचैन करने वाला संकेत लेकर आई है। दुनिया के नक्शे पर अमेरिका एक बार फिर उस भूमिका में दिख रहा है जिसे वह शीत युद्ध के दौर में निभाता था यानी निर्णायक दबाव डालने वाला सर्वशक्तिमान केंद्र। इस बार मंच पर हैं डोनाल्ड ट्रंप और उनकी भाषा पहले से अधिक तीखी, अधिक उकसाने वाली और अधिक विस्फोटक बनी हुई है।

सबसे पहले वेनेजुएला की बात करें तो आपको बता दें कि ट्रंप ने खुद को सार्वजनिक रूप से वेनेजुएला का कार्यवाहक राष्ट्रपति बताकर अंतरराष्ट्रीय राजनीति की मर्यादा को जानबूझकर तोड़ा है। इसका सीधा संदेश यह है कि अमेरिका अब वेनेजुएला को एक संप्रभु राष्ट्र की तरह नहीं बल्कि अपने प्रभाव क्षेत्र के एक प्रशासित इलाके की तरह देख रहा है। देखा जाये तो वेनेजुएला का सामरिक महत्व केवल राजनीतिक नहीं बल्कि ऊर्जा पर आधारित है। दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडारों में से एक पर नियंत्रण का अर्थ है वैश्विक ऊर्जा बाजार पर प्रभाव। ट्रंप का खुद को कार्यवाहक राष्ट्रपति बताना दरअसल यह बताने का तरीका है कि अमेरिका वहां सत्ता परिवर्तन को अब छिपाकर नहीं बल्कि खुले तौर पर संचालित करना चाहता है। यह सीधे तौर पर संसाधन नियंत्रण की राजनीति है। इसी कड़ी में क्यूबा को लेकर ट्रंप का रवैया भी ध्यान खींचता है। क्यूबा को तेल आपूर्ति रोकने की धमकी और उसके बाद यह कहना कि मार्को रुबियो का क्यूबा का राष्ट्रपति बनना उन्हें ठीक लगता है, यह सब मजाक नहीं है। यह एक राजनीतिक संदेश है। इसका अर्थ यह है कि अमेरिका अब वैचारिक असहमति को सहन करने के मूड में नहीं है। वह खुले तौर पर यह संकेत दे रहा है कि जो सरकारें उसकी लाइन पर नहीं चलेंगी, उन्हें आर्थिक और राजनीतिक रूप से कुचल दिया जाएगा। देखा जाये तो मार्को रुबियो का नाम लेना प्रतीकात्मक है। एक ऐसा नेता जिसकी पहचान क्यूबा विरोधी राजनीति से जुड़ी रही है, उसे वहां के राष्ट्रपति पद से जोड़ना यह बताता है कि अमेरिका लोकतंत्र नहीं बल्कि अपने हितों के प्रति वफादार शासन चाहता है। यह बयान भले ही अनौपचारिक हो लेकिन इसके निहितार्थ बेहद गहरे हैं। ईरान की बात करें तो आपको बता दें कि ट्रंप ने स्पष्ट रूप से कहा है कि अमेरिका ईरान के लिए बहुत मजबूत सैन्य विकल्पों पर विचार कर रहा है। देखा जाये तो यह कोई सामान्य चेतावनी नहीं है क्योंकि अमेरिका इस समय फारस की खाड़ी से लेकर पश्चिम एशिया तक अपनी सैन्य तैनाती मजबूत कर रहा है। हवाई हमलों से लेकर साइबर और ड्रोन हमलों तक की तैयारी की जा रही है। सवाल यह नहीं है कि हमला होगा या नहीं, बल्कि सवाल यह है कि हमला कब और कितना बड़ा होगा। देखा जाये तो यदि अमेरिका ईरान पर हमला करता है तो इसके परिणाम केवल ईरान तक सीमित नहीं रहेंगे। पूरा पश्चिम एशिया अस्थिर हो सकता है। तेल की कीमतें आसमान छू सकती हैं। वैश्विक आपूर्ति शृंखला टूट सकती है। मुस्लिम देशों का रुख इस मामले में एक जैसा नहीं होगा। कुछ देश रणनीतिक मजबूरी में अमेरिका का सीमित समर्थन कर सकते हैं, लेकिन व्यापक इस्लामी दुनिया में इसका तीखा विरोध होगा। यह टकराव क्षेत्रीय से वैश्विक संकट में बदल सकता है। ईरान पर हमले का एक और परिणाम होगा प्रतिशोध। ईरान सीधे या परोक्ष रूप से अपने सहयोगी संगठनों के जरिये जवाब देगा। इसका असर इजरायल से लेकर खाड़ी देशों तक दिख सकता है। इस तरह यह संघर्ष किसी एक मोर्चे पर सीमित नहीं रहेगा।

इसमें कोई दो राय नहीं कि अमेरिका की वैश्विक दादागिरी साफ दिखाई दे रही है। ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप का यह कहना कि अमेरिका ने यदि उस क्षेत्र को नहीं लिया तो उसे चीन या रूस ले लेंगे, यह दर्शाता है कि अमेरिका दुनिया को अब भी एक शतरंज की बिसात मानता है जहां मोहरे उसकी मर्जी से हिलने चाहिए। यह मानसिकता बताती है कि बहुध्रुवीय दुनिया की सच्चाई को स्वीकार करने में अमेरिका अब भी असहज है।

अब कोलंबिया की बात करें तो आपको बता दें कि कोलंबिया के राष्ट्रपति का ट्रंप से मिलने जाना एक दबाव भरी परिस्थिति में संवाद का प्रयास है। अमेरिकी धमकियों और दबाव ने कोलंबिया को बातचीत की मेज तक आने के लिए मजबूर किया है। यह अमेरिका की दबाव कूटनीति की सफलता भी है और उसकी सीमाओं का संकेत भी। बहरहाल, जहां तक यह सवाल है कि दुनिया क्या एक और विश्व युद्ध की कगार पर है। इसका उत्तर भले अभी स्पष्ट नहीं है लेकिन यह तो दिख ही रहा है कि फिलहाल दुनिया एक ऐसे दौर में जरूर है जहां टकराव की रेखाएं गहरी हो रही हैं। अमेरिका बनाम चीन, रूस, ईरान जैसे ध्रुव साफ दिख रहे हैं। अमेरिका की मौजूदा दादागिरी यह दिखाती है कि वह अपने पतन के डर से और अधिक आक्रामक होता जा रहा है।

चीन से क्या हम भाषायी बोध सीख सकते हैं

//उमेश चतुर्वेदी //

भाषायी चिंतन और व्यवहार को लेकर भारत और चीन को लेकर तकरीबन एक ही सोच है। भारत में एक मानस ऐसा है, जिसे हिंदी की कीमत पर भी पर अंग्रेजी स्वीकार्य है। यह धारा मानती है कि वेगवान आर्थिक विकास की वजह से चीन का भाषायी व्यवहार भी इसी भारतीय मानस की तरह बदल चुका है। हिंदी के संदर्भ में देखें तो राजभाषा और राष्ट्रभाषा के बीच शाब्दिक ही नहीं, भावात्मक फर्क भी है। फिर भी एक बड़ा वर्ग हिंदी को राष्ट्रभाषा भी मानता है। यही वजह है कि हर साल ग्रेगोरियन कैलेंडर के नौंवे महीने की दस्तक के साथ ही, हर सरकारी दफ्तर राजभाषा पखवाड़े या महीने को लेकर उत्साह से भर उठता है। कुछ ऐसा ही पड़ोसी चीन में भी अब होता नजर आ रहा है। अब वहां सितंबर का तीसरा सप्ताह 'राष्ट्रीय सामान्य भाषा और लिपि' को समर्पित होगा। भारत और चीन के सितंबर महीने के भाषायी उत्साह में एक अंतर रहेगा, राष्ट्रभाषा बनाने की आस में हिंदी के राजभाषा ओहदे को याद किया जाएगा, जबकि चीन अपनी मंदारिन भाषा को बाकायदा राष्ट्रभाषा के तौर पर और आगे बढ़ाने की ओर अग्रसर होगा।

भाषायी चिंतन और व्यवहार को लेकर भारत और चीन को लेकर तकरीबन एक ही सोच है। भारत में एक मानस ऐसा है, जिसे हिंदी की कीमत पर भी पर अंग्रेजी स्वीकार्य है। यह धारा मानती है कि वेगवान आर्थिक विकास की वजह से चीन का भाषायी व्यवहार भी इसी भारतीय मानस की तरह बदल चुका है। बेशक चीन ने अंग्रेजी सीखने-सिखाने की दिशा में भरपूर निवेश किया है। अपनी आर्थिक ताकत के चलते पश्चिम के नामी विश्वविद्यालयों में चीनी सत्ता प्रतिष्ठान अपने लिए अध्ययन पीठ स्थापित कर चुका है। गौर करने की बात है कि उसने यह सब अलग और अतिरिक्त अनुशासन और ज्ञान के साधन के तौर पर किया है, भारत की तरह अपनी भाषा, विशेषकर हिंदी की कीमत पर ऐसा नहीं किया है।

अंग्रेजी का पहला वैश्विक विस्तार ब्रिटिश उपनिवेशीकरण के दौर में हुआ और दूसरी बार उसका प्रसार रीगन-थैचर की जोड़ी के आर्थिक उदारीकरण के बढ़ते कदमों के साथ हुआ। इस संदर्भ में चीन और भारत के भाषायी चिंतन और व्यवहार फर्क साफ नजर आता है। पिछली सदी के अस्सी के दशक में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के प्रमुख देंग झिआओपिंग ने आर्थिक खुलेपन की नींव रखी। यह 1978 का साल था। इसके ठीक दो साल बाद भारत में इंदिरा गांधी की सत्ता में वापसी हुई और उन्होंने भी धीरे-धीरे इंसेक्टर राज कम करने की शुरूआत की। उनकी उदारीकरण की सोच को राजीव गांधी ने परवान चढ़ाया। 1991 के आम चुनावों के घोषणा पत्र में कांग्रेस ने पहली बार समाजवादी आर्थिक नीतियों के बरक्स उदारीकरण का वादा किया। तब से अब तक की दोनों देशों की आर्थिक विकास यात्रा को देखें तो अंतर साफ नजर आता है। चीन आज अमेरिका के बाद दुनिया की दूसरी बड़ी आर्थिक महाशक्ति है। उसकी तेज आर्थिक यात्रा के समानांतर अंग्रेजी का विस्तार नहीं दिखता। जबकि भारत में इसके ठीक उलट नजारा दिखता है।

उदारीकरण के बरक्स दोनों देशों के भाषायी चिंतन में भी फर्क नजर आता है। यह फर्क ही है कि चीन अब अपनी मंदारिन भाषा और उसकी लिपि को लेकर सितंबर महीने के तीसरे हफ्ते को समर्पित कर रहा है। चीन की सर्वोच्च विधि निर्माता संस्था 'राष्ट्रीय जन प्रतिनिधि सभा' की स्थाई समिति द्वारा बीते 27 दिसंबर को इससे जुड़ा कानून पारित करना इसी सोच का प्रतीक है। इस कानून में हर वर्ष सितंबर के तीसरे सप्ताह को 'राष्ट्रीय सामान्य भाषा और लिपि संवर्धन एवं प्रचार साप्ताह' के रूप में मनाना तय किया गया है। यह कानून पुराने राष्ट्रीय भाषा कानून में संशोधन के बाद आया है। चीन में दो तरह की मंदारिन का प्रयोग होता है, एक लिखित और दूसरी मौखिक। इस कानून में दोनों तरह की भाषाओं का ध्यान रखा गया है।

चीन अपनी भाषा और लिपि को अपने राष्ट्र का प्रतीक मानता है। चीन में इन दिनों प्रौद्योगिकी और डिजिटल जगत में लगातार प्रगति हो रही है। यहां ऑडियो-विजुअल प्रोग्रामिंग और गेमिंग भी बढ़ी है। चीन का भाषायी कानून इन सबमें इस्तेमाल होने वाली भाषा के साथ कदमताल करने का प्रयास है। कहा जा सकता है कि चीनी राष्ट्रभाषा और लिपि कानून में यह संशोधन तेजी से विकसित हो रही संचार प्रौद्योगिकियों और ऑनलाइन सामग्री के विस्तार के बीच भाषा के मानकीकरण को मजबूत करने की कोशिश है। इस कानून में साइबरस्पेस प्रशासन को लेकर भी व्यवस्था की गई है। इसके तहत अब ऑनलाइन सांस्कृतिक कार्यक्रमों, वेब सीरीज, ऑनलाइन फिल्मों, ऑनलाइन गेम और अन्य डिजिटल प्रकाशनों में मानक चीनी भाषा यानी मंदारिन और मानकीकृत चीनी अक्षरों को मूल भाषा के रूप में उपयोग करना जरूरी होगा। इसके साथ ही चीन में होने वाली अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों, कॉन्फ्रेंस, इवेंट्स आदि के साइनबोर्ड, लेबल या प्रमोशनल मैटीरियल में विदेशी भाषाओं के साथ ही मानक चीनी भाषा भी शामिल करने पर जोर दिया गया है। इसकी तुलना में भारतीय राष्ट्रभाषा और आधुनिक प्रौद्योगिकी संग उसके तालमेल पर नजर डालें साफ फर्क नजर आता है। भारत अब भी राष्ट्रभाषा से दूर है। हिंदी को राष्ट्रभाषा मानने वाली ताकतों के सुर भी अब धीमे पड़ते जा रहे हैं। लेकिन चीन अपने आर्थिक उदारीकरण के बावजूद अपनी भाषा की ओर लौटता नजर आ रहा है। इसके साथ ही चीन के भाषायी आंकड़ों पर भी नजर डालना जरूरी है। यहां की करीब 80 प्रतिशत से ज्यादा आबादी मंदारिन बोल सकती है। चीन में करीब 97.33 प्रतिशत लोग साक्षर हैं। इनमें करीब 95 प्रतिशत से ज्यादा लोग मानक चीनी अक्षरों का प्रयोग करते हैं। चाइना इंटरनेट नेटवर्क इन्फॉर्मेशन सेंटर की ताजा रिपोर्ट के अनुसार बीते जून तक चीन में एक अरब 12 करोड़ से ज्यादा इंटरनेट यूज़र थे। इसी रिपोर्ट के अनुसार, चीन में इंटरनेट इस्तेमाल की दर 79.7 प्रतिशत तक पहुँच गई है। भाषायी कानून में इन आंकड़ों के मद्देनजर सरकारी और पब्लिक सर्विस वेबसाइट और मोबाइल एप्लिकेशन के लिए भी सरकारी नियमों और मानकों के अनुसार, राष्ट्रीय मानक भाषा का इस्तेमाल जरूरी हो गया है। इस कानून का लक्ष्य चीनी राष्ट्र के प्रति मजबूत सामुदायिक भावना का विकास और सांस्कृतिक आत्मविश्वास की मज़बूती- है। कानून इस बात पर भी ज़ोर देता है कि बोली और लिखी जाने वाली मानक चीनी भाषा के इस्तेमाल का मकसद राष्ट्रीय संप्रभुता, एकता और जातीय एकजुटता बनाना होना चाहिए। यह कानून शिक्षा में भी मानक चीनी भाषा की भूमिका पर ज़ोर देता है। कानून के अनुसार, शिक्षण और पाठ्य सामग्री में मानक मंदारिन ही बुनियादी भाषा होगी। यह भारत की नई शिक्षा नीति जैसा ही है, जिसमें प्राथमिक स्तर पर भारतीय भाषाओं के जरिए शिक्षण पर जोर दिया गया है। इस कानून के तहत संस्कृति, पर्यटन और ट्रांसपोर्ट जैसे सेक्टर में सर्विस देने वाले कर्मचारियों के लिए मानक मंदारिन जानना जरूरी होगा। इस कानून में मानक चीनी सीखने या प्रयोग में बाधा डालने पर सजा का प्रावधान भी है। हालांकि पहले उन्हें इसके लिए आगाह किया जाएगा। यहां ध्यान देने की जरूरत है कि भारत में भाषा को नकारने को लेकर कोई सजा का प्रावधान नहीं है।

वैसे इस कानून के दुरूपयोग की चिंता भी जताई जा रही है। चीनी संविधान और जातीय स्वायत्तता व्यवस्था के तहत, स्वायत्त क्षेत्रों मसलन, तिब्बत, शिनजियांग, इनर मंगोलिया, गुआंगशी, निंग्शिया आदि को क्षेत्रीय स्वायत्तता कानूनों के अनुसार, सरकारी कार्यों, शिक्षा और रोज़मर्रा की ज़िंदगी में राष्ट्रीय भाषा के साथ-साथ एक या अधिक स्थानीय भाषाओं के इस्तेमाल का प्रावधान है। लेकिन शी चिनफिंग के शासन में ये प्रावधान कमज़ोर होते गए हैं। इसका असर तिब्बत में दिखता है, जहां कई सालों से चल रहे मातृभाषा आंदोलन और सांस्कृतिक शिक्षा का दमन किया गया। इसकी वजह से वहां निजी स्कूल बंद कर दिए गए और उनके संस्थापक गिरफ्तार कर लिए गए। तिब्बतियों को आशंका है कि इस कानून के तहत उनके खिलाफ दमन का एक और चक्र शुरू हो सकता है।

साल 1994 में फ्रांस ने अपने यहां अंग्रेजी के बिलावजह प्रयोग को कानून के जरिए रोक लगाई थी। अब चीन का अपनी मानक भाषा को स्थापित करने का कानून आया है। यह सब देखते हुए भी भारत की मौजूदा राजनीतिक हालात के मद्देनजर ऐसे कानून का सुझाव देना भी संभव नहीं लगता। लेकिन चीन के इस भाषायी बोध के बहान अपेक्षा तो की ही जा सकती है कि एक दिन भारत में भी ऐसी सोच जरूर विकसित होगी।

संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रासंगिकता पर सवाल

इराकी राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन की सत्ता को तहस-नहस करने के लिए तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जार्ज बुश जूनियर और तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर ने एक बहाना बनाया। संयुक्त राष्ट्र संघ की ओर से इराक भेजे गए वैज्ञानिकों और पर्यवेक्षकों ने कथित रूप से रिपोर्ट दी कि इराक के पास व्यापक जनसंहार के रासायनिक हथियार हैं। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अपदस्थ करके हथकड़ियों में उनके देश से उठाकर न्यूयॉर्क में लाने की घटना को लेकर भारत की संतुलित प्रतिक्रिया स्वाभाविक है। अमेरिका से व्यापारिक रिश्तों को लेकर जारी बातचीत के बीच अमेरिकी कार्रवाई की कड़ी आलोचना राष्ट्रीय कूटनीतिक लिहाज से सही नहीं कही जाएगी। वैसे भी ट्रंप जैसे राष्ट्राध्यक्ष के दौर में तो कड़ी प्रतिक्रिया अपने राष्ट्रीय हितों को संकट में डालने जैसा ही माना जाएगा। लेकिन जिस तरह भारत के लोगों ने इस कार्रवाई के विरोध में प्रतिक्रिया जताई है, उसे भी भारतीय लोक की स्वाभाविक प्रक्रिया का ही हिस्सा माना जाना चाहिए। भारतीय लोक स्वभाव से ही लोकतांत्रिक है और उसे लोकतांत्रिक सत्ताओं का सैनिक कार्रवाई के जरिए उखाड़ना पसंद नहीं रहा है। भारतीय लोक का मानस कमजोर के पक्ष में खड़े होने का रहा है। इसलिए अधिसंख्य भारतीय प्रतिक्रियाएं निकोलस मादुरो के पक्ष और अमेरिका के विरोध में हैं।

अमेरिकी कार्रवाई ने दो तरह प्रश्थापनाएं की हैं। पहली यह कि ताकतवर के लिए कुछ भी करना संभव है। वह उसे नियमों और कानूनों की परिभाषा में बांध सकता है। दुनिया लाख चिल्लाती रहे कि किसी राष्ट्राध्यक्ष की सत्ता को उखाड़ फेंकना और उसे गिरफ्तार करके अपने कानूनों के दायरे में लाना अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन है, लेकिन इसका अमेरिका की सेहत पर फिलहाल कोई असर नहीं पड़ने जा रहा। अमेरिका ने एक तरह से इतिहास को ही दोहराया है। अमेरिका अपने हितों के खिलाफ जिस देश को सिर उठाते देखता है, उसके खिलाफ उसे सैनिक, कूटनीतिक और आर्थिक कार्रवाई करने में देर नहीं लगती। इस मौके पर जार्ज बुश सीनियर के दौर को याद किया जाना चाहिए। कुवैत में इराकी सेना की कार्रवाई के खिलाफ उन्होंने खाड़ी युद्ध छेड़ दिया था। बेशक इस युद्ध की आग में झुलसने के चलते वे सत्ता में दोबारा वापसी नहीं कर पाए। लेकिन उनके अधूरे कार्य को उनके बेटे जार्ज बुश जूनियर ने पूरा किया। बेशक इसके लिए मुस्लिम चरमपंथियों और ओसामा बिन लादेन के कुख्यात संगठन अलकायदा ने मौका मुहैया कराया। इराकी राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन की सत्ता को तहस-नहस करने के लिए तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जार्ज बुश जूनियर और तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर ने एक बहाना बनाया। संयुक्त राष्ट्र संघ की ओर से इराक भेजे गए वैज्ञानिकों और पर्यवेक्षकों ने कथित रूप से रिपोर्ट दी कि इराक के पास व्यापक जनसंहार के रासायनिक हथियार हैं। अमेरिका की नजर में सद्दाम तानाशाह थे,इस लिहाज से ये हथियार मानवता के लिए घातक हो सकते थे।फिर क्या था,संयुक्त राष्ट्रसंघ के प्रस्ताव की आड़ में अमेरिका और ब्रिटेन ने इराकी शासन के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी। अमेरिका की अगुआई वाली सेनाओं के हमले में इराक तहस-नहस हो गया। सद्दाम गिरफ्तार कर लिए गए, उनके खिलाफ मुकदमा चलाया गया और उन्हें व्यापक नरसंहार का दोषी ठहराते हुए फांसी पर लटका दिया गया। बाद के दिनों में बीबीसी ने रिपोर्ट दी कि जिन घातक रासायनिक हथियारों को खत्म करने के नाम पर इराक पर मित्र देशों की सेनाओं ने हमला किया, असलियत में ऐसे हथियार तो इराक के पास थे ही नहीं। बीबीसी को यह खबर लीक करने का शक हथियार जांचने पहुंचे अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों की टीम के सदस्य रहे ब्रिटिश वैज्ञानिक विलियम केली पर किया गया। बीबीसी के कई अधिकारियों और पत्रकारों को इस खबर के लिए अपनी नौकरी गवांनी पड़ी। एक सुबह टहलने गए विलियम केली भी रास्ते में मृत पाए गए। इराक में अमेरिकी तर्ज का लोकतंत्र स्थापित तो हो गया है,लेकिन क्या वहां शांति आ पाई है। कुछ ऐसा ही यक्ष प्रश्न वेनेजुएला को लेकर उभरने वाला है। सवाल यह है कि क्या डोनाल्ड ट्रंप की कार्रवाई के बाद वेनेजुएला में जो सत्ता स्थापित हुई है, क्या वह सही मायने में लोकतंत्र स्थापित करके वहां नशा के कारोबार को रोक पाएगी। नशे के कारोबार की बात इसलिए की जा रही है, क्योंकि ट्रंप ने मादुरो पर बड़ा आरोप लगाया है कि वे नशे के कारोबार को बढ़ावा दे रहे थे, जिससे अमेरिकी हितों को चोट पहुंच रही थी। हालांकि उनके इस आरोप को अमेरिका की ही उपराष्ट्रपति रहीं कमला हैरिस ने नकारा है। उनका कहना है कि ट्रंप की कार्रवाई की मूल वजह के पीछे तेल का खेल है। वेनेजुएला के पास दुनिया के सबसे बड़ा कच्चे तेल का भंडार है। अनुमान है कि यह भंडार करीब 303 अरब बैरल है। लेकिन कच्चे तेल के उत्पादन में वह बहुत पीछे है।

राशिफल

मेष राशि : आज वह दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आप अपने दोस्त के साथ शाम को पोशाक बनावेंगे और वह सोचकर आप पूरा दिन खुश रहेंगे। आज सबर्ध स्वल पर आप खूब मन लगाकर काम करेंगे, कलीगस आपको फॉलो करेंगे, आपका पूरा दिन व्यस्तता के साथ गुज़रेगा फिर भी आपको यह सोचकर अच्छा लगेगा कि आज आपने पूरी ईमानदारी के साथ काम किया है।

वृष राशि : आज वह दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आप अपने जीवनसाथी के साथ किसी खूबसूरत जगह पर घूमने जावेंगे, इससे आपका रिश्ता मज़बूत करेगा। आप घर-दूसरे सभी मालमज़ों को समझने के साथ ही जीवन की हर तरह परिस्थितियों में साथ देने का वादा भी करेंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स आज किसी विशेष टॉपिक को समझने के लिए अपने सीनियर्स की मदद लेंगे।

मिथुन राशि: आज वह दिन आपके लिए सुनहरा होगा। आज आपके रिवाज़ों को अहमियत मिलेगी, आपका सम्मान बढ़ेगा। आज आप माता-पिता के साथ बैठकर भविष्य की योजनाओं पर बात करेंगे। आज आपको यदि किसी कारण से कुछ खोने का डर है तो आप निश्चिन्त हो जाएं ऐसा कुछ नहीं होने वाला क्योंकि आज आपका दिन आपके फेवर में है।

कर्क राशि: आज वह दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आपके करियर में नया मोड़ आने वाला है वह आपके लिए लाभकारी साबित होगा। आज के दिन आपकी मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से होगी जिससे आगे चलकर आपकी गहरी दोस्ती हो सकती है। आज आपको अपने स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहने की ज़रूरत है।

सिंह राशि : आज वह दिन आपके लिए नयी उर्जाओं से भरा रहने वाला है। आज आप कहीं घूमने जा सकते हैं। आप किसी व्यक्ति की बातों से प्रभावित होंगे आज पारतूत कामों में व्यस्तता रहेगी। आज समस्याओं से घबराने के बजाय उनको शांत मन से सुलझाने की कोशिश करें। जो चीज़ें महत्वपूर्ण हैं उनको खुद ही संभालें और ज़रूरत हो तो किसी अनुभवी की सलाह भी लें।

कन्या राशि : आज वह दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आपके डियरी दोस्त शाम के लिए बढ़िया योजना बनाकर आपका दिन खुशनुमा कर देंगे। आज आपको पिता करने की ज़रूरत नहीं है, आप अपने आप में काफी अदरा महसूस करेंगे। आज आपकी कर्मठता की वजह से लोगों के बीच आपका मान सम्मान बढ़ेगा। किसी रिश्तेदार से आपकी फोन पर बात होगी।

तुला राशि: आज वह दिन आपके अनुकूल रहने वाला है।आज आपको नई जानकारी मिलेगी आपके लिए वह जानकारी भविष्य के लिये फायदेमंद साबित होगी। आज आलस्य व सुस्ती छोड़कर काम में मन लगाने की ज़रूरत है, आज आप मार्केट से मनपसंद सामान खरीदेंगे। बिज़नेस बढ़ाने की योजनाओं पर अमल करने के लिए आज वह दिन अदरा है। रिश्तों में मिठास बनी रहेगी।

वृश्चिक राशि :आज वह दिन आपके लिए खास होने वाला है। कुछ लोग रुकावटें भी पैदा करेंगे। आफवाहों पर ध्यान न देकर अपने लक्ष्य पर फोकस करें। निश्चित तौर पर आपको सफलता मिलेगी। आज बिज़नेस में बहुत संज़ीदगी और ग़मीरता से काम करने की ज़रूरत है। बिज़नेस बढ़ाने की योजनाओं पर एक बार फिर से विचार करें।

धनु राशि : आज वह दिन आपके लिए अदरा रहने वाला है। आज प्रॉपरटकल सौदा रहेगी और आपके संतुलित रवैया से पावदा मिलेगा, लोगों का व्यवहार आपके प्रति अदरा रहेगा। आज योड़ा समय एकांत में या किसी धार्मिक स्थान पर बिताएंगे। इस राशि की महिलाएं अपने बिज़नेस में दिलदरा रहेंगी, आपको ज़्यादा धनलाभ भी होगा।

मकर राशि : आपके लिए आज वह दिन मिले जुले अनुभव देने वाला रहेगा। आज आपके तय किए गये काम नियत समय से पूरे होते हुए नज़र आ रहे हैं साथ ही कुछ काम तक से पहले पूरे करने की वजह से खुद को प्रसन्नता होगी। लोगों के विचार और आपके बारे में बोली गई बातों के कारण आप मन ही मन परेशान हो सकते हैं, लेकिन यह समय धैर्य पूर्वक काटने से जल्द ही सब कुछ नार्मल हो जायेगा।

कुंभ राशि : आज वह दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज पुरानी गलती दोबारा न हो, इस बात का ध्यान रखना आपके लिए आवश्यक होगा। आपका जीवन प्रगति की ओर बढ़ रहा है, नई ज़िम्मेदारियों के लिए आप खुद को तैयार करेंगे। आज अपनी कार्य क्षमता के अनुसार आपको कुछ बड़े अवसर भी मिल सकते हैं।

मीन राशि: आज वह दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आप संतान के करियर की समस्याओं को किसी अनुभवी और जानकार की मदद से सुलझा लेंगे। थोड़ी विपरीत परिस्थितियां भी बनेंगी। आज किसी से बात चीत करते समय अपने मुसे पर काबू रखें। आज यात्रा का योग बन सकता है। ऑफिस भरे कामों से दूर रहें।

मर चुकी है बीते जमाने की भाजपा शिंदे के गढ़ में उद्धव ठाकरे का हमला

मुंबई, 13 जनवरी [एजेंसी]।

शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अदाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अदाणी पर हमला और तेज करते हुए कहा कि भाजपा की लूट अंग्रेजों द्वारा की गई लूट से कहीं अधिक है। वहीं राज ठाकरे ने इस बात पर जोर दिया कि सरकार द्वारा एक व्यवसायी का पक्ष लेना बेहद खतरनाक है। शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ने सोमवार रात उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के गढ़ ठाणे में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। रैली में बोलते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा कि गुजरात के दो व्यक्तियों (मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह) की लूट अंग्रेजों द्वारा भारत में की गई लूट से कहीं अधिक है।उन्होंने मौजूदा भाजपा नेतृत्व पर तीखा हमला करते हुए कहा कि मैं आपको बता सकता हूं कि बीते जमाने की भाजपा मर चुकी है। उन्होंने आगे कहा कि आज की भाजपा 'इस्तेमाल करो और फेंक दो' में विश्वास करती है। उद्धव ने याद दिलाया कि कैसे दिवंगत बालासाहेब ठाकरे ने गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए मोदी की संकट के समय मदद की थी। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को गद्दार बताते हुए उन्होंने महायुति के शासनकाल में कथित भ्रष्टाचार की कड़ी आलोचना की।

उन्होंने कहा कि ये गद्दार आते-जाते रहेंगे। हम आपके लिए यहां आए हैं। हम सब आपके लिए एकजुट हुए हैं। दूसरी ओर, राज ने स्पष्ट किया कि वह किसी भी उद्योगपति के खिलाफ नहीं हैं। उन्होंने कहा कि शिवाजी पार्क में हमारी रैली के बाद (जिसमें मैंने अदाणी समूह के बारे में बात की थी) इन लोगों ने गौतम अदाणी के साथ मेरी एक तस्वीर निकाली है, जिसमें अदाणी मेरे घर आए हैं। कई उद्योगपति मेरे घर आ चुके हैं। इनमें रतन टाटा, मुकेश अंबानी, आनंद महिंद्रा और कई अन्य भी हैं। राज ने कहा कि टाटा और बिड़ला आज जिस मुकाम पर हैं, वहां तक पहुंचने में उन्हें 50 से 100 साल लगे। जबकि उन्होंने (अदाणी) ने सिर्फ 11 साल में यह मुकाम हासिल कर लिया है। राज ठाकरे ने हाल के डंडिगो संकट का जिक्र करते हुए कहा कि इंडिगो से जुड़े मामले को देखिए।

समीर वानखेड़े मामले में कैट के फैसले में हस्तक्षेप से दिल्ली हाईकोर्ट का इनकार, केंद्र ने दायर की थी याचिका

नई दिल्ली। 2021 के कार्डेलिया क्रूज ड्रग्स मामले में आईआरएस अधिकारी समीर वानखेड़े के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही पर रोक केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) के आदेश में हस्तक्षेप करने से दिल्ली हाई कोर्ट ने इनकार कर दिया। केंद्र सरकार की अपील याचिका पर न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल व न्यायमूर्ति अमित महाजन की पीठ ने सुनवाई करते हुए कैट को निर्देश दिया कि वह मुख्य मामले का फैसला 14 जनवरी को या अगले 10 दिनों के भीतर करने के लिए गंभीर प्रयास करे।अधिकारी वानखेड़े 2021 में मुंबई स्थित नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एसीबी) में अपने कार्यकाल के दौरान बालीवुड अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को कार्डेलिया क्रूज ड्रग्स कांड में फंसाने की धमकी देकर उनके परिवार से 25 करोड़ रुपये की मांग करने के आरोप में सुर्खियों में आए थे।कैट के समक्ष वानखेड़े ने एक मूल आवेदन दायर कर अपने खिलाफ अनुशासनात्मक जांच को चुनौती दी थी।

मकर संक्रांति-मौनी अमावस्या को लेकर प्रयागराज में सात दिनों तक रूट डायवर्जन

प्रयागराज, 13 जनवरी [एजेंसी]।

माघ मेला के दो महत्वपूर्ण स्नान पर्व मकर संक्रांति और मौनी अमावस्या को लेकर रूट डायवर्जन की कार्ययोजना बना ली गई है। दोनों प्रमुख स्नान पर्वों के बीच सिर्फ दो दिनों का अंतर होने के चलते मेला प्रशासन की चुनौती बढ़ गई है। मकर संक्रांति के स्नान का मुहूर्त 15 जनवरी को है, फिर भी परंपरागत स्नान 14 जनवरी को भी होने की उम्मीद है। ऐसे में मंगलवार से ही श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला शुरू हो जाएगा। 13 जनवरी की रात आठ बजे से भारी वाहनों को नो इंट्री प्वाइंट पर रोक दिया जाएगा।यह व्यवस्था 19 जनवरी की रात 12 बजे तक लागू रहेगी। भारी वाहनों को जिले की सीमा में प्रवेश करने से पहले डायवर्जन वाले मार्गों पर मोड़ दिया जाएगा। निशेक विकास कुमार ने बताया कि आवश्यक सेवाओं व एंबुलेंस वाहनों के लिए डायवर्जन लागू नहीं रहेगा।

दिल्ली व कानपुर से वाराणसी जाने वाले भारी वाहन फतेहपुर के बक्सर मोड़ (शुक्ला ढाबा के पास) बक्सर गंगापुल चंद्रिका देवी मंदिर बक्सर गंगापुल लालगंज (रायबरेली) गुरुबक्शगंज ढकिया चौराहा, लालगंज अझारा प्रतापगढ़, भोपियामऊ, रानीगंज, मुंगराबादशाहपुर, मछली शहर, जौनपुर जलालपुर, फूलपुर, बाबतपुर एयरपोर्ट, हरहुआ से वाया रिंग रोड वाराणसी जाएंगे। वापसी का भी यही मार्ग होगा। फतेहपुर से बांदा व रीवां जाने वाले भारी वाहन चौड़गरा चौराहा से बिंदकी, बंधवा तिराहा, ललौली, चिल्ला होते हुए बांदा की ओर वाहन भेजे जाएंगे। वापसी भी इसी मार्ग से होगी। लखनऊ, रायबरेली व प्रतापगढ़ से वाराणसी जाने वाले भारी वाहन फतेहपुर से डलमऊ, रायबरेली से ऊंचाहार, सलोन, लालगंज प्रतापगढ़, भूपियामऊ चौराहा, रानीगंज, मुंगराबादशाहपुर, जौनपुर होते हुए वाराणसी जाएंगे। वापसी मार्ग भी यही रहेगा। कौशांबी से वाराणसी जाने वाले भारी वाहन कोखराज-नवाबगंज बाईपास सोरांव बाईपास, हंडिया बाईपास, औराई वाराणसी में प्रवेश करेंगे।

आरक्षण ने फेर दिया खेल, रामगढ़ नगर अध्यक्ष ST महिला के लिए, अब पत्नी की दावेदारी पर जोर

रामगढ़। आसन्न नगर निकाय चुनाव को लेकर जिले में राजनीतिक समीकरण पूरी तरह से बदल गया है। कल तक चौक चौराहों पर अध्यक्ष पद के लिए दावेदारी करने वाले सामान्य,ओबीसी व अनुसूचित जन जाति वर्ग से कई संभावित पुरुष प्रत्याशी की मंशा पर राज्य निर्वाचन आयोग की पहल ने पानी फेर दिया है। चूंकि अध्यक्ष पद अनुसूचित जन जाति वर्ग की महिला उम्मीदवार के लिए आरक्षित किया गया है। इस लिहाज से प्रत्याशी की तलाश अब तेज हो गई है। माना जा रहा है कि एक पखवारे के अंदर राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी जाएगी। इस लिहाज एसटी महिला उम्मीदवार की खोज भी तेज हो गई है। वैसे इस बार दलीय आधार पर चुनाव नहीं हो रहा है। इसके बावजूद परोक्ष रूप से दलीय आधार पर अध्यक्ष पद के के लिए महिला उम्मीदवार की तलाश तेज हो गई है। भाजपा, कांग्रेस व झामुमो से भी उम्मीदवार की तलाश तेज है। वर्तमान में कांग्रेस पार्टी से रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र से महिला विधायक के रूप में ममता देवी प्रतिनिधित्व कर रही हैं। ऐसे में अब सशक्त आदिवासी महिला उम्मीदवार की तलाश तेज हो गई है। कल तक अनुसूचित जन जाति वर्ग से उम्मीदवार बनने के सपने देख रहे लोग अब अपनी पत्नी की दावेदारी की तैयारी कर रहे हैं। राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देश के बाद मन मार कर अब उम्मीद भरी निगाहों से अपनी पत्नी की ओर देख रहे हैं।

बताया जाता है कि पूर्व में प्रतिनिधित्व कर चुके अब अपनी पत्नी को चुनाव लड़वाने की संभावना की तलाश में जुटे हैं। इसके लिए वे लगातार अधिकारियों के संपर्क में जुटे हैं और कोई न कोई जुगत लगाने का प्रयास कर रहे हैं। सबसे बड़ी परेशानी एक के समक्ष यह है कि इनकी पत्नी पारा शिक्षिका के रूप में कार्य कर रही हैं।इसलिए वे यह जानना चाह रहे हैं कि बगैर इस्तीफा दिए क्या वे अपनी पत्नी को चुनाव लड़वा सकते हैं। हालांकि अधिकारी की ओर से उन्हें स्पष्ट कह दिया गया कि बगैर इस्तीफा स्वीकार कराए चुनाव नहीं लड़ सकते हैं। अधिकारी की इस बात ने उन्हें दोराहे पर खड़ा कर दिया है। डर इस बात का है कि इस्तीफा दिलवाने के बाद दोबारा नौकरी नहीं मिलेगी और चुनाव जीत गए थे तो ठीक है और हार गए तो कहीं के न रहेंगे।

लॉस एंजिलिस में भीड़ पर दौड़ाया ट्रक ईरान के समर्थन में हो रहा था प्रदर्शन

लॉस एंजिलिस 13 जनवरी। अमेरिका के लॉस एंजिलिस में ईरानी लोगों के समर्थन में प्रदर्शन कर रही भीड़ में एक शख्स ने ट्रक घुसा दिया। यह देख प्रदर्शनकारी इधर-उधर भागने लगे।उन्होंने ट्रक का पीछा किया। ट्रक को कुछ दूरी पर पुलिस ने रोक लिया। प्रदर्शनकारी ट्रक पर टूट पड़े और चालक पर हमला बोल दिया।पुलिस के बयान में कहा गया है कि ट्रक की चपेट में एक व्यक्ति आया, लेकिन किसी को गंभीर चोट नहीं आई। दो लोगों की पैरामेडिक्स द्वारा जांच की गई, लेकिन दोनों ने इलाज कराने से इन्कार कर दिया।पुलिस ने ट्रक चालक को हिरासत में ले लिया है और उस पर हमले के आरोप लग सकते हैं। लॉस एंजिलिस पुलिस विभाग के प्रवक्ता अधिकारी चार्ल्स मिलर ने बताया कि चालक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है और सोमवार तड़के उसे गिरफ्तार करने और मामला दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही थी।

ओडिशा के मुख्यमंत्री माझी ने दिए सीमांकन के संकेत, विधायकों की संख्या बढ़कर हो सकती है 200

भुवनेश्वर। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने सोमवार को संकेत दिया कि भविष्य में संभावित परिसीमन (डिलिमिटेशन) प्रक्रिया के बाद राज्य विधानसभा में विधायकों (एमएलए) की संख्या बढ़ सकती है। इस कदम से विधानसभा की मौजूदा 147 सीटों की संख्या बढ़कर लगभग 200 तक हो सकती है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, इस परियोजना का उद्देश्य भविष्य की प्रशासनिक और विधायी आवश्यकताओं को पूरा करना तथा ओडिशा की शासन व्यवस्था को और सशक्त बनाना है।आज एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि एक नया विधानसभा भवन निर्माणाधीन है, जिसमें लगभग 300 सदस्यों (एमएलए) के बैठने की क्षमता होगी–जो वर्तमान संख्या से लगभग दोगुनी है–ताकि विधायकों की संख्या में संभावित वृद्धि को ध्यान में रखा जा सके। मुख्यमंत्री ने इस अल्ट्रा-मॉडर्न परियोजना का शिलान्यास किया, जिसमें नया लोक सेवा भवन और नया विधानसभा भवन शामिल हैं। इनका डिजाइन केंद्र सरकार की 'विस्टा' मॉडल की तर्ज पर किया गया है। इस परियोजना पर अनुमानित 3,623 करोड़ रुपये की लागत आएगी। यह नया परिसर लगभग 71.13 एकड़ भूमि पर बनेगा, जिसके लिए मास्टर प्लान पहले ही स्वीकृत हो चुका है। नए लोक सेवा भवन में भूमिगत पार्किंग और आधुनिक बुनियादी ढांचा भी होगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का शिलान्यास राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा कार्यक्रम के दौरान लोक सेवा भवन के सम्मेलन कक्ष में किया गया। मुख्यमंत्री की इन टिप्पणियों से राज्य में भविष्य के राजनीतिक और प्रशासनिक सुधारों के तहत विधानसभा सीटों में संभावित वृद्धि को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। वर्तमान में विधानसभा की सदस्य संख्या 147 है और लगभग 3-4 अतिरिक्त सीटें भी हैं (एमएलए के बैठने के लिए)। यदि परिसीमन के कारण विधायकों की संख्या बढ़ती है–जिसकी चर्चा चल रही है और जिस पर मैं भी पूरी तरह निश्चित नहीं हूं–तो लगभग 50 सीटों की वृद्धि की संभावना है।

मौत उनके पाले आ रही है, इजरायल समर्थित समूह ने हमास के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी की हत्या की

दक्षिणी गाजा पट्टी । इजरायल समर्थित फलस्तीनी मिलिशिया ने सोमवार को कहा कि उसने दक्षिणी गाजा पट्टी में हमास के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी की हत्या कर दी है। इस घटना के लिए हमास ने इजरायली सहयोगियों को जिम्मेदार ठहराया है। हमास द्वारा संचालित आंतरिक मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि बंदूकधारियों ने चलती कार से गोलीबारी की, जिसमें गाजा पट्टी के दक्षिण में स्थित खान यूनिस में आपराधिक पुलिस इकाई के प्रमुख महमूद अल-अस्तल की मौत हो गई।खान यूनिस के पूर्व में इजरायली नियंत्रण वाले क्षेत्र में स्थित हमास विरोधी समूह के नेता हुसाम अल-अस्तल ने अपने फेसबुक पेज पर पोस्ट किए वीडियो में हत्या की जिम्मेदारी ली है।

यूपी में सीमा विस्तार वाले इन नए इलाकों पर 900 करोड़ खर्च करेगी सरकार

लखनऊ 13 जनवरी। प्रदेश सरकार नगरीय निकायों में सीमा विस्तार वाले नए इलाकों में सड़क, नाली, नाला, स्ट्रीट लाइट, पार्क जैसी मूलभूत सुविधाएं देने के लिए करीब 900 करोड़ रुपये खर्च करेगी।नगर विकास विभाग वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में इन पैसों की मांग करने की तैयारियों में जुट गया है। नगर पंचायतों में करीब 340 करोड़ और सीमा विस्तार होने वाले क्षेत्रों में लगभग 562 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन डालर करने के लिए शहरी आबादी को 22 प्रतिशत से बढ़ाकर 40 से 50 प्रतिशत करने का सुझाव दिया गया है। इसी आधार पर शहरी आबादी को बढ़ाने का काम चल रहा है। प्रदेश में मौजूदा समय 762 नगरीय निकाय हैं। प्रदेश में नई नगर पंचायतें बनाने के साथ ही नगर निगमों और पालिका परिषदों का सीमा विस्तार किया गया है।

पत्नी ने खाना नहीं बनाया, इसलिए मार डाला..., मां-बेटे को बांके से काटने वाले हत्यारे का कबुलनामा

कानपुर। सर्देपुर गांव में रविवार रात को गर्भवती पत्नी और ढाई साल के बेटे की हत्या के आरोपित को सोमवार शाम पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने बताया कि पत्नी ने खाना नहीं बनाया था, इसलिए उसे मार दिया। हत्या करते समय बेटा सामने आ गया तो उसकी भी जान ले ली। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल बांका और खून से सनी जैकेट बरामद की है।सर्देपुर निवासी सुरेंद्र यादव ने रविवार देर शाम छह माह की गर्भवती पत्नी रूबी और ढाई साल के बेटे लवांश की धारदार हथियार से काटकर हत्या कर दी थी। घटना के बाद वह हथियार लेकर भाग निकला था।सोमवार को रूबी के फतेहपुर के हुसैनगंज थाना क्षेत्र के गौरा चिरियारा निवासी भाई दिलीप ने आरोपित के

खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। इस पर आरोपित सुरेंद्र को पुलिस ने सोमवार शाम गांव के नजदीक रेलवे ट्रैक के पास से गिरफ्तार कर लिया।उसने बताया कि रविवार को वह घर आया तो पत्नी ने खाना नहीं बनाया था। इसके बाद उसकी कहासुनी हो गई। नशे में उसने बांके से पत्नी पर हमला कर दिया। इसके बाद कमरे से बेटा भी सामने आया तो उसे भी मार डाला। डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेजा जाएगा। आरोपित सुरेंद्र ने बताया कि हत्या के बाद वह बांका लेकर भाग निकला। रात भर गांव के आसपास ही छिपा रहा। एक बार फंदा लगाकर जान देने की भी कोशिश की, लेकिन हिम्मत नहीं जुटा सका। हालांकि, उसकी बातों से पछतावा नहीं दिखा।बातों के बीच में ही वह पत्नी के एससी-एसटी विरादरी से होने का जिक्र करने लगा। जबकि, शादी उसकी मर्जी से ही विधि-विधान से मंदिर में हुई थी। घटना के बाद से पुलिस को आशंका भी था कि आरोपित कहीं आत्महत्या न कर ले।दिन भर खोजबीन के बाद जब शाम को उसका पता चला तो इंस्पेक्टर दिनेश सिंह बिष्ट फोर्स के साथ सर्देपुर गांव के पास ही रेलवे क्रासिंग पर पहुंचे।

उन्होंने बताया कि बाकी पुलिसकर्मी आड़ में हो गए और उन्होंने रेलवे कर्मियों की कपड़े पहन लिए। इसके बाद जैसे ही आरोपित वहां आया उसे दबोच लिया गया। रूबी और उसके मासूम बेटे लवांश का सोमवार शाम पोस्टमार्टम हुआ तो आरोपित सुरेंद्र की बर्बरता सामने आई। मासूम बच्चे के सिर और गर्दन करीब सात से आठ वार मिले। सिर की तीन से चार हड्डियां टूटी थीं। वहीं, रूबी के शरीर पर करीब 12 से 14 वार मिले। दोनों की ज्यादा खून बहने के कारण कोमा में जाने से मौत की पुष्टि हुई है।सर्देपुर गांव में सोमवार को सन्नाटा पसरा रहा।

कुदरत के कहर से कराह उठी देवभूमि

पेयजल योजनाओं को हुआ 1928 करोड़ का नुकसान

देहरादून, 13 जनवरी [एजेंसी]।

उत्तराखंड में पिछले वर्ष आपदा का कहर पेयजल योजनाओं पर सबसे अधिक टूटा। राज्य में आपदा से विभिन्न योजनाओं को 3792.39 करोड़ की प्रत्यक्ष क्षति हुई, जबकि 312.19 करोड़ रुपये की हानि आंकी गई।इनमें अकेले पेयजल योजनाओं को 1844.05 करोड़ की प्रत्यक्ष क्षति व 84.17 करोड़ की हानि शामिल है। आपदा से हुए नुकसान के आकलन को तैयार पोस्ट डिजास्टर नीड एसेसमेंट (पीडीएनए) में यह बात सामने आई है।शासन ने इस सिलसिले में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) को रिपोर्ट भेजी है, जिसमें कुल 15,103.52 करोड़ का समग्र आर्थिक प्रभाव दर्शाया गया है। एनडीएमए के विभागाध्यक्ष एवं सदस्य राजेंद्र सिंह ने राज्य की ओर से यह प्रस्ताव मिलने की पुष्टि की और कहा कि इस पर मंथन चल रहा है।

आपदा ने पिछले वर्ष समूचे उत्तराखंड को गहरे जख्म दिए। धराली, थराली, देहरादून समेत राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में जान-माल की बड़े पैमाने पर क्षति हुई। मानसून थमने के बाद राज्य में केंद्रीय टीम ने पीडीएनए किया। उत्तराखंड देश का ऐसा पहला राज्य है, जहां पूरे प्रदेश में पीडीएनए किया गया। आपदा प्रबंधन सचिव विनोद कुमार सुमन के अनुसार राज्य की भौगोलिक संवेदनशीलता, पर्वतीय परिस्थितियों और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को ध्यान में रखते हुए यह रिपोर्ट तैयार की गई, जिसे केंद्र को भेजा गया है।उन्होंने कहा कि रिपोर्ट का उद्देश्य केवल क्षति का आकलन ही नहीं, बल्कि भविष्य में अधिक सुदृढ़, सुरक्षित एवं आपदारोधी उत्तराखंड के निर्माण को योजनाबद्ध पुनर्वास व पुनर्निर्माण का रोडमैप तैयार करना है। रिपोर्ट के आधार पर केंद्र से प्राप्त होने वाले वित्तीय सहयोग से प्रभावित क्षेत्रों में शीघ्र पुनर्बहाली, आजीविका संरक्षण और बुनियादी ढांचे को बिल्ड बैक बैटर के सिद्धांत के अनुरूप सुदृढ़ किया जा सकेगा।

ट्रिप्पल इंजन की सरकार में फंड की नहीं है कोई कमी, दिल्ली के मेयर राजा इकबाल सिंह का दावा

नईदिल्ली, 13 जनवरी [एजेंसी]।

दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह ने नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग के उन आरोपों पर पलटवार किया है जिसमें उन्होंने निगम पार्षदों को दिल्ली सरकार द्वारा विकास के लिए फंड न देने की बात कही थी। महापौर ने कहा कि दिल्ली में तीन इंजन की सरकार है और फंड की कोई कमी नहीं है। राजा इकबाल सिंह के अनुसार आप द्वारा लगाए गए भ्रामक, निराधार और राजनीति से प्रेरित हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह दावा पूरी तरह गलत है कि दिल्ली सरकार नगर निगम को फंड देने से इनकार कर उसे पंगु बनाने की कोशिश कर रही है। जबकि नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग का दावा है कि भाजपा निगम को उप करने का प्रयास कर रही है। नवतर्ष पर 11 जनवरी को अपने घर पर आयोजित लंच के दौरान सीएम रेखा गुप्ता ने पार्षदों से कहा कि अब उन्हें 25 लाख से अधिक बजट नहीं मिलेगा। ऐसे में तो पार्षद जनता के काम ही नहीं करा पाएंगे। नारंग का आगे दावा है कि सीएम रेखा गुप्ता ने पार्षदों को सलाह दी है कि पार्षद अपने विधायकों से मिलकर रहें और उनके माध्यम से देखें कि क्षेत्र में काम हो रहा या नहीं।

महापौर ने बताया कि दिल्ली सरकार द्वारा सभी पार्षदों को उनके वार्डों में विकास कार्य कराने के लिए 3 करोड़ से 8 करोड़ रुपये तक का फंड उपलब्ध कराया गया है, ताकि नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने आरोप लगाया कि आप ने अपने 10 वर्षों के शासनकाल में एमसीडी को लगातार कमजोर करने का प्रयास किया। समय पर फंड नहीं दिया । साथ ही उपलब्ध फंड में भी निरंतर कटौती की गई।

इसके विपरीत, वर्तमान भाजपा सरकार न केवल नियमित रूप से एमसीडी को फंड उपलब्ध करा रही है, बल्कि मुख्यमंत्री द्वारा अतिरिक्त 500 करोड़ रुपये भी एमसीडी को दिए गए हैं। महापौर ने कहा कि शहर की स्वच्छता व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए सीएम ने एमसीडी को अत्याधुनिक स्वच्छता अवसंरचना उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है। इसके अंतर्गत एमसीडी को 70 मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनें, 1,000 लीटर क्षमता वाली कूड़ा उठाने की मशीनें, 100 कांपेक्टर, जेसीबी मशीनें, फिक्स्ड कांपैक्टर और अन्य आवश्यक स्वच्छता उपकरण प्रदान किए जाएंगे। इसके अलावा, प्रत्येक वार्ड को चार कूड़ा उठाने वाली मशीनें भी उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे दैनिक साफ-सफाई व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी।

आ तुझे मौत दिखता हूं..., बोलकर कानपुर जेल से 10 साल बाद बाहर निकले शख्स ने झोंके चार फायर

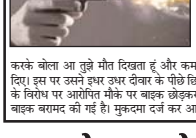

कानपुर 13 जनवरी। सेन पश्चिम पारा जरकला गांव में हत्या के मामले में 10 साल की सजा काटकर छूटे आरोपित ने रविवार शाम शराब के नशे में गांव के युवक से आ तुझे मौत दिखता हूं... बोलकर तमंचे से चार फायर झोंक दिए। जरकला निवासी सतेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि रविवार शाम वह दरवाजे खड़े थे तभी हाल ही में हत्या के मामले में 10 साल सजा काटकर जेल से छूटे गांव के प्रमोद सिंह बाइक से शराब के नशे में आए। दरवाजे के पास बाइक खड़े करके बोला आ तुझे मौत दिखता हूं और कमर से तमंचा निकालकर कई बार लोड करके चार फायर कर दिए। इस पर उसने इधर उधर दीवार के पीछे छिपकर जान बचाई। फायरिंग की आवाज सुनकर एकत्र ग्रामीणों के विरोध पर आरोपित मौके पर बाइक छोड़कर भाग निकला। थाना प्रभारी प्रदीप सिंह ने बताया कि मौके से बाइक बरामद की गई है। मुकदमा दर्ज कर आरोपित की तलाश की जा रही है।

MP के आलोट में सेप्टिक टैंक में गैस बनने से चेंबर में ब्लास्ट, दो युवक घायल, खिड़की-दरवाजे भी क्षतिग्रस्त

इंदौर। रतलाम के आलोट नगर की शिवधाम कॉलोनी में सोमवार रात करीब 10 बजे सेप्टिक टैंक के चैंबर में हुए अचानक ब्लास्ट से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। धमाका इतना तेज था कि मकान के खिड़की-दरवाजे क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को तत्काल आलोट के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थानीय रहवासियों के अनुसार, कॉलोनी के नाले और सेप्टिक टैंक की वर्षों से नियमित सफाई नहीं हुई थी। इसे लेकर सोमवार सुबह ही नगर परिषद के सीएमओ से शिकायत भी की गई थी। घायल

युवक हाल ही में कॉलोनी में किराए के मकान में रहने आए थे और पानी-पतासे बेचने का काम करते हैं। बताया जा रहा है कि रात करीब 10 बजे युवक घर के बाहर बैठे थे, तभी अचानक चेंबर में जोरदार विस्फोट हो गया। धमाका इतना तीव्र था कि एक दरवाजा पूरी तरह उखड़ गया, जबकि अन्य खिड़की-दरवाजों को भी भारी नुकसान पहुंचा। घायलों में 24 वर्षीय नारायण गुर्जर सहित एक अन्य युवक शामिल है। तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए। उखड़े दरवाजे और क्षतिग्रस्त मकान देखकर लोग सहम गए। रहवासियों ने घायलों को संभालते हुए तत्काल अस्पताल पहुंचाया। सूचना मिलते ही नगर परिषद के सीएमओ सीताराम चौहान मौके पर पहुंचे, जहां उन्हें कॉलोनीवासियों के भारी आक्रोश का सामना करना पड़ा। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। वहीं, सीएमओ सीताराम चौहान ने दावा किया कि दो दिन पहले ही चैंबर की सफाई करवाई गई थी और आशंका जताई कि बाथरूम में डाले गए एसिड के कारण यह हादसा हुआ हो सकता है। फिलहाल, विस्फोट के वास्तविक कारणों की जांच जारी है।

इंटरमिटेंट फास्टिंग सबके लिए नहीं है सही, इन 5 लोगों को है इससे बचना चाहिए

आजकल कई लोग वजन कम करने के लिए इंटरमिटेंट फास्टिंग को अपना रहे हैं और यह तरीका वजन घटाने के साथ-साथ कई अन्य सेहत लाभ भी दे सकता है।

हालांकि, यह तरीका सभी के लिए सही नहीं होता है। कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जिन्हें इंटरमिटेंट फास्टिंग नहीं करनी चाहिए।

गर्भवती महिलाएं

गर्भवती महिलाओं को इंटरमिटेंट फास्टिंग नहीं करनी चाहिए क्योंकि इस दौरान वे अपने बच्चे को सही पोषण नहीं दे पाती हैं। इससे गर्भवती महिलाओं को कमजोरी और चक्कर आने की समस्या हो सकती है।

इसके अलावा इससे बच्चे का विकास भी प्रभावित होता है। इसलिए गर्भवती महिलाओं को संतुलित आहार लेना चाहिए और डॉक्टर की सलाह के बिना किसी भी डाइट का पालन नहीं करना चाहिए। इससे उनकी और उनके बच्चे की सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है।

स्तनपान कराने वाली महिलाएं

स्तनपान कराने वाली महिलाओं को भी इंटरमिटेंट फास्टिंग नहीं करनी चाहिए। इसके कारण दूध कम हो सकता है और बच्चे को पर्याप्त पोषण नहीं मिल पाता है। इससे बच्चे की सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। इसके अलावा इससे मां को भी कमजोरी महसूस हो सकती है।

इसलिए स्तनपान कराने वाली महिलाओं को संतुलित आहार लेना चाहिए और डॉक्टर की सलाह के बिना किसी भी डाइट का पालन नहीं करना चाहिए।

मधुमेह के रोगी

मधुमेह के रोगियों को भी इंटरमिटेंट फास्टिंग नहीं करनी चाहिए। इससे उनकी रक्त शर्करा का स्तर असंतुलित हो सकता है और उन्हें कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

इसके अलावा इससे इंसुलिन का स्तर भी प्रभावित हो सकता है, जिससे मधुमेह की समस्या बढ़ सकती है। इसलिए मधुमेह के रोगियों को संतुलित आहार लेना चाहिए और डॉक्टर की सलाह के बिना किसी भी डाइट का पालन नहीं करना चाहिए।

मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं वाले लोग

जिन लोगों को मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं जैसे कि तनाव या चिंता होती हैं, उन्हें भी इंटरमिटेंट फास्टिंग नहीं करनी चाहिए। इससे उनकी मानसिक स्थिति और खराब हो सकती है और उन्हें कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

इसके अलावा इससे मूड में बदलाव और चिड़चिड़ापन भी बढ़ सकता है। इसलिए जिन लोगों को मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं हैं, उन्हें संतुलित आहार लेना चाहिए।

पुरानी बीमारियों से ग्रस्त लोग

जिन लोगों को पहले से कोई पुरानी बीमारी जैसे किडनी या हृदय रोग, उन्हें भी इंटरमिटेंट फास्टिंग नहीं करनी चाहिए। इससे उनकी बीमारी और गंभीर हो सकती है और उन्हें कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।इसके अलावा इससे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी कमजोर हो सकती है। इसलिए जिन लोगों को कोई पुरानी बीमारी है, उन्हें संतुलित आहार लेना चाहिए और डॉक्टर की सलाह के अनुसार डाइट का पालन करना चाहिए।

जड़ वाली सब्जियों को साफ करने के लिए आजमाएं ये 5 तरीके

जड़ वाली सब्जियां जैसे आलू, गाजर, शलजम और मूली आदि कई व्यंजनों में इस्तेमाल होती हैं। हालांकि, अक्सर लोग इन्हें बिना अच्छे से साफ किए ही पकाने के लिए इस्तेमाल कर लेते हैं, जिससे इनका स्वाद प्रभावित हो सकता है। आज हम आपको जड़ वाली सब्जियों को साफ करने के लिए कुछ आसान और असरदार तरीके बताने जा रहे हैं, जिनका पालन करके आप इनका स्वाद और पोषण को बढ़ा सकते हैं।

पानी का उपयोग करें

जड़ वाली सब्जियों को साफ करने का सबसे सरल तरीका है कि उन्हें ठंडे पानी से अच्छी तरह धोएं। इसके लिए आप एक बड़े बर्तन में पानी भरकर उसमें सब्जियों को डालें और उन्हें कुछ मिनट छोड़ दें। इससे मिट्टी और अन्य गंदगी निकल जाएगी। इसके बाद आप एक साफ ब्रश या हाथों से हल्के से रगड़कर उन्हें पूरी तरह से साफ कर सकते हैं। यह तरीका आलू, गाजर, शलजम और मूली जैसी सब्जियों के लिए असरदार है।

नमक का छिड़काव करें

नमक का छिड़काव करने से जड़ वाली सब्जियों की सतह पर मौजूद कीटाणुओं को मारने में मदद मिलती है। इसके लिए आप एक कटोरे में थोड़ा नमक और पानी मिलाकर एक घोल तैयार करें और उसमें सब्जियों को कुछ मिनट के लिए डालें। इससे न केवल गंदगी निकल जाएगी बल्कि सब्जियां सुरक्षित भी रहेंगी। इसके बाद आप ठंडे पानी से धोकर इन्हें इस्तेमाल कर सकते हैं।

सिरका या नींबू का रस लगाएं

सिरका या नींबू का रस लगाकर जड़ वाली सब्जियों को कुछ देर छोड़ देने से उनके स्वाद में निखार आता है और वे अधिक ताजगी महसूस कराती हैं। इसके लिए आप एक कटोरे में थोड़ा सिरका या नींबू का रस लेकर उसमें सब्जियों को कुछ मिनट के लिए डालें और फिर ठंडे पानी से धो लें। इससे न केवल गंदगी निकल जाएगी बल्कि सब्जियां सुरक्षित भी रहेंगी।

ब्रश का उपयोग करें

कुछ जड़ वाली सब्जियां जैसे आलू और गाजर आदि पर मिट्टी अटक जाती है जिसे हटाने के लिए ब्रश का उपयोग करना चाहिए। इसके लिए आप एक साफ ब्रश लेकर उसे हल्के हाथों से रगड़ें ताकि सारी मिट्टी निकल जाए। इस प्रक्रिया को ध्यानपूर्वक करें ताकि सब्जियां पूरी तरह से साफ हो जाएं। इसके बाद आप इनका इस्तेमाल किसी भी व्यंजन में कर सकते हैं।

छिलका उतारें

अगर आपको लगता है कि सब्जियों पर बची हुई गंदगी हटाने में मुश्किल हो रही है तो आप उनका छिलका उतार सकते हैं। इसके लिए एक तेज चाकू लेकर धीरे-धीरे छिलका उतारें और फिर ठंडे पानी से धो लें। इससे न केवल गंदगी निकल जाएगी बल्कि सब्जियां ताजगी भी महसूस कराएंगी। इन तरीकों को अपनाकर आप आसानी से जड़ वाली सब्जियों को साफ कर सकते हैं और उनका स्वाद बढ़ा सकते हैं।

नाश्ते के लिए बेस्ट है दलिया, पूरे शरीर को देगा एनर्जी का फुल डोज

हेल्दी लाइफस्टाइल को अपनाने के लिए सबसे पहला कदम है अच्छा खाना। समय कम है लेकिन खाना हेल्दी और टेस्टी होना चाहिए और कम समय में बनकर तैयार होना चाहिए। इसके लिए सबसे अच्छा ऑप्शन है दलिया, जिसे अलग-अलग तरीकों से बनाया जा सकता है और उसकी पौष्टिकता बढ़ाई जा सकती है। ये एक ऐसा सुपरफूड है जिसे हर उम्र के लोग खा सकते हैं, लेकिन किस समय दलिया खाना चाहिए, ये जानना भी बहुत जरूरी है। दलिया पचने में आसान होता है और यह शरीर को फायदा पहुंचाता है। दलिये में ﷺखराबﷺ कोलेस्ट्रॉल को कम करने की क्षमता होती है, जिससे कोलेस्ट्रॉल का खतरा कम होता है और दिल पर दबाव कम पड़ता है। इसके साथ ही दलिया में मैग्नीशियम और पोटेशियम भी होते हैं, जो काफी हद तक हाई बीपी को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। दलिया का सेवन करने से वजन भी नहीं बढ़ता है, क्योंकि इसे बहुत ही हल्का खाना माना गया है। दलिया में फाइबर और कैलोरी दोनों होती हैं, जो जल्दी भूख नहीं लगने देती और वजन भी बढ़ने नहीं देती।

दलिया पाचन तंत्र को ठीक तरीके से चलाने में मदद करता है। दलिया में दो तरह के फाइबर मौजूद होते हैं, पहला घुलनशील फाइबर और दूसरा अघुलनशील फाइबर। इससे कब्ज की समस्या भी दूर होती है। अगर आप खून की कमी से जूझ रहे हैं तो दलिया बेहतरीन ऑप्शन हो सकता है। दलिया में भरपूर मात्रा में आयरन होता है, जो शरीर में एनीमिया की कमी को दूर करता है और रक्त कोशिकाओं के निर्माण में भी अहम भूमिका निभाता है। दलिया खाने में लाभकारी है, लेकिन इसका बनाने का तरीका भी खाने के फायदे को दोगुना बना सकता है। दलिया को दूध के साथ बनाएं, लेकिन इसमें चीनी का इस्तेमाल न करें, बल्कि गुड़ या शहद डालें। साथ ही, उसमें सूखे मेवे भी डाल सकते हैं। इसके अलावा, मूंग दाल वाला दलिया भी बना सकते हैं।

मूंग दाल का दलिया सबसे ज्यादा पौष्टिक होता है क्योंकि इसमें प्रोटीन और फाइबर एक साथ ही मिल जाते हैं। दोनों को नाश्ते से लेकर डिनर तक में ले सकते हैं।

सब्जियों से बना दलिया भी सेहत के लिए अच्छा रहता है। पालक, गाजर, और मटर के साथ भी दलिया बनाया जा सकता है। इससे दलिया में सारी हरी सब्जियों के गुण आ जाएंगे। इसे आप रात और दिन कभी भी खा सकते हैं। दलिया खाते समय कुछ सावधानियां भी बरतनी चाहिए। दलिया का ज्यादा सेवन भी पेट को नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे में दस्त, उल्टी और कब्ज की समस्या हो सकती है।

सर्दियों में ठंड के कारण पेट में दर्द होता है? आजमाएं ये घरेलू नुस्खे

सर्दियों के दौरान ठंड के कारण पेट में दर्द होना एक आम समस्या है। यह दर्द कई बार बहुत ज्यादा हो सकता है और रोजमर्रा के कामों में रुकावट डाल सकता है। इस लेख में हम कुछ आसान घरेलू उपायों पर चर्चा करेंगे, जो इस समस्या से राहत दिलाने में मदद कर सकते हैं। इन उपायों को अपनाकर आप अपने पेट के दर्द को कम कर सकते हैं और आराम पा सकते हैं।

अदरक का सेवन करें- अदरक एक प्राकृतिक औषधि है, जो पेट के दर्द को कम करने में मदद कर सकता है। इसमें सूजन कम करने वाले गुण होते हैं। अदरक की चाय या कच्चे अदरक का सेवन करें। इससे आपके पेट की मांसपेशियों को आराम मिलेगा और दर्द में कमी आएगी। इसके अलावा अदरक का सेवन पाचन क्रिया को भी सुधारता है, जिससे गैस और अपच जैसी समस्याओं से राहत मिलती है।

गर्म पानी की बोतल का करें उपयोग-गर्म पानी की बोतल का उपयोग करने से भी पेट के दर्द में राहत मिल सकती है। इसे दर्द वाले क्षेत्र पर कुछ मिनट तक रखें। गर्मी से खून का बहाव बेहतर होता है और मांसपेशियां ढीली होती हैं, जिससे दर्द कम होता है। यह तरीका खासकर ठंड के मौसम में बहुत फायदेमंद होता है क्योंकि ठंड से प्रभावित मांसपेशियां अक्सर कठोर हो जाती हैं। इसलिए गर्म पानी की बोतल का उपयोग जरूर करें।

पैरों की सूजन से राहत पाने के लिए आजमाएं ये 5 घरेलू नुस्खे

पैरों में सूजन एक आम समस्या है, जो अक्सर लंबे समय तक खड़े रहने, बैठने या यात्रा करने के कारण हो सकती है। यह समस्या असुविधा का कारण बन सकती है और चलने-फिरने में कठिनाई पैदा कर सकती है। इस लेख में हम आपको कुछ सरल और प्रभावी घरेलू नुस्खे बताएंगे, जिनसे आप पैरों की सूजन को कम कर सकते हैं और आरामदायक महसूस कर सकते हैं।

नमक वाले पानी में पैर डुबोएं- पैरों की सूजन कम करने के लिए नमक वाला पानी बहुत फायदेमंद होता है। इसके लिए एक बाल्टी में गुनगुना पानी भरें और उसमें थोड़ा नमक मिलाएं। अब अपने पैरों को 15-20 मिनट तक इस पानी में डुबोएं। नमक पानी को सोखने में मदद करता है, जिससे सूजन कम होती है और आराम भी मिलता है। इस प्रक्रिया को दिन में एक बार जरूर अपनाएं ताकि आपको जल्दी राहत मिल सके। ठंडे पानी से सिकाई करें- ठंडे पानी की सिकाई भी पैरों की सूजन कम करने में मददगार होती है। इसके लिए एक बाल्टी में बर्फ का टुकड़ा डालकर उसे कुछ मिनट तक अपने पैरों पर घुमाएं या फिर एक कपड़े में बर्फ लपेटकर प्रभावित जगह पर लगाएं। इससे खून का बहाव बेहतर होता है और सूजन कम होती है। यह प्रक्रिया दिन में दो बार करने से आपको जल्दी राहत मिलेगी और आराम भी महसूस होगा। सेब के सिरके का इस्तेमाल करें-सेब का सिरका प्राकृतिक रूप से सूजन कम करने में मदद करता है। इसके लिए एक बाल्टी गुनगुने पानी में दो चम्मच सेब का सिरका मिलाकर उसमें अपने पैरों को 15-20 मिनट तक डुबोएं। इससे सूजन कम होगी और आराम भी मिलेगा। इस प्रक्रिया को दिन में एक बार जरूर अपनाएं ताकि आपको जल्दी राहत मिल सके और पैरों की सूजन जल्द घट सके। अदरक का रस लगाएं- अदरक का रस भी पैरों की सूजन कम करने में मदद करता है। इसके लिए एक अदरक का टुकड़ा लेकर उसे कद्दूकस कर लें और उसका रस निकाल लें। अब इस रस को प्रभावित जगह पर लगाएं और कुछ मिनट तक छोड़ दें, फिर गुनगुने पानी से धो लें। अदरक में मौजूद सूजन कम करने वाले गुण सूजन कम करने में मदद करते हैं और पैरों को आराम भी मिलता है। हल्दी मिलाकर दूध पिएं- हल्दी मिलाकर दूध पीने से भी पैरों की सूजन कम होती है क्योंकि हल्दी में विशेष तत्व होते हैं, जो सूजन को कम करने में मदद करते हैं। इसके लिए एक कप गर्म दूध में आधा चम्मच हल्दी पाउडर मिलाकर पी लें या फिर इसे रात को सोने से पहले पिएं। यह प्रक्रिया दिन में एक बार जरूर अपनाएं ताकि आपको जल्दी राहत मिलेगी और पैरों की सूजन जल्द घट सके।

मेकअप ब्रश को साफ करने के लिए अपनाएं ये तरीके, आसान होगा काम

मेकअप ब्रश को साफ करना एक जरूरी काम है, जिसे अक्सर लोग नजरअंदाज कर देते हैं। गंदे ब्रश से त्वचा पर मुंहासे और अन्य समस्याएं हो सकती हैं। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपने मेकअप ब्रश को सही तरीके से साफ कर सकते हैं। इन तरीकों को अपनाकर आप अपने ब्रश को लंबे समय तक उपयोग कर सकते हैं और आपकी त्वचा भी स्वस्थ रहेगी।

गर्म पानी और शैंपू का करें उपयोग

मेकअप ब्रश को साफ करने का सबसे आसान तरीका है गर्म पानी और शैंपू का उपयोग करना। इसके लिए एक कटोरे में गर्म पानी लें और उसमें थोड़ा सा शैंपू मिलाएं। अब अपने मेकअप ब्रश को इस मिश्रण में डालकर हल्के हाथों से घुमाएं। इससे सभी गंदगी आसानी से निकल जाएंगी। कुछ मिनट बाद ब्रश को निकालकर ठंडे पानी से धो लें और तौलिये से सुखाकर हवा में सूखने के लिए रख दें।

जैतून के तेल का इस्तेमाल करें

जैतून का तेल न केवल आपकी त्वचा के लिए फायदेमंद होता है बल्कि यह आपके मेकअप ब्रश को साफ करने में भी मदद करता है। इसके लिए एक कटोरे में थोड़ा-सा जैतून का तेल लें और उसमें गुनगुना पानी मिलाएं। अब अपने मेकअप ब्रश को इस मिश्रण में डालकर हल्के हाथों से घुमाएं। इससे सभी गंदगी आसानी से निकल जाएंगे। इसके बाद ब्रश को ठंडे पानी से धो लें और तौलिये से सुखाकर हवा में सूखने के लिए रखें।

बर्तन धोने वाले लिक्विड का करें उपयोग

अगर आपके पास मेकअप ब्रश क्लीनर नहीं है तो आप बर्तन धोने वाले लिक्विड का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए एक कटोरे में थोड़ा-सा लिक्विड लें और उसमें गुनगुना पानी मिलाएं। अब अपने मेकअप ब्रश को इस मिश्रण में डालकर हल्के हाथों से घुमाएं। इससे सभी गंदगी और मेकअप के कण आसानी से निकल जाएंगे। इसके बाद ब्रश को ठंडे पानी से धो लें और तौलिये से सुखाकर हवा में सूखने के लिए रख दें।

हाइड्रोजन पेरोक्साइड का करें उपयोग

अगर आपके ब्रश पर बहुत ज्यादा गंदगी जमा हो गई है तो आप हाइड्रोजन पेरोक्साइड का उपयोग कर सकते हैं। इसके लिए एक कपड़े या रूमाल पर थोड़ी-सी हाइड्रोजन पेरोक्साइड लगाएं और उसे गंदे हिस्से पर रगड़ें। इससे सारी गंदगी साफ हो जाएगी। इसके बाद ब्रश को ठंडे पानी से धो लें और तौलिये से सुखाकर हवा में सूखने के लिए रख दें। इस तरीके से आपका मेकअप ब्रश फिर से नया जैसा लगेगा।

नियमित रूप से करें साफ-सफाई

मेकअप ब्रश की सफाई सिर्फ एक बार करने से काम नहीं चलेगा। आपको इसे नियमित रूप से साफ करना होगा ताकि बैक्टीरिया और गंदगी न बढ़े। हफ्ते में कम से कम एक बार अपने सभी मेकअप ब्रश को साफ करें। इन सरल तरीकों को अपनाकर आप आसानी से अपने मेकअप ब्रश को साफ रख सकते हैं और अपनी त्वचा को स्वस्थ रख सकते हैं।

बच्चों की डाइट में शामिल ये चीजें, बढ़ा सकती हैं बीमारियों का खतरा

केंडी और चॉकलेट बच्चों को बेहद पसंद होती हैं। हालांकि, इनमें शुगर की अत्यधिक मात्रा होती है, जो बच्चों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकती है। अधिक मात्रा में शुगर के सेवन से बच्चों में मोटापा, डायबिटीज और दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

पास्ता, पिज़्ज़ा और नुडल्स बच्चों के फेवरेट फूड्स में से एक हैं। लेकिन इनमें सोडियम और ट्रांस फैट अधिक मात्रा में पाया जाता है, जो बच्चों की किडनी पर बुरा असर डाल सकता है। इससे हाई ब्लड प्रेशर और हाइपरटेंशन जैसी बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है।

फ्रेंच फ्राइज और आलू चिप्स स्वाद में भले ही अच्छे लगते हों, लेकिन इनका अधिक सेवन बच्चों की इम्युनिटी को कमजोर कर सकता है। इनमें ट्रांस फैट और ज्यादा मात्रा में नमक होता है, जो बच्चों के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है। यह कई गंभीर बीमारियों को जन्म दे सकता है।बच्चों को पैक्ड फूड्स से बचाना चाहिए। इनमें जरूरी पोषक तत्व नहीं पाए जाते, और इनमें प्रिजर्वेटिव्स तथा कृत्रिम रंगों का उपयोग होता है। इनका सेवन करने से शरीर में विटामिन और मिनरल्स की कमी हो सकती है।

बच्चों के आहार में ताजे फल, सब्जियां, दालें और दूध को प्रमुखता दें। फल जैसे सेब, केला, संतरा और अनार न केवल शरीर को विटामिन्स और मिनरल्स देते हैं, बल्कि बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाते हैं। हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे पालक, मेथी और ब्रोकली बच्चों के लिए बेहद फायदेमंद होती हैं।

क्या खूसबूरती, क्या फिगर..शिमरी गोल्डन गाउन में सनी लियोन का स्टनिंग लुक, लेटेस्ट फोटोशूट से बना दिया सबको दीवाना

नशीली दवाओं की बिक्री करने वाला नाबालिक गिरफ्तार

एमसीबी/चिरमिरी। शहर में लगातार बढ़ रहें अपराधों पर अंकुश लगाती पुलिस को एक बड़ी सफलता पर चौक चौराहों में चर्चा का विषय बना हुआ है । नशे की गिरफ्त में जा रहें चिरमिरी शहर सहित पुरे एमसीबी जिले में पुलिस प्रशासन की प्रभावी कार्यवाई को देख संलिप्त लोगो की पूरी गतिविधियों पर मानो विराम सा लगा हुआ इस एक बड़ी इसी तारतम्य में एक बड़ी सफलता की जानकारी देते हुए पुलिस कप्तान एमसीबी ने जानकारी देते हुए बताया की अवैध मादक पदार्थ/ नशीला इंजेक्शन पर अंकुश लगाने व प्रभावी कार्यवाही करने की दिशा में दिनाँक 12/01/26 क्रो मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति मादक द्रव्य नशीला इंजेक्शन लेकर बिक्री करने की फिराक में खोंगापानी से मनेन्द्रगढ़ शहर की ओर आ रहा है।

उपरोक्त सूचना से तत्काल एसडीओपी श्री अलेक्सियुस टोप्पो के मार्गदर्शन मे सायबर सेल मनेंद्रगढ़ एवं सिटी कोतवाली मनेन्द्रगढ की संयुक्त टीम द्वारा मौहारपारा रेलवे ब्रिज के पास घेराबंदी कर एनडीपीएस एक्ट के प्रवधानो का पालन करते हुवे विधि से संघर्षरत नाबालिक क्रो पकड़ा और तलाशी में उसके कब्जे से 19 नग एविल

इंजेक्श न (प्रत्येक 10 एम.एल), 46 नग ब्यूप्रेनॉर्फीन इंजेक्षन (प्रत्येक में 0.5 एम.एल.) मिला।

उपरोक्त नशीला इंजेक्शन के संबंध मे कोई वैधानिक दस्तावेज प्रस्तुत नही करने पर मौके पर ड्रग इंस्पेक्टर अलोक मिंज को बुलाया गया जो जाँच कर अपने रिपोर्ट मे एनडीपीएस एक्ट की धारा 22(सी) एन.डी.पी.एस. एक्ट का उल्लंघन करना लेख किये है। उक्त कृत्य अपराध धारा का पाये जाने से विधि से संघेषरत किशोर क्रो विधिवत गिरफ्तार कर माननीय किशोर न्याययालय बोर्ड बैकुण्ठपुर में न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया। विगत 3दिवस पूर्व ही दिनांक 8/1/26 क्रो ही मनेंद्रगढ़ क्षेत्र में बड़े पैमाने पर नशीला इंजेक्शन खपाने वाले सप्लायर फरार आरोपी शुभम यादव जो हैदराबाद में छुपा था क्रो चिरमिरी व मनेंद्रगढ़ पुलिस के 02 प्रकरण में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है. इस प्रकार मनेद्रगढ़ पुलिस द्वारा लगातार अवैध मादक पदार्थ /नशीला इंजेक्शन पर लगातार कड़ी कार्यवाही की जा रही है। प्रारंभिक पूछताछ पर विधि से संघर्ष रत नाबालिक द्वारा बताया गया की शुरू में वह स्वयं नशा के लिए चोरी छिपे नशीला इंजेक्शन लेता था बाद में अपने शौक पूरा करने के लिए पैसो के लालच में खुद नशीला इंजेक्शन बिक्री करने लगा।अतः पालक अपने टीन ऐजर बच्चों पर पर नजर रखे की कही वे अवैध नशे के जाल में तो नहीं फस रहे है. यदि किसी के द्वारा नशीला इंजेक्शन /अवैध मादक पदार्थ बिक्री किया जा रहा हो तो पुलिस क्रो तुरंत सूचना देवें। एम.सी. बी. पुलिस द्वारा नशे के अवैध कारोबार पर लगातार प्रभावी कार्यवाही की जाती रहेगी। उपरोक्त सम्पूर्ण कार्यवाही में प्रभारी साइबर सेल निरीक्षक विवेक पाटले, थाना प्रभारी मनेद्रगढ़ निरी. दीपेश सैनी, प्रधान आरक्षक प्रिंस राय, नवीन तिवारी, सीओ दीप तिवारी (साइबर सेल),मो आजाद, ज्ञानू रजवाड़े शामिल रहे।

महुआ शराब तस्करी में संलिप्त आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

चिरमिरी। शहर में लगातार बढ़ रहें अपराधों पर अंकुश लगाती पुलिस को एक बड़ी सफलता पर चौक चौराहों में चर्चा का विषय बना हुआ है । नशे की गिरफ्त में जा रहें चिरमिरी शहर सहित पुरे एमसीबी जिले में पुलिस प्रशासन की प्रभावी कार्यवाई को देख संलिप्त लोगो की पूरी गतिविधियों पर मानो विराम सा लगा हुआ इस एक बड़ी इसी तारतम्य में एक बड़ी सफलता की जानकारी देते हुए थाना प्रभारी विजय सिंह ने बताया की क्षेत्र में संचालित नशे के कारोबार एवं अवैध धंधे में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त एवं प्रभावी कार्यवाही कर अंकुश लगाये जाने निर्देशित किया गया है जिसके परिपालन में नगर पुलिस अधीक्षक चिरमिरी श्रीमती दीपिका मिंज के मार्ग दर्शन पर थाना क्षेत्र में आसूचना संकलन सक्रिय कर थाना प्रभारी चिरमिरी विजय सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित किया गया है। कि दिनांक 10.01.2026 को मुखबीर सूचना पर हीराकुण्ड तिराहा बड़ी बाजार के पास घेराबंदी कर आरोपी सोन प्रकाश उर्फ सोनु पिता दुर्गा प्रसाद जाति घसिया उम्र 42 वर्ष निवासी स्कूल दफाई गेल्हापानी थाना चिरमिरी के कब्जे से प्लास्टिक पारदर्शी 16 पाउच (पन्नी) में अवैध हाथ भट्टी का बना महुआ शराब कुल 16 लीटर किमती 3200/- रूपये तथा घटना में प्रयुक्त मोटर सायकल सी.जी.16 सीएफ 7252 किमती 30000 रुपये कुल किमती 33200/- रूपये को जप्त कर आरोपी के विरुद्ध थाना चिरमिरी में धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत् अपराध पंजीचद्ध कर आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया था ।

प्रकरण में श्रीमान् पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा महुआ शराब के मुख्य सप्लायर के विरुद्ध कार्यवाही करने हेतु निर्देशित करने पर श्रीमान् नगर पुलिस अधीक्षक चिरमिरी श्रीमती दीपिका मिंज के मार्ग दर्शन पर थाना प्रभारी चिरमिरी विजय सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित किया कर अवैध महुआ शराब के मुख्य सप्लायर के संबंध में जानकारी प्राप्त कर मुखबीर सूचना पर प्रकरण के आरोपी चन्द्रभूषण उर्फ भूषण पिता दीनानाथ सिंह जाति राजपुत उम्र 48 वर्ष निवासी ग्राम गदबदी फाटपानी थाना बैकुण्ठपुर जिला कोरिया को दिनांक 12.01.2026 को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा पर भेजा गया है आरोपी के द्वारा ग्राम गदबदी फाटपानी में अत्यधिक मात्रा में अवैध महुआ शराब का निगर्ण कराकर चिरमिरी, पोड़ी एवं कोरिया जिला के क्षेत्रों में विगत 20 वर्षो महुआ शराब विक्री हेतु सप्लाई किया जा रहा था। सम्पूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी उप निरीक्षक विजय सिंह, सउनि. विपिन मिंज प्रधान आर. संतोष सिंह,विश्वनाथ सिंह, अशोक एक्का आरक्षक चन्द्रसेन, मदन राजवाड़े की सराहनीय भूमिका रही।

सपना सिन्हा और टीम ने थोड़ी मात्रा में जप्त की शराब

कोरिया बैकुंठपुर। छत्तीसगढ़ शासन की आबकारी सचिव श्रीमती आर. संगीता और कोरिया जिले की कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के निर्देश पर अवैध शराब निर्माण, बिक्री और तस्करी के विरुद्ध जिले में लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। जिला आबकारी अधिकारी रमेश कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में विभाग सख्ती से कार्यवाही कर रहा है। कंट्रोल रूम बैकुण्ठपुर में सहायक जिला आबकारी श्रीमती सपना सिंहा को मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर लगातार छापामार कार्यवाही की जा रही है। ग्राम छोटे साल्ही थाना-बैकुण्ठपुर निवासी मोहरमनिया पति मनिराम के घर की तलाशी लेने पर 10 लीटर अवैध शराब जप्त किया गया। मोदी पारा थाना-बैकुण्ठपुर शिवराज सिंह आ0 जगदेव के घर बाडी की छापा कर 08 लीटर हाथभट्टी अवैध शराब जप्त किया गया। ग्राम बसेर थाना चरचा मनी सिंह आ0 जगरनाथ के घर से 9.8 लीटर शराब जप्त किया गया। ग्राम बसेर में ही जानकी पति धौकल सिंह के घर से 8 लीटर जरकिन और बोतलो में भरी अवैध शराब जप्त किया गया। चार आरोपियो के विरूध ड.ग आबकारी अधिनियम की धारा 34(1) क 34(2), एवं 59क के तहत प्रकरण कायम कर जिला न्यायालय बैकुण्ठपुर में न्यायिक रिमाण्ड हेतु प्रस्तुत किया गया, माननीय न्यायाधीश द्वारा आरोपी को 14 दिनों के लिये जेल भेजने का आदेश दिया गया। कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी, मुख्य आरक्षक, आरक्षक तथा नगर सैनिक का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उल्लेखनीय है कि राज्य में संचालित शराब दुकानों के ब्राण्ड, स्टॉक और विक्रय दर की जानकारी अब मोबाइल पर प्लेस्टोर से उपलब्ध श्मनपसंदश् ऐप के माध्यम से आसानी से देखी जा सकती है। अवैध शराब या दुकान संबंधी किसी भी शिकायत के लिए टोल-फ्री नंबर 14405 तथा व्हाट्सएप नंबर 9424102102 जारी है।

32 हितग्राहियों मोर जमीन मोर मकान के तहत मिला लाभ

रायपुर। भारत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जनहितैषी मंशा के अनुरूप संचालित केन्द्र सरकार की अभिनव लोक कल्याणकारी योजना प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत मोर जमीन मोर मकान घटक का क्रियान्वयन रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र में नगर निगम के माध्यम से छत्तीसगढ़ राज्य के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और उप मुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग अरुण साव के मार्गदर्शन और निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे और आयुक्त विश्वदीप के मार्गनिर्देशन में तेज गति से निरन्तर प्रगति पर है।

शिवचरण साहू के भाजपा किसान मोर्चा अध्यक्ष बनने पर कार्यकर्ताओं में हर्ष

कोरिया बैकुंठपुर। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष आलोक सिंह ठाकुर द्वारा नवीन कार्यकारिणी घोषणा किया गया। जिसमें भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी के अनुशंसा से कोरिया जिले किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष शिवचरण साहू को नियुक्त किया गया है। नियुक्ति के उपरांत जिले भर के कार्यकर्ताओं व समर्थक काफी उत्साहित है। साहू छात्र जीवन से ही वे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् में जुड़कर छात्रों के हित में आवाज उठातें रहें। इसके बाद ग्राम पंचायत सभोका के वार्ड क्र.-12 से लगातार दो पंचवर्षी निर्विरोध चंन बने। पूर्व में किसान मोर्चा जिला महामंत्री के पद की जिम्मेदारी निर्वहन कर चुके है,जिससे संगठन को लाभ मिला। साहू के भाजपा किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष बनने से निश्चित ही पार्टी को एक नई गति और मजबूती मिलेगी।

कुड़ेली जनसभा में बरसी कांग्रेस: मनरेगा की आत्मा खत्म कर मजदूरों का हक मार रही मोदी सरकार

कोरिया बैकुंठपुर। मनरेगा बचाओ संग्राम' के तहत कुड़ेली साप्ताहिक बाजार में आमसभा का आयोजन किया गया। 12 जनवरी से 29 जनवरी तक चलने वाले इस सघन जनसंपर्क अभियान के दौरान कांग्रेस नेता जमीनी स्तर पर उतरकर जनता को केंद्र की भाजपा सरकार की 'श्रमिक विरोधी' नीतियों से अवगत करा रहे हैं।

सभा को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता ने कहा कि मोदी सरकार ने 'ङ्क्ष त ऋ्रू त' के जरिए दुनिया की सबसे बड़ी रोजगार गारंटी योजना की मूल आत्मा को ही खत्म कर दिया है। मनरेगा अब 'अधिकार' नहीं बल्कि सरकार की 'मर्जी' पर निर्भर एक प्रशासनिक मदद बनकर रह गई है। इस नए ढांचे ने मनरेगा को एक 'कंडीशनल' (शर्तों वाली) और केंद्र द्वारा पूरी तरह नियंत्रित योजना में तब्दील कर दिया है। पहले सरकारी आदेश से कभी काम नहीं रोका जा सकता था, लेकिन अब नया सिस्टम साल के किसी भी समय जबरन काम बंद करने की इजाजत देता है। यह पूरी तरह से केंद्र की मर्जी पर निर्भर हो गया है कि वह गरीब को कब रोजगार देगी और कब उसे भूखा रहने के लिए छोड़ देगी। यह बदलाव ग्रामीण भारत के 12 करोड़ मजदूरों के आत्मसम्मान और उनकी आर्थिक सुरक्षा पर सबसे बड़ी चोट है।' पूर्व विधायक गुलाब कमरों ने कहा राज्यों पर बोझ और आंकड़ों का खेल केंद्र सरकार अब 90% के बजाय केवल 60% खर्च देगी, जबकि राज्यों पर 40% का भारी वित्तीय बोझ डाल दिया गया है। इससे फंड की कमी होगी और धीरे-धीरे योजना बंद हो जाएगी। छत्तीसगढ़ का हवाला देते हुए कहा गया कि भाजपा सरकार आने के बाद 70% गांवों में अघोषित रूप से काम बंद है। पिछले 11 वर्षों में औसत रोजगार मात्र 38 दिन रहा है, जो 100 दिन की गारंटी के दावे पर तमाचा है। साजिश के खिलाफ संघर्ष जारी रहेगा 125 दिन मजदूरी की बात भाजपा सरकार की केवल एक चुनावी चालाकी है। केंद्र सरकार ग्राम स्वराज और अनुच्छेद 21 के तहत मिलने वाले 'काम के अधिकार' को छीनकर 12 करोड़ मजदूरों को भूखा मारना चाहती है। कांग्रेस इस छल के खिलाफ 29 जनवरी तक लगातार जनता के बीच रहकर भाजपा की पोल खोलेगी। जिला अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, पूर्व विधायक गुलाब कमरों, पीसीसी सदस्य योगेश शुक्ला, प्रदेश संयुक्त महामंत्री वेदांती तिवारी, कोषाध्यक्ष अशोक जायसवाल महामंत्री बृजवासी तिवारी, जनपद अध्यक्ष उदय सिंह, बिहारी राजवाड़े, शैलेन्द्र सिंह, गणेश राजवाड़े, भूपेंद्र यादव, कमलकांत साहू, मकबूल खान, अविनाश एवं अनेकों कांग्रेसजन मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत चल रहे जागरूकता आमसभा एवं धरना प्रदर्शन में उपस्थित रहे।

जिला शिक्षा अधिकारी ने किया शासकीय कन्या आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय बैकुंठपुर का निरीक्षण

कोरिया बैकुंठपुर। 12 जनवरी को जिला शिक्षा अधिकारी कोरिया विनोद राय एवं सहायक संचालक शिक्षा सरगुजा संभाग जितेन्द्र गुप्ता द्वारा शासकीय आदर्श कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बैकुंठपुर का निरीक्षण किया गया। आज से प्रारंभ हुई प्री बोर्ड परीक्षा का अवलोकन किया गया। निरीक्षण के अवसर पर कक्षा दसवीं व 12वीं की छात्राओं से विशेष रूप से संवाद किया गया ,इनके द्वारा आगामी बोर्ड परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए छात्राओं को आवश्यक निर्देश दिए गए एवं उपयोगी सुझाव प्रदान किए गए ,उन्होंने समयबद्ध अध्ययन, पाठ्यक्रम की नियमित पुनरावृत्ति ,उत्तर लेखन अभ्यास, परीक्षा के दौरान समय प्रबंधन तथा आत्मविश्वास बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। जिला शिक्षा अधिकारी ने छात्राओं को नियमित उपस्थिति शिक्षकों के मार्गदर्शन में अध्ययन करने एवं स्वस्थ दिनचर्या अपनाने की सलाह दी ।उन्होंने विद्यालय के शिक्षकों को भी निर्देशित किया कि बोर्ड परीक्षा तैयारी को और सुदृढ़ करने हेतु अतिरिक्त कक्षाएं ,अभ्यास प्रश्न पत्र एवं शंका समाधान सत्र आयोजित किया जाए। जिला शिक्षा अधिकारी ने छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें पूरी लगन से व मेहनत से परीक्षा की तैयारी हेतु प्रेरित किया। निरीक्षण के दौरान संस्था के प्राचार्य ए. एल. गुप्ता, बृजराज गिरी एवं जय बाजपेई भी उपस्थित थे।

जिला स्तरीय राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन

कोरिया। छत्तीसगढ शासन द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के तहत संचालक, खेल एंव युवा कल्याण विभाग रायपुर निर्देशन से जिला स्तरीय राष्ट्रीय युवा दिवस 2026 का अयोजन शासकीय कन्या उचचर माध्यमिक विद्यालय बैकुंठपुर मे किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी कोरिया विनोद कुमार राय, जिला खेल अधिकारी जितेन्द्र कुमार गुप्ता, संस्था के प्रचार्य अमृतलाल गुप्ता, जय नाथ वाजपई जिला प्रोग्रामर एंव साहिस्ता अंजुम अली वरिष्ठ व्यख्याता के उपस्थित रहे। जिसमे जिला शिक्षा अधिकारी विनोद कुमार राय के द्वारा स्वामी विवेकानन्द के जीवन चरित्र की जानकारी देते हुंए कहा कि स्वामी विवेकानन्द द्वारा शिकागो के विश्व धर्म महासभा में दिए गए उस ऐतिहासिक भाषण की चर्चा की जिसने पूरी दुनिया में भारत और हिन्दुत्व की पहचान बदल दी थी और अमेरिका के भाई और बहनों जैसे सरल शब्दों से स्वामी विवेकानंद ने वैश्विक भाईचारा का संदेश दिया था। इस कार्यक्रम में 15 से 29 आयु वर्ग मे लगभग 100 प्रतिभागियों ने बढ चढ कर भाषण, काव्य पाठ एंव रंगोली प्रतियोगिता में भाग लिया इस प्रतियोगिता के अंत मे रजनीश गुप्ता पार्षद एंव अन्य अतिथीयों के द्वारा, शामिल सभी विधाओं के प्रतिभागियों को प्रथम एंव द्वितीय पुरूस्कार का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में श्ा0 कन्या उ0 मा0 वि0 बैकुण्ठपुर संस्था के राष्ट्रीय सेवा योजन के स्वंय सेवकों का भी सहयोग एंव सहबाग रहा।

डबरी निर्माण से बदली जिंदगी, बने आत्मनिर्भर किसान

एमसीबी। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के खड़गवां विकासखंड के ग्राम पंचायत कदरेवा में डबरी निर्माण कार्य ने ग्रामीण जीवन की दिशा और दशा दोनों बदल दी है। इसी गांव के किसान कमोद सिंह पिता देव सिंह ने डबरी निर्माण कर मछली पालन, गेहूं उत्पादन और सब्जी उत्पादन के माध्यम से अपनी दमदार पहचान बना ली है। पहले वर्षा पर निर्भर रहने वाली खेती आज लगातार सिंचाई सुविधा मिलने से लाभकारी व्यवसाय में बदल गई है और यह परिवर्तन मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित ग्रामीण विकास और किसान कल्याण नीतियों का परिणाम है।डबरी से सिंचाई और मछली पालन कर बढ़ाई अपनी आयडबरी निर्माण के बाद कमोद सिंह ने सबसे पहले मछली पालन की शुरुआत की। डबरी में संरक्षित जल का उपयोग कर उन्होंने मछली पालन को एक मजबूत आय के स्रोत में बदला। इसके साथ ही गेहूं उत्पादन में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई। पहले जहां सीमित सिंचाई के कारण उपज प्रभावित होती थी, वहीं अब पर्याप्त पानी उपलब्ध होने से अधिक उत्पादकता संभव हो रही है। सब्जी उत्पादन ने उनकी आमदनी में और इजाफ़ा कर दिया। अब उनके खेतों में हरी सब्जियों की लहलहाती फसलें न केवल परिवार की जरूरतें पूरी कर रही हैं बल्कि बाजार तक पहुंचकर आर्थिक मजबूती भी दे रही हैं।मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की नीतियों से मिली नई दिशाइस सफलता के पीछे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की किसानों के प्रति संवेदनशील सोच और जमीनी कार्य योजनाओं की अहम भूमिका रही है। राज्य सरकार द्वारा डबरी निर्माण, सिंचाई विस्तार, मत्स्य पालन प्रोत्साहन, इनपुट सब्सिडी और तकनीकी मार्गदर्शन जैसी योजनाओं ने ग्रामीण किसानों को आत्मनिर्भर बनने के अवसर प्रदान किए हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने, किसानों की आय दोगुनी करने और युवाओं को कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों की ओर प्रेरित करने का व्यापक अभियान चल रहा है, जिसका जीवंत उदाहरण ग्राम पंचायत कदरेवा के कमोद सिंह हैं। आत्मनिर्भर किसान बने प्रेरणास्रोतआज कमोद सिंह न केवल आर्थिक रूप से सशक्त हुए हैं, बल्कि अन्य किसानों के लिए प्रेरणा स्रोत भी बन गए हैं। उनके प्रयासों से यह संदेश स्पष्ट हुआ है कि यदि शासन की योजनाओं का सही उपयोग किया जाए तो ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाना बिल्कुल संभव है। डबरी निर्माण, मछली पालन, गेहूं उत्पादन और सब्जी उत्पादन का यह समन्वित मॉडल आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

जिले के 32 विद्यालयों के 317 विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर दिखाया अपना सामान्य ज्ञान

कोरिया बैकुंठपुर। 11 जनवरी 2026 को स्वामी आत्मानंद उच्चतर विद्यालय, पटना के परिसर में दृष्टि स्टूडेंट पॉइंट एवं केशरीनंदन परिवार के संयुक्त तत्वावधान में कक्षा चौथी से आठवीं तक के विद्यार्थियों के लिए एक भव्य सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में पटना एवं आसपास के क्षेत्रों के 32 विद्यालयों से आए 317 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और अपनी बौद्धिक क्षमता, सामान्य ज्ञान, तर्कशक्ति एवं आत्मविश्वास का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में अध्ययन के प्रति रुचि बढ़ाना, प्रतिस्पर्धात्मक भावना का विकास करना तथा उन्हें भविष्य की विभिन्न शैक्षणिक चुनौतियों के लिए तैयार करना रहा। प्रतियोगिता के दौरान बच्चों में गजब का उत्साह देखने को मिला। प्रश्नों के उत्तर देते समय बच्चों का आत्मविश्वास, सजगता और ज्ञान का स्तर सराहनीय रहा, जिसे उपस्थित अतिथियों एवं शिक्षकों ने भी खुले मन से सराहा। प्रतियोगिता के परिणामस्वरूप प्रथम 109 प्रतिभागियों को एक विशेष शैक्षणिक भ्रमण पर ले जाने की घोषणा की गई, जिससे बच्चों को पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव और नई सीख प्राप्त होगी। इसके साथ ही प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले

प्रथम 10 विद्यार्थियों को दृष्टि स्टूडेंट पॉइंट की ओर से निःशुल्क नवोदय विद्यालय एवं प्रयास जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराए जाने की घोषणा की गई, जिसे उपस्थित अभिभावकों और विद्यार्थियों ने अत्यंत प्रेरणादायक बताया। कार्यक्रम में कई गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। प्रमुख रूप से प्राधिकृत अधिकारी सहकारी सेवा समिति पटना रविशंकर शर्मा, जवाहर लाल गुप्ता, विनोद शर्मा, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती सौभाग्यवती सिंह, नगर पंचायत पटना अध्यक्ष श्रीमती गायत्री सिंह, श्रीमती चांदनी सोनी, जीतराय सिंह, सुनील सिंह, सुजीत सोनी, प्रताप सिंह, महेश साहू, अनिल गुप्ता, श्रीमती वर्षा साहू, अजित राजवाड़े, मुकेश गुप्ता, राजकुमार केवट, श्रीमती रेहाना सुल्ताना, अपूर्वा द्विवेदी, संतोष यादव, प्रदीप द्विवेदी, रमेश यादव एवं नरेश गुप्ता उपस्थित रहे। इसके अलावा केशरीनंदन परिवार के संयोजक योगेंद्र मिश्रा, दृष्टि स्टूडेंट पॉइंट की डायरेक्टर नलिनी गुप्ता, विद्यालय के शिक्षकगण एवं केशरीनंदन परिवार से रामप्रकाश तिवारी, राजकुमार यादव, अभिषेक द्विवेदी, भोला चक्रधारी, रानू वर्मा, जितेंद्र साहू, शिवकुमार यादव और संदीप चक्रधारी की भी उल्लेखनीय उपस्थिति रही। सभी अतिथियों ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया और इस आयोजन को शिक्षा के क्षेत्र में एक सराहनीय एवं प्रेरणादायी पहल बताया। आयोजकों ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ बच्चों के ज्ञानवर्धन, आत्मविश्वास प्रतिस्पर्धा एवं सामाजिक जुड़ाव को बढ़ावा देती हैं। भविष्य में भी इस तरह के शैक्षणिक आयोजनों को निरंतर आयोजित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।

अवैध संग्रहित 120 बोरी चावल पर की गई जप्ती की कार्यवाही

सूरजपुर। सूरजपुर नगर के नया बाजार गली स्थित एक गोदाम से बड़ी मात्रा में बिना दस्तावेज चावल बरामद किया गया है। राम अनुग्रह उपाध्याय के गोदाम पर की गई आकस्मिक जांच में अनियमितताएं सामने आई हैं।सूचना मिलने पर सूरजपुर एसडीएम शिवानी जायसवाल के निर्देश पर राजस्व अमले द्वारा सोमवार को निरीक्षण के दौरान गोदाम परिसर में खड़े ट्रक में 80 बोरी चावल पाया गया व इसके अलावा गोदाम के अंदर से भी 40 बोरी चावल बरामद हुआ, जिसके कोई वैध दस्तावेज नहीं थे।जांच टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए ट्रक में लोड 80 बोरी चावल को संबंधित थाने के सुपुर्द किया वहीं गोदाम में मिले 40 बोरे चावल को जब्त कर आवश्यक कार्यवाही उपरांत संबंधित दुकानदार को सुपुर्द किया। प्रकरण को लेकर आगे नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। इस कार्यवाही मे तहसीलदार सूर्यकांत साय व इजराइल अंसारी व अन्य संबंधित उपस्थिति थे।

सिंचाई सुविधा से रबी फसल और मछली पालन से दोहरा लाभ ले रहे वनवासी गुरचरन सिंह

कोरिया बैकुंठपुर। किसान की मेहनत का सही लाभ उसे तभी मिल पाता है जब उसके खेतों की हरियाली को बचाए रखने के लिए समय पर सिंचाई का लाभ मिले। ऐसे ही एक असिंचित कृषक गुरचरन के पास पहले खेती तो थी परंतु सिंचाई का साधन ना होने से कोई लाभ नहीं था बल्कि उनकी मेहनत हमेशा बेकार चली जाती थी। ऐसे में वह ना चाहकर भी दूसरे के खेतों में मजदूरी करने पर मजबूर होते थे। उनके जीवन में मनरेगा योजना से बनी एक डबरी ने सब कुछ बदल दिया है। अब वह दोफसलों की खेती कर मुनाफा कमा रहे हैं और डबरी में भरपूर पानी रहने से मछली पालन उनके लिए एक अतिरिक्त आय का साधन बन गया है।

बैकुण्ठपुर जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत चिल्का में अधिकतर परिवार अनुसूचित जनजाति वर्ग से आते हैं। ऐसे ही परिवार के मुखिया गुरचरन सिंह के पास लगभग पांच एकड़ कृषि भूमि है जो उन्हे पारिवारिक बंटवारे में मिली है। पहले सिंचाई की सुविधा ना होने से गुरचरन सिंह बारिश आधारित धान की खेती पर निर्भर रहते थे। ऐसे में उनकी फसल अक्सर खराब होती थी। पानी की कमी के कारण रबी की फसल की कोई गुंजाइश ही नहीं थी। ऐसे में उन्हे अकुशल रोजगार के लिए आश्रित होकर मजबूरन दूसरे के खेतों में काम करने के लिए जाना पड़ता था। ग्राम पंचायत में बीते बरस ग्राम पंचायत की कार्ययोजना बनते समय उन्होने अपने खेतों में डबरी बनाए जाने का आवेदन प्रस्तुत किया। ग्राम सभा की अनुशंसा के बाद उनके निजी खेतों में लगभग दो लाख रूपए से एक डबरी बनाए जाने की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई। इस कार्य के लिए ग्राम पंचायत चिल्का को ही निर्माण एजेंसी नियुक्त किया गया। तकनीकी देखरेख में समय पर पूर्ण हुए इस डबरी में अच्छा जलभराव होता है। इससे किसान गुरचरन के खेतों में भरपूर सिंचाई की सुविधा हो गई है। आदिवासी किसान गुरचरन कहते हैं कि अब रोजगार की कोई चिंता नहीं है। धान की फसल पानी की कमी से खराब नहीं होती है और गेंहू की उपज भी होने लगी है। घर की बाड़ी में आलू टमाटर मिर्च प्याज और गोभी की सब्जी की खेती लहलहा रही है। अब हर सप्ताह सब्जी बेचने से हर महीने घर के खर्च की रकम आसानी से मिल जाती है। उन्होने बताया कि इस साल डबरी में मछली के बीज भी डाले हैं और उससे उनकी अतिरिक्त आय का साधन तैयार हो गया है।

संजय नगर अंडरपास का वर्कऑर्डर इसी सप्ताह, एजेंसी शुरू करेगी काम

31 करोड़ खर्च किए जाने हैं इस प्रोजेक्ट पर

कोरबा। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत कोरबा के संजय नगर रेलवे क्रासिंग के कारण ट्रैफिक जाम की समस्या से लोगों को उबारने अंडरपास का सपना पूरा होता नजर आ रहा है। लंबी प्रतीक्षा के बाद टेंडर की प्रक्रिया पूरी कर ली गई। दुर्ग की कंस्ट्रक्शन कंपनी को सेतु निगम ने यह काम सौंपा है। वर्कऑर्डर इसी सप्ताह होने के साथ एजेंसी अपना काम शुरू करेगी।

दो वर्ष पहले सरकार ने रूचि लेते हुए कोरबा में संजय नगर अंडरपास निर्माण को अनुमति दी। प्रशासन ने जिला खनिज न्यास से कुल लागत से आधी राशि देना तय किया जबकि इतनी ही राशि रेलवे वहन कर रहा है। नहर पुल से स्टेशन को जाने वाले रास्ते पर अंडरपास का निर्माण होना है। दिन भर में 20 से अधिक बार यात्री और मालगाड़ियों की आवाजाही के कारण रेलवे क्रासिंग बंद होती है जिससे संजय नगर से लेकर पीएच रोड में जाम की समस्या बनती है और लोग हलाकान होते हैं। अंडरपास के निर्माण में इसी को ध्यान में रखा

गया है।

छत्तीसगढ़ सेतु निगम के कोरबा स्थित एसडीओ मदन मोहन ओधार ने बताया कि टेंडर की प्रक्रिया पिछले वर्ष पूरी हो चुकी है। यह सही बात है कि इसमें लंबा समय लगा, इसलिए काम भी विलंबित हुआ। अब वर्कऑर्डर की बारी है। अधिकांश कागजी कार्यवाही हो चुकी हैं इसलिए संभावना है कि इसी सप्ताह वर्कऑर्डर जारी हो जाएगा और इसके बाद प्राथमिक रूप से कामकाज शुरू करने में एजेंसी अपनी भूमिका निभाएगी। उन्होंने बताया कि अंडरपास के लिए अर्जित क्षेत्र के आसपास कुछ मामलों में विवाद की स्थिति है। इस बारे में राजस्व बेहतर रूप से बता सकता है।

91 मामलों में दिया गया मुआवजा

संजय नगर अंडरपास के दायरे में शामिल 91 परिसंपत्तियों को हटाने का काम पिछले वर्ष प्रशासन और नगर निगम के द्वारा किया गया। संबंधित लोग सरकारी जमीन पर लंबे समय से काबिज थे। उनके मकान और दुकान यहां पर मौजूद थे जिन्हें बेदखल करने की कार्यवाही की गई। ऐसे अधिकांश मामलों में लगभग 3 करोड़ रुपए की राशि मुआवजा के तौर पर बांटी गई है। इक्का-दुक्का प्रकरणों में प्रभावितों ने नुकसान ज्यादा होने और सामाजिक सुरक्षा का हवाला देते हुए हाईकोर्ट में याचिका लगाई है। इसलिए ऐसी परिसंपत्तियां अभी भी आंशिक रूप से क्षेत्र में बची हुई है।

लोगों ने कहा-समस्या से मिलेगी मुक्ति

स्थानीय लोग मानते हैं कि संजय नगर क्षेत्र में रेलवे क्रासिंग की वजह से बार-बार हो रही समस्या का समाधान करने के लिए अंडरपास अपरिहार्य था और इसे बहुत पहले बन जाना चाहिए था। इसके पीछे राजनीतिक और प्रशासनिक इच्छाशक्ति की कमी रही है, यह कहना गलत नहीं होगा। देर सबेर जब इस तरफ योजना बनी और कदम आगे बढ़ी तो नई अड़चने पैदा हो गई। इन सबके बावजूद जितनी जल्द अंडरपास का निर्माण होता है लोगों को रोज-रोज की समस्याओं से छुटकारा मिलेगा।

पाइप लाइन शिफ्टिंग का काम भी अधूरा

याद रहे कोरबा के लिए अंडरपास बड़ा काम माना जा रहा है इससे रेलवे की चुनौतियां भी कम होंगी। खास बात यह है कि रेलवे क्रासिंग नहर पुल के नीचे पाइप लाइन की शिफ्टिंग का काम अभी भी बचा हुआ है। जबकि दूसरे हिस्से में पाइप लाइन को नगर निगम शिफ्ट कर चुका है। बताया गया कि रेलवे के स्थानीय प्रशासन से इस बारे में अनुमति मिलना बाकी है। मामला उसके संज्ञान में है और कई बार रिमांडर दिए जा चुके हैं।

नेशनल हाईवे 130 पर रोड स्टड्स खराब, कब होगा सुधार

कोरबा। रात्रि कालीन आवाजाही को सुरक्षित करने के उद्देश्य से नेशनल हाईवे पर लगाए गए रिफ्लेक्टर सिया रोड स्टड्स की स्थिति कुछ स्थानों पर बेहतर नहीं है। इस वजह से न्यूनतम विजिबिलिटी की स्थिति में चालकों को समस्या हो रही है। उधर जानकारों का कहना है कि ऐसा होने पर दुर्घटना का अंदेशा भी रहता है।

कोरबा जिले को उत्तर प्रदेश और झारखंड से जोड़ने वाले नेशनल हाईवे संख्या 130 में पौड़ी उपरौड़ा, कोंनकोना और गुरसिया में रोड सेफ्टी के इरादे से नेशनल हाईवे ने पर्याप्त संख्या में किनारे के हिस्से पर रोड स्टड्स लगाए हैं। वर्तमान स्थिति में रात्रि में इनमें से कुछ ही अपनी उपयोगिता को साबित कर रहे हैं जबकि बड़ी संख्या बंद पड़ी हुई है। कारण तकनीकी हो या मैन्युअल यह बड़ा मुद्दा नहीं लेकिन उपयोगिता साबित नहीं होना उद्देश्य में आड़े आ रहा है। क्षेत्र के लोगों ने अपनी जानकारी के हिसाब से स्थानीय प्रशासन को अवगत कराया है क्योंकि नेशनल हाईवे के अधिकारी उनकी पहुंच से दूर हैं। परियोजना कार्यालय तक इस बात को पहुंचाने का काम जारी है। लोग चाहते हैं कि नेशनल हाईवे पर दिन के साथ-साथ रात्रि में ट्रैफिक का दबाव ज्यादा होता है और ऐसे में सुरक्षा से संबंधित सभी पैरामीटर सही स्थिति में होने चाहिए ताकि शून्य दुर्घटना लक्ष्य को हासिल किया जा सके।

पहरिया में हवन कल

कोरबा। सिद्धाश्रम साधक परिवार द्वारा मकर संक्रांति के अवसर पर कल पहरिया में गुरू पूजन व हवन कार्यक्रम आयोजित किया गया है। यह पूजन कमल तिवारी द्वारा कराया जाएगा। इसकी जानकारी देते हुए घनश्याम बरेठ ने बताया कि कल मकरसंक्रांति के अवसर पर साधक अपने-अपने घरों में साधना करते हैं। साधकों में मकर संक्रांति पर्व को लेकर काफी उत्साह है।

हाई स्कूल में साइकिल वितरण

कोरबा। छुरी नगर स्थित हाईस्कूल में कल सरस्वती योजना के तहत छात्राओं को साइकिल वितरित किया गया। कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष पदमिनी देवांगन, उपाध्यक्ष हीरानंद पंजवानी, विधायक प्रतिनिधि प्रीतम देवांगन,रमेश श्रीवास, टीकैत डोंगरे सहित अन्य सदस्य मौजूद थे। छात्रों ने साइकिल मिलने पर हर्ष व्यक्त किया है।

कार्यशाला में शामिल हुए राठौर

कोरबा। भाजपा के चुलेश्वर राठौर को जी राम जी मनरेगा योजना का जिलासंयोजक बनाया गया है और वे रायपुर में आयोजित जी राम जी के कार्यशाला में शामिल हुए। इसके बाद वे अब जिला स्तरीय कार्यशाला में शामिल होंगे। उसके बाद विधानसभा स्तरीय कार्यशाला होगा। ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार दिए जाने को लेकर जी राम जी योजना के तहत जन जागरण अभियान चलाया जाएगा। इसकी तैयारी शुरू हो गई है।

मरीजों को भोजन सेवा का काम खास व्यक्ति को देने डाली विशेष शर्तें

मेडिकल कॉलेज में एक्सटेंशन के बाद टेंडर

कोरबा। कोरबा के सरकारी मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में मरीज को भोजन दिए जाने वाले कामकाज को लेकर करोड़ों का टेंडर विवादों में आ गया है। खबर के अनुसार 8 जनवरी को प्राइवेट मीटिंग कर ली गई और 12 जनवरी को शाम 5:29 बजे बैठक होने की सूचना कुछ देर पहले ही जारी की गई।

जेम पोर्टल में मेडिकल कॉलेज डाइट सर्विस के नाम से जेम पोर्टल में एक टेंडर संख्या 2025

फाइल फोटो

बी 7048823 अपलोड किया गया है। जानकारी के मुताबिक अपने मनपसंद ठेकेदार को इस काम को देने की योजना बनाई गई है। इस काम पर लगभग 2 करोड रुपए खर्च किए जाने हैं। पिछले 2 साल से यह काम एक्सटेंशन पर चल रहा था और अब इसके लिए टेंडर की प्रक्रिया की जा रही है।

सूत्रों ने दावा किया कि मेडिकल कॉलेज के एक चर्चित नोडल ऑफिसर ने ठेकेदार को लाभ पहुंचाने के लिए ही इसमें मनमाने तरीके से नियम शर्तें जोड़ दी हैं ताकि कोई और प्रतिस्पर्धी का हिस्सा न बन सके। मनपसंद कांटेक्ट एजेंसी को काम देने और अपने हित साधने के लिए इस तरह की कोशिश किए जाने की खबर मिली है। सूत्रों का कहना है कि ऑनलाइन में 12 जून की स्थिति में मीटिंग होने की सूचना दी गई है और मीटिंग के समय ही इसे जारी किया गया है ऐसे में चाह कर भी इच्छुक परिया हिस्सा नहीं ले सकति। सूत्रों ने बताया कि इससे पहले मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में क्लीनिंग और सुरक्षा का ठेका 2 साल से एक्सटेंशन पर चल रहा था। इसमें भी जमकर भ्रष्टाचार की खबरें लगातार आती रही।

हिन्दू सम्मेलन कराने की तैयारी

कोरबा। धर्मसेना के प्रांतिय बैठक में प्रबल प्रताप जुदेव, सुरेंद्र बहादुर सिंह, अंजू गभेल को संरक्षक बनाने के बाद अब हिन्दू सम्मेलन कराने की तैयारी की जा रही है। चांपा में आने वाले दिनों में हिन्दू सम्मेलन आयोजित होगा। जिलाध्यक्ष साकेत शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि कोरबा में भी हिन्दू सम्मेलन को लेकर बैठक की जाएगी। सभी कार्यकर्ताओं को बुलाकर विचार लिया जाएगा। जबकि अन्य इकाई क्षेत्रों में धर्मसेना द्वारा काम किये जा रहे है। उनकी समीक्षा भी की जाएगी। प्रकाश शर्मा, विशेष शर्मा, मोहित बधवानी अपने-अपने क्षेत्र में सक्रिय है।

ब्राम्हण समाज की बैठक

कोरबा। ग्राम देवपहरी में ब्राम्हण द्विज परिवार एसईसीएल इकाई की बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगे की रणनीति पर विचार विमर्श किया गया। बैठक में संरक्षक मनोरमा शर्मा, आरपी तिवारी, अध्यक्ष राजेश पांडेय द्वारा कई सुझाव दिए गए।

होमगार्ड के डीसी पर एक्शन नहीं, फिर लामबंद हुए कर्मी

कोरबा। छत्तीसगढ़ होमगार्ड के स्थानीय डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट के खिलाफ गंभीर शिकायतों के मामले में प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। नाराज होमगार्ड जवान इस मामले को लेकर एक बार फिर लामबंद हो गए। प्रदर्शन की सूचना मिलने पर सिविल लाइन पुलिस, थाना प्रभारी सहित काफी संख्या में पुलिस बल यहां पहुंचा। स्थिति पर नजर बनाई गई है।

होमगार्ड की महिला कर्मियों ने डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट पर गंभीर आरोप लगाए हैं। अवकाश लेने और स्वास्थ्यगत मामलों के बारे में बात करने पर उनके साथ अधिकारी अभद्रता करता रहा। वहीं पुलिस कर्मियों से बर्तन और कपड़े धुलवाने जैसे काम करवाने के आरोप लगे। पिछले महीने इस मामले को लेकर होमगार्ड जवानों ने कामकाज ठप कर दिया और डीसी को हटाने की मांग की। गंभीर शिकायतों की खबर मुख्यालय को लगी तो वह भी हरकत में आया। संभागीय सेनानी ने इस दौरान कोरबा का दौरा कर अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में चौपाल लगाई और अनुशासन का पाठ पढ़ाया। उस दौरान भी जवानों ने अपने पुराने आरोपों को दोहराया। उनकी मांग है कि केवल निलंबन से काम नहीं चलेगा बल्कि उक्त अधिकारी की छुट्टी कोरबा से की जाए। उनकी यह मांग पूरी नहीं हुई है। इसलिए एक बार फिर उन्होंने मोर्चाबंदी शुरू की। होमगार्ड लाइन में उनके इरादे की खबर होने पर पुलिस अधिकारी हरकत में आए। बताया गया कि उन्हें मनाने की कोशिश की जा रही है। यहां बताना उचित होगा कि पिछले प्रदर्शन के दौरान अपर कलेक्टर देवेंद्र पटेल और एसडीएम ने मौके पर पहुंच जवानों से बातचीत की और उपर रिपोर्ट भेजने को कहा था।

एआईजी ट्रैफिक ने छात्रों को दिया ज्ञान

कोरबा। प्रदेश के एआईजी ट्रैफिक संजय शर्मा ने आईटीआई और एकलव्य विद्यालय पोड़ी उपरोड़ा में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन सड़क सुरक्षा नियमों के मामले में किया। उन्होंने इसकी उपयोगिता बताई और छात्रों को नियम पालन करने के लिए प्रेरित किया।

200 से अधिक विद्यार्थी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत किया गया। एआईजी ट्रैफिक ने सैद्धांतिक और व्यवहारिक पहलुओं की चर्चा की और नई जानकारी उपलब्ध कराई। उन्होंने साइबर अपराध, नशामुक्ति और महिला सुरक्षा की दिशा में पुलिस की ओर से की जा

रही कोशिश पर भी रोशनी डाली। उन्होंने कहा कि नागरिकों को इस प्रकार के अभियानों में पुलिस का सहयोग हमेशा करना चाहिए। इस अवसर पर कटघोरा टीआई धर्मनारायण तिवारी सहित कोरबा ट्रैफिक से एएसआई ईश्वरी लहरे, रामनारायण राज़े, संतोष सिंह, जय यादव, राकेश दुबे भी उपस्थित थे।

राजिम मेला में शामिल होने जा रही रैली का स्वागत

कोरबा। साहू समाज द्वारा राजीम महोत्सव में 300 कार्यकर्ता शामिल हुए। राजीम जाने के लिए बस व अन्य वाहनों में राजीम जा रहे कार्यकर्ताओं का अलग-अलग स्थानों पर स्वागत किया गया। जिलाध्यक्ष गिरजा साहू, दिनेश, रवि, घनश्याम साहू द्वारा कार्यकर्ताओं को ले जाने के लिए तैयार किया गया था। सभी कार्यकर्ताओं के लिए पामगढ़ में भोजन की व्यवस्था की गई थी। राजीम महोत्सव में साहू समाज के कार्यकर्ताओं ने भाग लेते हुए अपने विचार रखे।

संदीप सेठ वायएचएआई के राज्य इकाई में तीसरी बार चेयरमेन, विश्नोई को अहम् दायित्व

कोरबा के सतीश शुक्ला उपाध्यक्ष बनाए गए

कोरबा। यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफ इण्डिया की छत्तीसगढ़ राज्य शाखा के सत्र 2026 -2029 हेतु त्रैवार्षिक निर्वाचन 11 जनवरी को रायपुर में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। निर्वाचन में राष्ट्रीय कार्यालय द्वारा बिहार राज्य से नियुक्त पर्यवेक्षक मोहन कुमार की उपस्थिति रही । सभी पदों पर निर्विरोध निर्वाचन हुआ।

छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा को संस्था का मुख्य संरक्षक मनोनीत किया गया। मुख्य संरक्षक शर्मा ने उपस्थित सदस्यों को नववर्ष की शुभकामनाएँ दीं तथा नव-निर्वाचित एवं मनोनीत पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामना व्यक्त की । उन्होंने कहा कि मुख्य संरक्षक के रूप में वे यूथ हॉस्टल्स एवं उसके सदस्यों के हित में अपना सर्वोत्तम योगदान देने का हर संभव प्रयास करेंगे। निर्वाचन में सुनील विश्नोई (रायपुर) अध्यक्ष और सतीश शुक्ला (कोरबा) हकुमचंद जैन (धमतरी), शैलेश शुक्ला (बिलासपुर) उपाध्यक्ष निर्वाचित हुए। ये सभी पदाधिकारी लगातार दूसरी बार निर्वाचित हुए। कोरबा के

संदीप सेठ को लगातार तीसरी बार राज्य चेयरमैन निर्वाचित किया गया। उन्होंने चेयरमैन पद पर हैट्रिक बनायी। धमतरी इकाई ने उन्हें आईटी क्षेत्र में विशेष कार्य हेतु सम्मानित किया। सीए अशोक कुमार झाबक (रायपुर) को कोषाध्यक्ष चुना गया । के. सुब्रमण्यम (दुर्ग भिलाई) को सचिव एवं सुबोध देवांगन (दुर्ग भिलाई) को संगठन सचिव मनोनीत किया गया। निर्वाचन प्रक्रिया निर्विवाद सम्पन्न हुई। इसके अतिरिक्त विभिन्न समितियों के लिए रमेश देव (धमतरी) को साहसिक गतिविधि प्रोत्साहन समिति (एपीसी) सदस्य ; ऋषिकान्त तिवारी (दुर्ग भिलाई) को पर्यावरण संरक्षण समिति सदस्य ; भास्कर चौरसिया (बिलासपुर) को सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति सदस्य ; विमल श्रीवास (रायपुर) को हॉस्टल विकास समिति (एचडीसी) सदस्य ; त्रिभुवन कौशिक (कोरबा) को आईटी विकास समिति सदस्य मनोनीत किया गया । प्रेम लाल मिरेन्द्र (कोरबा) को स्टेट काउंसिल मनोनीत किया गया। कोरबा इकाई को छत्तीसगढ़ और बाहर के राज्यों में सबसे अधिक प्रोग्राम कराने के लिए पुरस्कृत किया गया।

नये कार्यकाल के लिए निर्विरोध निर्वाचित समस्त पदाधिकारियों, मनोनीत पदाधिकारियों , विभिन्न समितियों के प्रभारियों एवं नयी कार्यकारिणी को यूथ हॉस्टल्स के सदस्यों ने उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दी।

हादसे रोकने डेंजर जोन में लगेंगे रंबल स्ट्रीप, रोड मार्किंग भी

कोरबा। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना पुलिस का लक्ष्य है। इसको आधार मानते हुए काम चल रहा है। एक जनवरी से शुरू हुआ सड़क सुरक्षा जागरूकता माह 31 जनवरी तक संपन्न होगा, जिसमें पूरा फोकस हादसों में कमी लाने पर है। इस बीच विभिन्न संभावित दुर्घटना जोन के आसपास जरूरी उपाय करने पर ध्यान दिया गया है।

ट्रैफिक पुलिस और निगम की टीम ने संयुक्त रूप से इन क्षेत्रों का भ्रमण किया। सीएसपी प्रतीक चतुर्वेदी के साथ टीम ने ध्यानचंद चौराहे से सीएसईबी चौक, परसाभाठा तिराहा से लेकर दर्री गोपालपुर तक का निरीक्षण किया। इन क्षेत्रों की मौजूदा स्थिति देखी और पाया कि यहां पर कहां-कहां डेंजर जोन है और इस लिहाज से बहुत कुछ करने की जरूरत है। सीएसपी ने टीम को कहा कि संभावित डेंजर स्पॉट पर हादसे रोकने के अग्रिम उपाय के तौर पर रंबल स्ट्रीप की व्यवस्था की जाए। निर्धारित दूरी में सड़क पर मार्किंग कराई जानी जरूरी होगी। ऐसा करने से वाहन चालकों को सतर्क किया जा सकेगा। उन्होंने जल्द ही इस काम को पूरा कराने के निर्देश दिए। इस दौरान नगर निगम के कार्यपालन अभियंता अखिलेश शुक्ला, ट्रैफिक से सब इंस्पेक्टर आरएन राज़े, एएसआई मनोज राठौर, विकास शुक्ला, ईश्वर लहरे और अन्य स्टॉफ ने उपस्थिति दर्ज कराई।

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com